WAZA
World Association of Zoos and Aquariums

iZE
INTERNATIONAL ZOO EDUCATORS ASSOCIATION

संरक्षण के लिए सामाजिक बदलावः

विश्व चिड़ियाघर और मछलीघर संरक्षण शिक्षा रणनीति

क्रेडिट्स

शीर्षक
संरक्षण के लिए सामाजिक बदलावः विश्व चिड़ियाघर और मछलीघर संरक्षण शिक्षा रणनीति

लेखक
सारा थॉमस, पीएच.डी. प्रमुख, संरक्षण वकालत और जुड़ाव, ऑकलैंड चिड़ियाघर **sarah-thomas@aucklandzoo-co-nz**

हिन्दी अनुवाद
डॉक्टर ब्रिज किशोर गुप्ता

लेआउट और डिजाइन
कोर्टनी जैरड ग्राफिक डिजाइनर, सैन डिएगो चिड़ियाघर ग्लोबल

कवर फोटोग्राफी
मुख्य पृष्ठः ऑकलैंड चिड़ियाघर संरक्षण शिक्षा। © ऑकलैंड चिड़ियाघर

पृष्ठ भागः सुमात्रान टाइगर कब। © सैन डिएगो चिड़ियाघर ग्लोबल

कॉपीराइट
© 2020 अंतर्राष्ट्रीय चिड़ियाघर शिक्षक संघ और विश्व चिड़ियाघर और मछलीघर संघ

संदर्भ
थॉमस, एस (2020) संरक्षण के लिए सामाजिक बदलावः विश्व चिड़ियाघर और मछलीघर संरक्षण शिक्षा रणनीतिय बार्सिलोना, **WAZA** कार्यकारी कार्यालय, **89pp**

WAZA कार्यकारी कार्यालय
Carrer Roger de Llúria 2, 2-2
08010 बार्सिलोना
secretariat@waza-org
www-waza-org

IZE कार्यालय
ize-centraloffice@izea-net
www-izea-net

संपादकीय पावतियां
डेब्रा एरिकसन
एमी हग्स
डॉ. जूडी मैन
डॉ. मैडेलन विलेमसेन
ऑकलैंड चिड़ियाघर की टीम

ऑकलैंड चिड़ियाघर में मातौरंगा माओरी संरक्षण शिक्षा सत्र।
© ऑकलैंड चिड़ियाघर

विषयसूची

समान्य

क्रेडिट्स 02
प्रस्तावना 04
कार्यकारी सारांश 06
अनुशंसाएं 10
गुणवत्ता संरक्षण शिक्षा के प्रति होना 12
अध्यायों की रूपरेखा 13
परिचय 14

अध्याय

1- संरक्षण शिक्षा की एक संस्कृति निर्मित करना 18
2- चिड़ियाघरों और मछलीघरों में संरक्षण शिक्षा के कई उद्देश्यों को शामिल करना 24
3- सभी के लिए संरक्षण शिक्षा को बढ़ावा देना 34
4- संरक्षण शिक्षा में पद्धतियों और विधियों को लागू करना 42
5- संरक्षण शिक्षा में पशु देखभाल और कल्याण को एकीकृत करना 50
6- संरक्षण शिक्षा में संरक्षण और सततता को प्राथमिकता देना 58
7- संरक्षण शिक्षा में प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास को अनुकूलित करना 66
8- चिड़ियाघरों और मछलीघरों के संरक्षण शिक्षा मूल्य के साक्ष्य को मजबूत करना 72

परिशिष्ट

ग्रंथसूची 80
एक्रोनिम्स और वेबसाइट्स 83
शब्दावली 84
योगदान देने वाले संगठन 86
WZACES सिफारिशों की सूची 88

प्रस्तावना

पिछले 15 वर्षों में, विश्व चिड़ियाघर और मछलीघर संघ (WAZA) ने कई प्रभावशाली रणनीतियां तैयार की हैं। 2005 में, संरक्षण रणनीति ने सबसे पहले चिड़ियाघरों और मछलीघरों को संरक्षण उत्कृष्टता के केंद्रों के रूप में स्थापित किया था। इसके बाद 2015 में पशु कल्याण रणनीति ने पशु कल्याण की महत्वपूर्ण भूमिका को संबोधित किया था। 2020 की पर्यावरणीय निरंतरता रणनीति ने जीव-विज्ञान से संबंधित कार्य प्रणालियों में पर्यावरणीय निरंतरता के महत्व पर ध्यान केंद्रित किया। इसलिए, यह उचित है कि अंतर्राष्ट्रीय चिड़ियाघर शिक्षक संघ (IZE) को अब विश्व चिड़ियाघर और मछलीघर संरक्षण शिक्षा रणनीति तैयार करनी चाहिए। यह रणनीति चिड़ियाघरों और मछलीघरों के कार्य में संरक्षण शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका पर रौशनी डालती है, और कार्य प्रणाली के सभी चार स्तंभोंः संरक्षण, कल्याण, निरंतरता और संरक्षण शिक्षा, की परस्पर निर्भरता को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करती है। हमें उम्मीद है कि यह रणनीति संरक्षण शिक्षा के लिए लीडर्स के बीच समर्थन उत्पन्न करे, शिक्षकों को प्रेरित और मार्गदर्शित करे, और अंततः लोगों और हमारी प्राकृतिक दुनिया को लाभान्वित करे।

डेब्रा एरिकसन, अध्यक्षा
डा. जूडी मैन, निर्वाचित अध्यक्षा
अंतर्राष्ट्रीय चिड़ियाघर शिक्षक संघ

अंतर्राष्ट्रीय चिड़ियाघर शिक्षक संघ (IZE) के सहयोग से, विश्व चिड़ियाघर और मछलीघर संघ (WAZA) को विश्व चिड़ियाघर और मछलीघर संरक्षण शिक्षा रणनीति साझा करते हुए गर्व हो रहा है। हम जिन तरीकों से लोगों को प्रकृति को समझने, अनुभव करने और उससे जुड़ने में मदद करते हैं, वह हमारे ग्रह के जीवन के लिए महत्वपूर्ण है। हम उन लोगों में जो हमारे पास आते हैं, और अन्य लोगों में जिन तक पहुंचने में हम शर्माते नहीं है, सकारात्मक बदलाव प्रेरित करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। हमने संरक्षण शिक्षा मिशनों कार्यान्वित करना सीखा है, और हम अभी भी यह सुनिश्चित करते हैं कि हमारी पद्धतियां प्रबुद्ध और विज्ञान के आधार पर हों। हमारे क्षेत्रीय भागीदारों में से एक, EAZA की शिक्षा और प्रदर्शनी डिजाइन समिति के पूर्व अध्यक्ष के रूप में, और साथ ही साथ शिक्षाशास्त्र का अध्ययन करने वाले व्यक्ति के रूप में, मुझे हमारे समुदाय को देने के लिए एक और उपकरण मिलने की खुशी है। हम इस बहुमूल्य दस्तावेज को तैयार करने वाले सभी योगदानकर्ताओं को धन्यवाद देते हैं। हम निश्चित हैं कि आपको यह मार्गदर्शिका प्रेरक लगेगी, और आप इसका उपयोग अपने संगठन में गुणवत्ता संरक्षण शिक्षा को और बढ़ाने और चलाने के लिए करेंगे।

प्रो. थियो पगेल
WAZA अध्यक्ष, 2018 & 2021
विश्व चिड़ियाघर और मछलीघर संघ

IUCN के शिक्षा और संचार आयोग (सीईसी) के निर्वाचित अध्यक्ष के रूप में, मैं हमेशा संरक्षण के संचार में उत्कृष्टता के प्रति गहरी प्रतिबद्धता देखकर रोमांचित हो जाता हूँ। विश्व चिड़ियाघर और मछलीघर संरक्षण शिक्षा रणनीति संरक्षण का समर्थन करने के जनता के तरीके को बदलने में शिक्षा और संस्कृति की शक्ति की इस समझ को वास्तव में प्रदर्शित करती है। चिड़ियाघर और मछलीघर दुनिया भर में कई लोगों के लिए प्रकृति की जादुई दुनिया के प्रवेश द्वार हैं, और शहरी दर्शकों तक पहुंचने और संरक्षण के साथ उनके संबंधों को बदलने में मदद करने का एक अविश्वसनीय अवसर प्रदान करते हैं। यह रणनीति इस मायने में प्रभावशाली है कि यह पहचानती है कि चिड़ियाघर और मछलीघर द्वारा प्रदान किये जाने वाले आनंद और खुशी का उपयोग बड़े पैमाने पर जनता में संरक्षण कार्रवाई को सोच-समझकर सक्रिय करने के लिए किया जा सकता है। कल्पना कीजिए अगर हर साल चिड़ियाघर और मछलीघर से जुड़ने वाले करोड़ों लोग हमारे ग्रह को बचाने में भी मदद करें - तो इसका परिणाम कितना प्रभावशाली होगा! यह रणनीति इस सपने को साकार करने में मदद कर सकती है।

शॉन साउथी, अध्यक्ष
शिक्षा और संचार आयोग, अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ **(IUCN)**

अपनी **2015** की संरक्षण रणनीति में, **WAZA** ने, संरक्षण पहल की शुरुआत से प्रबंधन की सभी स्थितियों में एक प्रजाति की सभी आबादियों के महत्व को बढ़ावा देते हुए, **CPSG** के वन प्लान पद्धति का समर्थन किया था। मैं संरक्षण के लिए सामाजिक बदलावः विश्व चिड़ियाघर और मछलीघर संरक्षण शिक्षा रणनीति को, **IZE** और **WAZA** द्वारा उस वन प्लान पद्धति की एक शानदार व्याख्या और अनुप्रयोग के रूप में देखता हूँ। जैव विविधता के मूल्यों के बारे में मानवता की जागरूकता बढ़ाने में उसकी क्षमता और इसे संरक्षित करने के लिए वे जो कदम उठा सकते हैं, उसमें मूल से यकीनन ज्यादा अर्थपूर्ण अनुप्रयोग। हमारे ग्रह की जैव विविधता की खौफनाक गिरावट जारी है। संरक्षण समुदाय को इस तथ्य का सामना करना होगा कि हालांकि हम महत्वपूर्ण, प्रभावशाली कार्य कर रहे हैं, यह स्थिति को बदलने के लिए पर्याप्त, और पर्याप्त रूप से तेज नहीं है। हमें अपने प्रयासों को बढ़ाना होगा। संरक्षण शिक्षा, जैसा कि इस व्यावहारिक और महत्वाकांक्षी दस्तावेज में परिभाषित किया गया है, इन प्रयासों का केंद्र है और मान्यता प्राप्त चिड़ियाघरों और मछलीघरों की तुलना में कोई भी समुदाय नेतृत्व करने के लिए बेहतर स्थिति में नहीं है। संरक्षण के लिए सामाजिक बदलाव न केवल चुनौतियों को, बल्कि उन पर काबू पाने के लिए आवश्यक आकांक्षाओं और मार्गदर्शन को भी परिभाषित करता है और इस प्रकार, हम प्राकृतिक दुनिया को कैसे महत्व देते हैं, इसे बदलता है। यह एक क्षण भी जल्दी नहीं आया है।

डॉ ओनी बायर्स, अध्यक्ष
IUCN, SSC, संरक्षण योजना विशेषज्ञ ग्रुप

पानी के भीतर तैरते अफ्रीकी पेंगुइन
© सैन डिएगो चिड़ियाघर ग्लोबल

कार्यकारी सारांश

लोगों और प्रकृति के लिए विविध और सतत भविष्य के निर्माण में चिड़ियाघर और मछलीघर महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

तेजी से बदलते वातावरण, एक वैश्विक महामारी, और मानवीय गतिविधियों के कारण जैव विविधता की खौफनाक हानि इस भूमिका को और ज्यादा महत्वपूर्ण बना देते हैं। इसलिए, लोग प्राकृतिक दुनिया के प्रति सामूहिक रूप से कैसे सोचते, महसूस करते और बर्ताव करते इसे बदलने के लिए तत्काल, प्रभावी और सहयोगात्मक कार्रवाई की आवश्यकता है। यह परिस्थिति संरक्षण के लिए इस सामाजिक बदलाव में चिड़ियाघरों और मछलीघरों का योगदान देने में नेतृत्व करने का एक अनोखा अवसर प्रस्तुत करती है।

उनके संगठनों में संरक्षण शिक्षा की संस्कृति निर्मित करें।

संरक्षण शिक्षा के प्रामाणिक और प्रासंगिक उद्देश्यों की श्रृंखला की सराहना करें - जैसे प्रकृति से संबंध बनाना, वन्य जीवन के लिए सहानुभूति को बढ़ावा देना, क्षमता निर्माण, और पर्यावरण समर्थक व्यवहार प्रेरित करना।

विविध दर्शकों के लिए मापने योग्य शिक्षण परिणामों वाली रणनीतिक संरक्षण शिक्षा योजना बनाएं।

विविध, उचित, सुलभ और समावेशी रहते हुए दर्शकों की पहुंच बढ़ाएं।

स्पष्ट संदेश, दमदार कंटेन्ट और अभिनव प्रोग्रामिंग डिजाइन करें और डिलिवर करें।

आशावादी और प्रासंगिक संरक्षण और पर्यावरण संबंधी मुद्दों के प्रति समाधान केंद्रित रहें।

संरक्षण शिक्षा में पशु कल्याण के सिद्धांतों को शामिल करने को प्राथमिकता दें।

कर्मचारियों, स्वयंसेवकों और दर्शकों के लिए संरक्षण शिक्षा प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास अवसरों को अनुकूलित करें।

चिड़ियाघरों और मछलीघरों द्वारा संरक्षण शिक्षा के योगदानों, मूल्यों और प्रभावों के साक्ष्य पुष्ट करें।

संरक्षण शिक्षा पर पहली एकीकृत वैश्विक रणनीति के रूप में, संरक्षण के लिए सामाजिक बदलाव कई चिड़ियाघरों और मछलीघरों के लिए एक अद्भुत कदम- बदलाव का प्रतीक है। यह गुणवत्ता संरक्षण शिक्षा में विशेषज्ञता, नेतृत्व और क्षमता निर्मित करने के लिए अपने सदस्यों, सहयोगियों और व्यापक चिड़ियाघर और मछलीघर समुदाय का नेतृत्व और समर्थन करने के प्रति **IZEs** (अंतर्राष्ट्रीय चिड़ियाघर शिक्षक संघ) और **WAZA** (विश्व चिड़ियाघर और मछलीघर संघ) की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

जेरूसलम में टिश फैमिली जूलरजिकल गार्डन में संरक्षण शिक्षा। © शाई बेन अमी

सिफारिशें

अध्याय एक
संरक्षण शिक्षा की एक संस्कृति निर्मित करना

- चिड़ियाघर या मछलीघर की संरक्षण शिक्षा भूमिका इसके लिखित मिशन वक्तव्य में प्रतिबिंबित होनी चाहिए।
- चिड़ियाघर या मछलीघर में एक लिखित संरक्षण शिक्षा योजना होनी चाहिए। इस योजना को संरक्षण शिक्षा गतिविधियों, वे विभिन्न प्रकार के दर्शकों पर कैसे लागू होती हैं, और योजना के डिजाइन के पीछे की रणनीतिक सोच को रेखांकित करना चाहिए।
- संरक्षण शिक्षा योजना में इस बात का विशेष संदर्भ दिया जाना चाहिए कि किस प्रकार चिड़ियाघर या मछलीघर ने अपने मिशन और दृष्टिकोण के साथ-साथ अपनी संरक्षण शिक्षा में लागू राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नीतियों और मानकों को एकीकृत किया है।
- चिड़ियाघर या मछलीघर में उनकी संरक्षण शिक्षा देने के लिए उपयुक्त सुविधाएं होनी चाहिए।
- संरक्षण शिक्षा प्रदर्शनी डिजाइन का एक अभिन्न अंग होना चाहिए।

मिट्टी में हाथ - रोपण, बढ़ना और सीखना
बेलो होरिज़ोंटे चिड़ियाघर में। © हम्बर्टो मेलो

अध्याय दो
चिड़ियाघरों और मछलीघरों में संरक्षण शिक्षा के कई उद्देश्यों को शामिल करना

चिड़ियाघरों और मछलीघर में संरक्षण शिक्षा का लक्ष्य होना

- प्रजातियों, प्राकृतिक दुनिया, और संरक्षण में चिड़ियाघर और मछलीघर के योगदान के बारे में ज्ञान और समझ निर्मित करें।
- प्रजातियों, प्राकृतिक दुनिया और चिड़ियाघरों और मछलीघर के प्रति सकारात्मक संबंधों, भावनाओं, दृष्टिकोणों, मूल्यों और सहानुभूति को बढ़ावा दें।
- प्रजातियों और प्राकृतिक दुनिया के बारे में विस्मय, आश्चर्य, आनंद, रचनात्मकता और प्रेरणा को बढ़ावा दें।
- प्रजातियों और प्राकृतिक दुनिया के प्रति पर्यावरण समर्थक व्यवहारों, कार्यों और वकालत को प्रेरित करें।
- चिड़ियाघर, मछलीघर और जैव विविधता संरक्षण से जुड़े वैज्ञानिक, तकनीकी और व्यक्तिगत कौशल विकसित करें।

अध्याय तीन
सभी के लिए संरक्षण शिक्षा को बढ़ावा देना

- चिड़ियाघर या मछलीघर को अपनी पहुंच और लोगों के लिए ऑनसाइट, ऑफसाइट और ऑनलाइन संरक्षण के बारे में जानने और इसमें शामिल होने के अवसरों को बढ़ाना चाहिए।
- चिड़ियाघर या मछलीघर को विभिन्न दर्शकों की जरूरतों और विविधताओं को पूरा करने के लिए अपने संरक्षण शिक्षा कार्यक्रमों में कई प्रकार की वितरण पद्धतियां प्रदर्शित करने में सक्षम होना चाहिए।

अध्याय चार
संरक्षण शिक्षा में उपयुक्त पद्धतियां और विधियां लागू करना

- संरक्षण शिक्षा योजना में संरक्षण शिक्षा के सभी पहलुओं के लिए मापने योग्य शिक्षण परिणामों के साथ एक क्रॉस-करिकुलर पद्धति को लागू करने के लिए एक विशिष्ट संदर्भ शामिल होना चाहिए।
- संरक्षण शिक्षा संदेश वैज्ञानिक तथ्यों और सिद्धांतों पर आधारित होने चाहिए। जहां सांस्कृतिक, धार्मिक या वैकल्पिक विचारों का प्रतिनिधित्व किया जाता है, उन्हें स्पष्ट रूप से इस तरह इंगित किया जाना चाहिए।
- चिड़ियाघर या मछलीघर को प्रजातियों, पारिस्थितिक तंत्र और प्रदर्शित मुद्दों के बारे में सटीक और प्रासंगिक जानकारी प्रस्तुत करनी चाहिए।

व्याख्याता परिचय देते हुए कि फूल लगाने के लिए पशु परिपक्व खाद का उपयोग कैसे करें। © ताइपे चिड़ियाघर

अध्याय पांच

संरक्षण शिक्षा में पशु देखभाल और कल्याण को एकीकृत करना

- चिड़ियाघर या मछलीघर को पशु-आगंतुक इन्टरैक्शन पर **WAZA** या क्षेत्रीय दिशानिर्देशों का पालन करना चाहिए।
- चिड़ियाघर या मछलीघर को दर्शकों को पशु देखभाल के सिद्धांतों से जोड़ना चाहिए और यह दिखाना चाहिए कि उनका संगठन उनकी देखभाल में रह रही प्रजातियों के लिए उच्च कल्याण मानकों को कैसे हासिल करते हैं।

अध्याय छह

संरक्षण शिक्षा में संरक्षण और सततता को प्राथमिकता देना

- चिड़ियाघरों और मछलीघरों में संरक्षण शिक्षा को संरक्षण के मुद्दों को दर्शकों के अपने जीवन के लिए प्रासंगिक बनाने की आकांक्षा रखनी चाहिए और लोगों को प्रजातियों, पारिस्थितिक तंत्रों और समुदायों के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कार्य करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।
- चिड़ियाघर या मछलीघर को अपने संगठन के संरक्षण में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष योगदान का प्रदर्शन करके अपने दर्शकों को उनके संरक्षण और स्थिरता कार्य के बारे में शिक्षित करना चाहिए।

अध्याय सात

संरक्षण शिक्षा में प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास को अनुकूलित करना

- चिड़ियाघर या मछलीघर में कम से कम एक स्टाफ सदस्य होना चाहिए जिसके पास आवश्यक अनुभव और योग्यता हो, जो उनकी संरक्षण शिक्षा योजना के नेतृत्व और कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार हो।
- चिड़ियाघर या मछलीघर को स्थानीय, राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय संरक्षण शिक्षा नेटवर्क और बैठकों में सक्रिय होने के लिए संरक्षण शिक्षा में शामिल कर्मचारियों और स्वयंसेवकों का समर्थन करना चाहिए।
- चिड़ियाघर या मछलीघर को उचित सतत व्यावसायिक विकास और प्रशिक्षण से संरक्षण शिक्षा में शामिल कर्मचारियों और स्वयंसेवकों की संरक्षण शिक्षा योजना को पूरा करने में उनकी मदद करनी चाहिए।

अध्याय आठ

चिड़ियाघरों और मछलीघर के संरक्षण शिक्षा मूल्य के साक्ष्य को मजबूत करना

- चिड़ियाघर या मछलीघर को यह प्रदर्शित करने के लिए कि वह अपनी संरक्षण शिक्षा योजना को कैसे पूरा कर रहे हैं, कई प्रकार के साक्ष्य एकत्र और साझा करने चाहिए।
- चिड़ियाघर या मछलीघर को उचित तरीकों का उपयोग करते हुए अपने संरक्षण शिक्षा कार्यक्रमों का कई चरणों में मूल्यांकन करना चाहिए।
- चिड़ियाघरों और मछलीघर में संरक्षण शिक्षा का लोगों के ज्ञान, दृष्टिकोण और प्राकृतिक दुनिया के प्रति व्यवहार पर क्या प्रभाव पड़ता है यह प्रदर्शित करने के लिए चिड़ियाघर या मछलीघर को साक्ष्य-आधारित शोध करने की आकांक्षा रखनी चाहिए।
- चिड़ियाघर या मछलीघर को सामाजिक शोध और मूल्यांकन परियोजनाएं संचालित करने के लिए बाहरी संगठनों और शैक्षणिक संस्थानों के साथ साझेदारी बनाने की आकांक्षा रखनी चाहिए।

गुणवत्ता संरक्षण शिक्षा के प्रति प्रतिबद्ध होना

नीचे सूचीबद्ध प्रतिबद्धताएं इस रणनीति के प्रमुख परिणामों की रूपरेखा तैयार करती हैं। इन प्रतिबद्धताओं और सिफारिशों का उपयोग **IZE, WAZA,** अन्य क्षेत्रीय और राष्ट्रीय संघों और व्यक्तिगत संस्थानों द्वारा चिड़ियाघरों और मछलीघरों की संरक्षण शिक्षा भूमिका को समझने और समर्थन करने के लिए किया जा सकता है।

अध्याय 1

संरक्षण शिक्षा की एक संस्कृति निर्मित करना

हमारी प्रतिबद्धता सभी चिड़ियाघरों और मछलीघरों के केंद्र में गुणवत्ता संरक्षण शिक्षा की संस्कृति निर्मित करने के प्रति है।

अध्याय 2

चिड़ियाघरों और मछलीघरों में संरक्षण शिक्षा के कई उद्देश्यों को शामिल करना

हमारी प्रतिबद्धता चिड़ियाघरों और मछलीघर में संरक्षण शिक्षा के लिए स्पष्ट, प्रामाणिक और प्रासंगिक उद्देश्य बनाने के प्रति है।

अध्याय 3

सभी के लिए संरक्षण शिक्षा को बढ़ावा देना

हमारी प्रतिबद्धता दर्शकों के प्रकारों को समझने और चिड़ियाघरों और मछलीघरों की संरक्षण शिक्षा की पहुंच को बढ़ाने के प्रति है। हमारी प्रतिबद्धता विविध, समान, सुलभ और समावेशी संरक्षण शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रति है।

अध्याय 4

संरक्षण शिक्षा में उपयुक्त दृष्टिकोण और विधियों को लागू करना

हमारी प्रतिबद्धता चिड़ियाघरों और मछलीघरों में संरक्षण शिक्षा में साक्ष्य-आधारित पद्धतियों को उन्नत करने और सुधारने के प्रति है जो जागरूकता बढ़ाएं, लोगों को प्रकृति से जोड़ें, और पर्यावरण समर्थक व्यवहारों को प्रेरित करें।

अध्याय 5

संरक्षण शिक्षा में पशु देखभाल और कल्याण को एकीकृत करना

हमारी प्रतिबद्धता ऐसी संरक्षण शिक्षा तकनीकें विकसित करने के प्रति है जो पशुओं के प्रति सम्मान और मानव देख-रेख में उनको मिलने वाली देखभाल के उच्च मानकों को को प्रदर्शित करती हों। हमारी प्रतिबद्धता गुणवत्ता संरक्षण शिक्षा के माध्यम से चिड़ियाघरों और मछलीघरों की सकारात्मक धारणा को बढ़ाने के प्रति है।

अध्याय 6

संरक्षण शिक्षा में संरक्षण और निरंतरता को प्राथमिकता देना

हमारी प्रतिबद्धता जैव विविधता, पर्यावरणीय और संरक्षण से संबंधित मुद्दों के लिए कार्य करने और वकालत करने के लिए चिड़ियाघर और मछलीघर के दर्शकों की मदद करने, प्रेरित करने और संगठित करने के प्रति है।

अध्याय 7

संरक्षण शिक्षा में प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास को अनुकूलित करना

हमारी प्रतिबद्धता संरक्षण शिक्षा में व्यावसायिक विकास और प्रशिक्षण के लिए कई अवसर पेश करने और समर्थन करने के प्रति है।

अध्याय 8

चिड़ियाघरों और मछलीघरों के संरक्षण शिक्षा मूल्य के साक्ष्य को मजबूत करना

हमारी प्रतिबद्धता चिड़ियाघरों और मछलीघरों में निगरानी, मूल्यांकन और सामाजिक शोध के माध्यम से संरक्षण शिक्षा के परिणामों और प्रभावों के अवसरों को अधिकतम करने और साक्ष्य बनाने के प्रति है।

शब्दावली

इस रणनीति में उपयेग किये गए प्रमुख शब्दों की स्पष्ट समझ सुनिश्चित करना और इन विकल्पों के पीछे के तर्क की व्याख्या करना आवश्यक है। विभिन्न शब्द भाषा, सांस्कृतिक और संगठनात्मक संदर्भों के आधार पर चिड़ियाघरों और मछलीघरों के भीतर कार्यक्रमों, गतिविधियों और घटनाओं का वर्णन करते हैं।

हमारे महासागर विशेषज्ञों में से एक गृह शिक्षा विद्यार्थियों को एक आभासी यात्रा प्रदान करता है।
© महासागर संरक्षण ट्रस्ट

चिड़ियाघर और मछलीघर

इस दस्तावेज का उद्देश्य सभी चिड़ियाघरों और मछलीघरों के लिए प्रासंगिक, लागू करने योग्य और उपयोगी होना है। दायरे में सफारी और वन्यजीव पार्क, प्रकृतिक रिजर्व, और राष्ट्रीय और क्षेत्रीय चिड़ियाघर और मछलीघर संघों के अन्य सदस्य शामिल हैं। वाक्यांश ''चिड़ियाघर और मछलीघर'' जानबूझकर इस पूरे दस्तावेज में यह दर्शाने के लिए उपयोग किया गया है कि यह रणनीति मछलीघर के लिए उतनी ही प्रासंगिक है जितनी कि यह चिड़ियाघरों के लिए है।

शिक्षा

''शिक्षा'' शब्द का प्रयोग व्यापक अर्थों में शिक्षा और शिक्षण के लिए किया गया है। इसमें सभी शिक्षण अवसर (औपचारिक, अनौपचारिक और गैर-औपचारिक), सभी उम्र और विविध दर्शकों के लिए अनुभव और गतिविधियां शामिल हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह केवल स्कूलों या केवल बच्चों पर केंद्रित शिक्षा तक ही सीमित नहीं है।

संरक्षण शिक्षा

''संरक्षण शिक्षा'' शब्द का प्रयोग यह दर्शाने के लिए किया गया है कि जैव विविधता संरक्षण किसी चिड़ियाघर या मछलीघर द्वारा प्रदान की जाने वाली किसी भी शैक्षिक गतिविधि के मूल में होना चाहिए। लेकिन, संरक्षण शिक्षा, अपने व्यापक अर्थों में, जैव विविधता संरक्षण में योगदान देने वाली गतिविधियों को शामिल कर सकती है- जैसे सतत विकास, जैविक, विज्ञान या पर्यावरण शिक्षा, महासागर साक्षरता, व्यावहारिक कौशल-आधारित कार्यक्रम, अभियान और व्याख्या के लिए शिक्षा। शब्द ''शिक्षण,'' ''सहभागिता,'' और ''वकालत'' प्रासंगिक हैं, लेकिन चूंकि यह रणनीति विश्व स्तर पर समावेशी है, इसलिए ''संरक्षण शिक्षा'' को प्राथमिक वर्णनात्मक शब्द के रूप में चुना गया है। इसके अंतर्निहित अर्थ को बनाए रखते हुए इसका कई भाषाओं में अनुवाद किया जा सकता है।

दर्शक

इस पूरी रणनीति के दौरान, ''दर्शक'' शब्द का प्रयोग किया गया है। यह विकल्प ''आगंतुक'' शब्द के उपयोग से सोचा-समझा प्रस्थान है, क्योंकि अधिकांश चिड़ियाघर और मछलीघर अब उनके संरक्षण शिक्षा प्रयासों में बड़ी संख्या में व्यक्तियों और समूहों तक पहुंचते हैं। दर्शक शब्द का उपयोग करने से चिड़ियाघर और मछलीघर के साथ मानव और सामाजिक संबंधों की रेंज और विविधता का अधिक सटीक प्रतिनिधित्व चित्रित करने में मदद मिलती है। चिड़ियाघर और मछलीघर के दर्शकों में शामिल हैं, लेकिन इन तक सीमित नहीं हैं: परिवार और स्कूली बच्चों जैसे दिन के आगंतुक, आउटरीच कार्यक्रमों, सामुदायिक परियोजनाओं, इन सीटू फील्ड कार्यक्रमों और ग्रीष्मकालीन शिविरों के प्रतिभागी, वार्षिक पास धारक, और वे लोग जो चिड़ियाघर या मछलीघर के वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बातचीत करते हैं।

प्रजातियों

पशु, पारंपरिक रूप से, चिड़ियाघर और मछलीघर के लिए, उनकी देख-रेख में आई प्रजातियों के रूप में और उनके संरक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से ध्यान का प्राथमिक केंद्र रहे हैं। लेकिन, अब कई संगठन पौधों को अपने संरक्षण कार्यक्रम पोर्टफोलियो में और अपनी साइटों के लिए बनाई गई संग्रह योजनाओं में शामिल करते हैं, और वे उस महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करते हैं जो पौधे उनके संरक्षण शिक्षा प्रयासों में निभाते हैं। पौधों के महत्व और समावेश को प्रतिबिंबित करने के लिए, जहां ''प्रजाति'' शब्द का प्रयोग किया जाता है, यह स्पष्ट रूप से पशुओं और पौधों दोनों का प्रतिनिधित्व करता है।

प्रकृति

शब्द ''प्रकृति,'' और ''प्राकृतिक दुनिया'' का उपयोग चिड़ियाघर या मछलीघर की संरक्षण जिम्मेदारियों के भीतर टैक्सा और पर्यावरणों की विस्तृत श्रृंखला को प्रतिबिंबित करने के लिए किया गया है। विशेष रूप से, विशेषण ''अच्छा,'' ''आधुनिक,'' ''प्रगतिशील'' का उपयोग अक्सर किसी निश्चित मानक पर चल रहे चिड़ियाघरों और मछलीघरों में गुणवत्ता के स्तर का वर्णन करने के लिए अदल-बदल कर किया जाता है। ये विशेषण व्याख्या के लिए तैयार हैं, और अक्सर उनके मापदंडों के बारे में उलझन होती है। हालांकि इस दस्तावेज में इन शब्दों को जानबूझकर बाहर रखा गया है, एक स्पष्ट इरादा है कि यदि कोई संगठन इस रणनीति की सभी सिफारिशों को पूरा करता है, तो वह एक अच्छा, आधुनिक, या प्रगतिशील चिड़ियाघर या मछलीघर होने का दावा कर सकता है। हालांकि, यह केवल उनकी संरक्षण शिक्षा के विशिष्ट संदर्भ में है।

अध्यायों की रूपरेखा

इस रणनीति का प्रत्येक अध्याय प्रत्येक सिफारिश को हासिल करने के लिए चिड़ियाघरों और मछलीघर का मार्गदर्शन करता है। यह इस रणनीति के उद्देश्य और चिड़ियाघरों और मछलीघरों (परिचय) में संरक्षण शिक्षा के दायरे का एक अवलोकन देता है। यह व्यक्तिगत संगठनों और व्यापक वैश्विक चिड़ियाघर और मछलीघर समुदाय (अध्याय 1) के भीतर गुणवत्ता संरक्षण शिक्षा की संस्कृति निर्मित करने की आवश्यकता का वर्णन करता है। यह दर्शकों को सक्रिय संरक्षण अधिवक्ताओं में प्रेरित करने और संगठित करने के लिए संरक्षण शिक्षा के मूल उद्देश्यों (अध्याय 2) को पहचानता है और उनका वर्णन करता है।

यह रणनीति यह स्वीकार करती है कि विविध, न्यायसंगत, सुलभ और समावेशी संगठन होने (अध्याय 3) के महत्व को उजागर करते हुए, चिड़ियाघर और मछलीघर बड़े, विविध दर्शकों तक पहुंचने के लिए एक अद्भुत स्थिति में हैं। यह इस बात पर जोर देती है कि कैसे गुणवत्ता संरक्षण शिक्षा को अभिनव प्रोग्रामिंग और दमदार कंटेन्ट (अध्याय 4), और महत्वपूर्ण कारकों के माध्यम से डिजाइन और डिलिवर किया जाना चाहिए जो संरक्षण शिक्षा में उत्कृष्टता का उदाहरण बने। यह रेखांकित करता है कि संरक्षण शिक्षा में पशु कल्याण को कैसे प्राथमिकता दी जानी चाहिए - पहले, इस बारे में कि कैसे पशु दर्शकों के साथ गतिविधियों और बातचीत में शामिल होते हैंय और दूसरा, कैसे दिखाएं कि चिड़ियाघर और मछलीघर अपने पशुओं की देखभाल कैसे करते हैं और जैव विविधता संरक्षण में उनका योगदान कितना है (अध्याय 5)।

यह रणनीति संरक्षण, पर्यावरण और निरंतरता विषयों की रेंज और जटिलता को पहचानती है जिसे पूरे संरक्षण शिक्षा में बुना जा सकता है। यह संरक्षण के लिए सामाजिक बदलाव को उत्प्रेरित करने के लिए आशावादी और समाधान-आधारित पद्धति की वकालत करती है (अध्याय 6)। यह संक्षेप में विविध विकास मार्गों और प्रशिक्षण अवसरों की रूपरेखा बनाती है जो कर्मचारियों, स्वयंसेवकों और उनके दर्शकों (अध्याय 7) में सफलता के लिए क्षमता बनाने में मदद करते हैं। अंत में, यह रणनीति उन शोध पद्धतियों पर ध्यान केंद्रित करती है जो चिड़ियाघरों और मछलीघरों (अध्याय 8) द्वारा संरक्षण शिक्षा के योगदान, मूल्य और प्रभावों के साक्ष्य को मजबूत कर सकती हैं।

परिशिष्टों में पेज 80 पर एक ग्रंथ सूची और पेज 84 पर शब्दों की शब्दावली शामिल है। इसमें पेज 88 पर एक सिफारिश चेकलिस्ट उपकरण है, जो चिड़ियाघर और मछलीघर के लिए इस रणनीति की सिफारिशों के सामने अपने संगठन की संरक्षण शिक्षा का ऑडिट करने के लिए एक स्व-मूल्यांकन उपकरण है।

इस संरक्षण शिक्षा रणनीति के विकास में, **IZE** बोर्ड और **WAZA** परिषद को पूरी रणनीतिक विकास प्रक्रिया के दौरान दिये गए उनके मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद दिया जाता है। और व्यापक धन्यवाद और प्रशंसा योगदान देने वाले सैकड़ों व्यक्तियों और संगठनों को दी जाती है। 180 संस्थानों और 44 देशोंध्क्षेत्रों के 350 से अधिक व्यक्तियों (पेज 86 देखें) ने भविष्य के चिड़ियाघरों और मछलीघरों में संरक्षण शिक्षा के लिए इस अभिनव और समावेशी वैश्विक पद्धति को आकार देने के लिए अपने विचार, उत्साह और विशेषज्ञता साझा की।

रमत गान इज़राइल। © रमत गण सफारी

परिचय

इस रणनीति का उद्देश्य जैव विविधता संरक्षण में चिड़ियाघर और मछलीघर की भूमिकाओं के हिस्से के रूप में गुणवत्ता संरक्षण शिक्षा प्रदान करने के लिए उनका समर्थन करना है।

विश्व चिड़ियाघर और मछलीघर संरक्षण शिक्षा रणनीति की आवश्यकता

संरक्षण के लिए सामाजिक बदलावः विश्व चिड़ियाघर और मछलीघर संरक्षण शिक्षा रणनीति की शु–आत अंतर्राष्ट्रीय चिड़ियाघर शिक्षक संघ **(IZE)** द्वारा की गई थी और इसे विश्व चिड़ियाघर और मछलीघर संघ **(WAZA)** के सहयोग से विकसित किया गया है। **IZE,** दुनिया भर में चिड़ियाघरों और मछलीघरों के शैक्षिक प्रभाव का विस्तार करने के लिए समर्पित है। इसके सदस्य, चिड़ियाघर और मछलीघर जाने वाले लोगों में पर्यावरण-समर्थक व्यवहार को प्रोत्साहित करके जैव विविधता के संरक्षण के मिशन द्वारा निर्देशित किये जाते है। **WAZA,** दुनिया भर में पशुओं और उनके आवासों की देखभाल और संरक्षण के लिए समर्पित क्षेत्रीय संघों, राष्ट्रीय संघों, चिड़ियाघरों और मछलीघरों का एक विश्वव्यापी गठबंधन है। लंबे समय से चिड़ियाघरों और मछलीघरों के लिए संरक्षण शिक्षा एक मुख्य भूमिका होने के बावजूद, अब तक, इसमें औपचारिक और एकीकृत वैश्विक रणनीतिक दृष्टिकोण का अभाव रहा है। यह रणनीति, संरक्षण शिक्षा और संरक्षण, पशु कल्याण और संधारणीयता पर मौजूदा **WAZA** रणनीतियों के बीच संबंधों को स्वीकार करती है। सम्मिलित रूप में, चिड़ियाघर और मछलीघर को किस प्रकार संचालित किया जाना चाहिए, इसका आधार प्रदान करने के लिए ये चार रणनीतियाँ परस्पर कड़ियों के रूप में जुड़ीं हैं और सभी चिड़ियाघरों और मछलीघरों की इन महत्वपूर्ण मुख्य जिम्मेदारियों के बीच संबंध को पहचानती हैं।

संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता मेंः विश्व चिड़ियाघर और मछलीघर संरक्षण रणनीति (2015), संरक्षण शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता स्पष्ट हैः

> ''चिड़ियाघरों और मछलीघरों का कर्तव्य है कि वे ऐसे शिक्षा कार्यक्रमों का नेतृत्व, समर्थन और सहयोग करें जो संरक्षण के बेहतर परिणामों की दिशा में सामुदायिक व्यवहार में बदलाव को लक्षित करते हैं।''

वन्यजीवों की देखभालः विश्व चिड़ियाघर और मछलीघर पशु कल्याण रणनीति (2015), में संरक्षण शिक्षा और आगंतुक इन्टरैक्शन के कल्याणकारी पहलुओं पर एक अध्याय शामिल है। इस अध्याय में कहा गया है किः

> ''हमारी प्रतिबद्धता, वन्यजीव संरक्षण में आगंतुकों को शामिल करते हुए अन्य मौजूदा आगंतुकों को पूरा करने और शामिल करने के लिए आगंतुकों के साथ संशोधित किये गए उनके सारे इन्टरैक्शन्स में हमारे पशुओं के कल्याण को संरक्षित करने और बढ़ाने के लिए है।''

हमारे ग्रह की रक्षा करना: विश्व चिड़ियाघर और मछलीघर संघ सततता रणनीति 2020-2030, संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) में से प्रत्येक के साथ जुड़ी है। चिड़ियाघरों और मछलीघर के लिए इस रणनीति की कई सिफारिशें में, व्यक्तिगत और सामाजिक सतत कार्यों और बदलाव का समर्थन करने के लिए एक उपकरण के रूप में, संरक्षण शिक्षा शामिल है। SDG विशेष रूप से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बारे में है जिसका उद्देश्य है:

> "सभी के लिए समावेशी और समान गुणवत्ता वाली शिक्षा सुनिश्चित करना और आजीवन सीखने के अवसरों को बढ़ावा देना"

संरक्षण के लिए सामाजिक बदलाव स्वीकार करता है कि व्यक्तिगत संगठनों, और राष्ट्रीय और क्षेत्रीय चिड़ियाघर और मछलीघर संघों ने पहले से ही, अपने विशिष्ट संदर्भों में, संरक्षण शिक्षा की रणनीतिक दिशा पर महत्वपूर्ण ध्यान दिया है। कई क्षेत्रीय चिड़ियाघर और मछलीघर संघों में शिक्षा मानकों और दिशानिर्देशों का एक मौजूदा सेट है। इस रणनीति का उद्देश्य, किसी भी तरह से, इन प्रयासों को प्रतिस्थापित करना नहीं है। इसके बजाय, यह विश्व स्तर पर संरक्षण शिक्षा के प्रोफाइल को और बढ़ाने के लिए उनके द्वारा किये गये वर्तमान कार्यों से आकर्षित होता है। इसका उद्देश्य एक एकीकृत ढांचा प्रदान करना है जिससे सभी चिड़ियाघर और मछलीघर अपने संगठनों में संरक्षण शिक्षा के लिए गुणवत्ता, स्थिरता और जवाबदेही प्रदान करने में मदद कर सकें।

इस रणनीति के लिए इस्तेमाल किए गए मूलभूत ढांचे को पहले ही लगभग 50 देशों में 400 से अधिक चिड़ियाघरों और मछलीघर में लागू किया जा चुका है। 2016 में लॉन्च किया गया, यूरोपियन एसोसिएशन ऑफ जू और एक्वेरिया (EAZA) संरक्षण शिक्षा मानकों में 20 मानक हैं जिन्हें EAZA सदस्यों ने अपने संगठनों के भीतर संरक्षण शिक्षा का ऑडिट करने, उसका जश्न मनाने और उसे आगे विकसित करने के लिए एक उपयोगी उपकरण के रूप में अपनाया है। इस रणनीति के अन्तर्गत, 20 EAZA संरक्षण शिक्षा मानकों को, अन्य मौजूदा क्षेत्रीय ढांचे के पूरक के रूप में और उन्हें शामिल करने के लिए,और इस रणनीति के वैश्विक संदर्भ के साथ संरेखित करने के लिए संशोधित किया गया है। इसका परिणाम, चिड़ियाघरों और मछलीघरों में संरक्षण शिक्षा के लिए अच्छे अभ्यासों की 22 वैश्विक सिफारिशें का एक समूह है।

सतत विकास लक्ष्य

17 लोगों के लिए, ग्रह के लिए लक्ष्य

सतत विकास लक्ष्य (SDG), गरीबी को समाप्त करने, ग्रह की रक्षा करने और हर जगह हर किसी के जीवन और संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिए कार्रवाई करने के लिए एक सार्वदेशिक आह्वान है। SDG का लक्ष्य, अभी और भविष्य में, पृथ्वी पर सभी के लिए एक स्थायी, शांतिपूर्ण, समृद्ध और निष्पक्षजीवन सुरक्षित करना है। वर्ष 2015 में संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों ने सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा के हिस्से के रूप में 17 लक्ष्यों को अपनाया था, जिसमेंइन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए 15 साल की योजना निर्धारित की गयी है। SDG के लिए चिड़ियाघरों और मछलीघरों की प्रतिबद्धता में इन लक्ष्यों की वैश्विक उपलब्धि में महत्वपूर्ण योगदान देने की क्षमता है। यैक,प्रगतिशील चिड़ियाघरों और मछलाघरों को दुनिया में सुधार और स्थिरतालाने के लिए इन्हें अपने नेतृत्व, सोच और कार्य का कैसे अभिन्न अंग बनाना चाहिएइसके लिए आकांक्षाएं प्रदान करते हैं।

हमारे ग्रह की रक्षा करना पढ़ें: अधिक जानकारी के लिए WAZA सततता रणनीति।

अभियान के लिए एक वैश्विक आह्वान

तेजी से बदलते परिवेश और मानव गतिविधियों के बीच संबंध को प्रदर्शित करने वाले साक्ष्य बढ़ते जा रहे हैं। इसमें 2018 लिविंग प्लैनेट इंडेक्स (LPI) रिपोर्ट, 2019 इंटरगवर्नमेंटल साइंस-पॉलिसी प्लेटफॉर्म ऑन बायोडायवर्सिटी एंड इकोसिस्टम सर्विसेज (आईपीबीईएस) रिपोर्ट और कई हालिया इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) रिपोर्ट शामिल हैं। सामूहिक रूप से, वे प्रजातियों, जलवायु, पारिस्थितिक तंत्र और समुदायों में अभूतपूर्व और स्थायी बदलावों को संबोधित करने के लिए समय पर, महत्वाकांक्षी और समन्वित कार्रवाई को प्राथमिकता देने का आह्वान करती हैं।

इस बात के स्पष्ट प्रमाण हैं कि दुनिया भर में जैव विविधता खतरनाक दर से खराब हो रही है। अक्सर छठी सामूहिक विलुप्ति के रूप में वर्णित, ऐसी आशंकाएं हैं कि अगली कुछ शताब्दियों में सभी प्रजातियों में से लगभग तीन-चौथाई प्रजातियांलुप्त हो सकती हैं। साक्ष्यों से पता चलता है कि हमारा ग्रह अब एंथ्रोपोसीन युग में प्रवेश कर चुका है क्योंकि मानव गतिविधि अब पृथ्वी की जलवायु और पारिस्थितिक तंत्र में बदलाव का प्राथमिक कारण बन गयी हैं। स्पष्ट रूप से जलवायु और जैव विविधता संकट के परिणामस्वरूप, प्रकृति के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ (IUCN) के प्रजाति उत्तरजीविता आयोग ने वर्ष 2019 में:

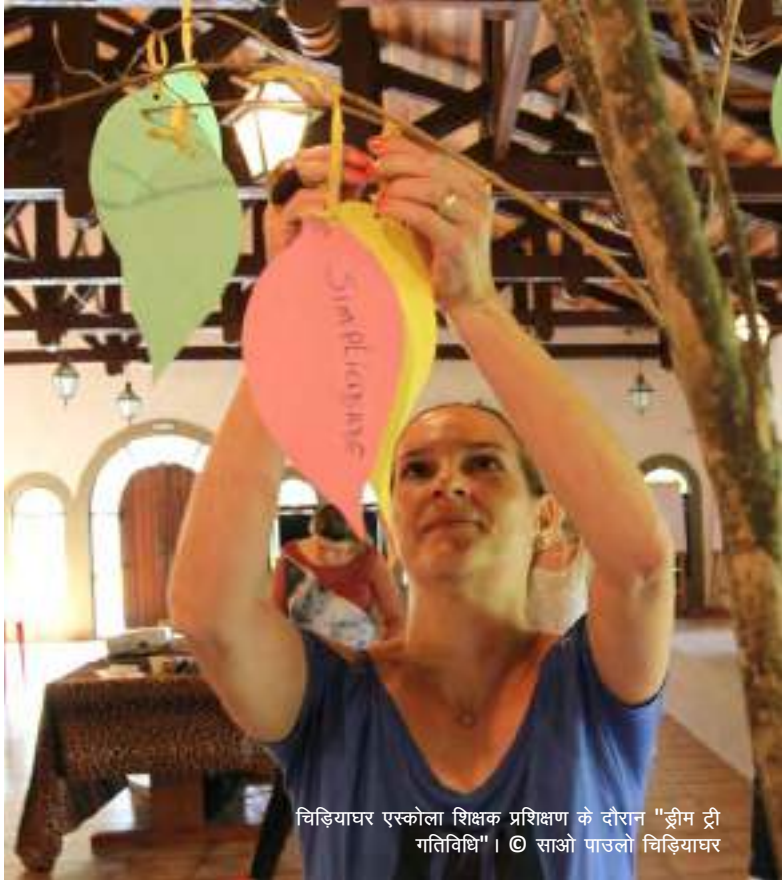

चिड़ियाघर एस्कोला शिक्षक प्रशिक्षण के दौरान "ड्रीम ट्री गतिविधि"। © साओ पाउलो चिड़ियाघर

> ''मानव गतिविधियों से जंगली प्रजातियों पर अभूतपूर्व, असतत और बढ़ते प्रभावों को संबोधित करने के लिए तत्काल और प्रभावी कार्रवाई।
>
> चिड़ियाघरों और मछलीघर के विशिष्ट संदर्भ में
>
> ''प्रजातियों के संरक्षण के लिए अपनी प्रतिबद्धता को बढ़ाने के लिए''आह्वान किया।

जैव विविधता संरक्षण के सामाजिक आयाम

जैव विविधता संरक्षण के मानव और सामाजिक आयामों की समझ में हाल ही में आए बदलाव ने संरक्षण परिदृश्य में लोग और उनके कार्यों की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर किया हैं। इस सोच को ''एक स्वास्थ्य (वन हेल्थ)'' दृष्टिकोण से और अधिक मजबूती मिलती है जो यह मानती है कि लोगों का स्वास्थ्य, पशुओं के स्वास्थ्य और उनके साझा पर्यावरण से निकटता से जुड़ा हुआ है। कई संरक्षण संगठनों की तरह, चिड़ियाघर और मछलीघर भी अपनी इस सोच के साथ आगे बढ़ रहे हैं कि प्रजातियों के संरक्षण में मानवीय और सामाजिक व्यवहार संबंधी चुनौतियां हैं और इसलिए इनसे व्यवहारिक रूप से सोचे-समझे समाधानों के द्वारा निपटा जाना चाहिए। परिणामस्वरूप, चिड़ियाघर और मछलीघर अपने संरक्षण शिक्षा प्रयासों की परिभाषा, कार्य, दायरे और दर्शकों का अन्वेशन और उनका विस्तार कर रहे हैं। भविष्य के लिएचिड़ियाघरों और मछलीघर के लिए,व्यक्तिगत व्यवहार और व्यापक सामाजिक बदलावों को प्रोत्साहित करने और उन्हें उत्प्रेरित करने के लिए संरक्षण शिक्षा विकसित करना, एक स्पष्ट फोकस होना चाहिए। यह रणनीति लोगों और प्राकृतिक दुनिया के बीच बढ़ते अलगाव से प्रेरित है। अविलंब और खतरनाक पर्यावरणीय मुद्दों में वृद्धि के साथ साथ, प्रकृति से यह अलगाव, लोगों में निराशाजनक और अशक्तता की भावना जागृत कर सकता है। चिड़ियाघर और मछलीघर, प्रकृति से लोगों को फिर से जोड़ने, वन्यजीवों के लिए सहानुभूति पैदा करने और लोगों द्वारा प्रजातियों, पारिस्थितिक तंत्र और समुदायों का मजबूती से पक्ष रखने के लिए सामाजिक बदलाव को संगठित करने के लिए अद्वितीय मंच प्रदान करते हैं।

लोगों द्वारादुनिया कीजैव विविधता की समृद्धि का अनुभव करने के स्थान होने के कारणचिड़ियाघर और मछलीघर सामाजिक समतलक होते हैं। वे सभी संस्कृतियों, धर्मों, जनसांख्यिकी और पीढ़ियों को आकर्षित करते हैं और उन्हें अवसर प्रदान करते हैं। विश्व स्तर पर, हर साल करोड़ों लोग चिड़ियाघरों और मछलीघरजाते हैं और उनसे जुड़ते हैं। इतनी बड़ी संख्या में और विविध दर्शक, संदेश संचार और पर्यावरण-समर्थक व्यवहारों को उत्प्रेरित करने के लिए एक विशाल संभावित पहुंच प्रदान करते हैं जो प्राकृतिक दुनिया को सकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं। व्यापक दायरे और विविध दर्शकों के साथ, चिड़ियाघरों और मछलीघरों को संरक्षण शिक्षा संसाधनों, क्षमता और विशेषज्ञता में और अधिक निवेश करने की आवश्यकता है ताकि सामाजिक बदलावों और संरक्षण परिणामों का लाभ उठाने के लिए यह सुनिश्चित किया जा सके कि सही संदेश सही दर्शकों तक पहुंचे।

ह्यूस्टन चिड़ियाघर, चिड़ियाघर मोबाइल कार्यक्रम। © ह्यूस्टन चिड़ियाघर

सामाजिक बदलाव के लिए संरक्षण शिक्षा

संरक्षण शिक्षा को एक बहुआयामी और मिश्रित विषय के रूप में माना जा सकता है। यह कई संज्ञानात्मक, सामाजिक, भावनात्मक, व्यवहारिक और शैक्षिक सिद्धांतों के पहलुओं पर आधारित है। इसमें पर्यावरण शिक्षा, विज्ञान शिक्षा, उसकी व्याख्या, सतत विकास के लिए शिक्षा और सामुदायिक जुड़ाव के तत्व शामिल हैं। यह व्यवहार और सामाजिक बदलाव के लिए कई दृष्टिकोणों, जैसे पर्यावरण और संरक्षण मनोविज्ञान और सामाजिक विपणन पर आधारित है। इसमें पहले से ही स्थापित पर्यावरण, विज्ञान और महासागर साक्षरता ढांचे की जानकारी सम्मिलित है। इसमेंकई कोर्सिस, अंतःविषय शामिल हैं और यह अक्सर वास्तविक दुनिया के संदर्भों में होती है। इसे अलग-अलग चिड़ियाघरों या मछलीघरों के माध्यम से, या अन्य चिड़ियाघरों, मछलीघरों, गैर-लाभकारी संस्थाओं, स्कूलों और सामुदायिक समूहों के साथ बहु-संगठनात्मक सहयोगी भागीदारी के माध्यम से पहुंचाया जा सकता है। अनिवार्य रूप से, संरक्षण शिक्षा को डिजाइन करने, पहुंचाने और मूल्यांकन करने का कोई एक तरीका नहीं है। हालांकि, यह रणनीति संरक्षण शिक्षा के कुछ मुख्य घटकों का ढांचा बनाने और उसका विस्तार करने में सहायता करेगी। इस दस्तावेज को गहन परिचालन या व्यावहारिक मार्गदर्शिका के रूप में डिजाइन नहीं किया गया है। संरक्षण शिक्षा से जुड़े सिद्धांत, शोध, अभ्यास और नीतियों के बारीक विवरण को इससे जानबूझकर दूर रखा गया है।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि इस रणनीति की सिफारिशें को प्राप्त करने के कई तरीके हैं। वैश्विक समुदाय के भीतर सांस्कृतिक, भौगोलिक, आर्थिक और राजनीतिक प्रासंगिक विविधता, प्रत्येक संगठन में संरक्षण शिक्षा के पैमाने और फोकस को प्रभावित करेगी। उदाहरण के लिए, अलग-अलग देशों में अपने अपनेचिड़िया घरों और मछलीघरों में संरक्षण शिक्षा के लिए अलग-अलग कानूनी और सांस्कृतिक अपेक्षाएं हैं।

संरक्षण के लिए सामाजिक बदलाव एक ऐसा उपकरण है जो सभी चिड़ियाघरों और मछलीघरों द्वारा प्रदान की जाने वाली संरक्षण शिक्षा को प्रतिबिंबित करने, ऑडिट करने और बेहतर बनाने में मदद करता है। इसका उद्देश्य, संरक्षण के लिए बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए चिड़ियाघरों और मछलीघरों कीसंरक्षण शिक्षा पहलों के बारे में विवेचनात्मकसोच में संबद्ध करने के लिए उनका मार्गदर्शन करना है। यह वैश्विक रणनीति, चिड़ियाघरों और मछलीघरों में संरक्षण शिक्षा के प्रोफाइल और मानकों को बढ़ाती है। यह, सभी स्तरों के कर्मचारियों और स्वयंसेवकों से समर्थन और भागीदारी का लाभ उठाने के लिए एक संगठन-व्यापी प्रयास के रूप में संरक्षण शिक्षा का ढांचा बनाने में मदद करती है।

अध्याय 1

संरक्षण शिक्षा की एक संस्कृति निर्मित करना

हमारी प्रतिबद्धता, सभी चिड़ियाघरों और मछलीघरों के केंद्र में गुणवत्ता संरक्षण शिक्षा की संस्कृति का निर्माण करना है।

दो किंडरगार्टन बच्चे खेल के दौरान आवर्धक चश्मे से खेलते हुए हील्सविले अभयारण्य में भ्रमण। © कॉर्मेक हनराहाना

सिफारिशें

चिड़ियाघर या मछलीघर की संरक्षण शिक्षा भूमिका उसके लिखित मिशन कथन में परिलक्षित होनी चाहिए।

- चिड़ियाघर या मछलीघर की एक लिखित संरक्षण शिक्षा योजना होनी चाहिए। इस योजना में संरक्षण शिक्षा गतिविधियों, विभिन्न प्रकार के दर्शकों पर कैसे लागू होंगी और योजना के डिजाइन के पीछे रणनीतिक सोचको रेखांकित करना चाहिए।
- संरक्षण शिक्षा योजना में इस बात का विशेष संदर्भ दिया जाना चाहिए कि चिड़ियाघर या मछलीघर ने अपने मिशन और दृष्टिकोण के साथ-साथ अपनी संरक्षण शिक्षा में लागू राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नीतियों और मानकों को किस प्रकार एकीकृत किया है।
- चिड़ियाघर या मछलीघर के पास, अपनी संरक्षण शिक्षा प्रदान करने के लिए उपयुक्त सुविधाएं होनी चाहिए।
- संरक्षण शिक्षा, प्रदर्शनी डिजाइन का एक अभिन्न अंग होनी चाहिए।

परिचय

गुणवत्ता संरक्षण शिक्षा की संस्कृति को मजबूत करना, चिड़ियाघरों और मछलीघरों के लिए महत्वपूर्ण है। चिड़ियाघरों और मछलीघरों के भीतर और उनके बीच एक मजबूत संस्कृति से गुणवत्ता, सततता और जवाबदेही को बढ़ावा मिलता है। गुणवत्ता संरक्षण शिक्षा के लिए एक संस्कृति को उत्प्रेरित करने के लिए, पूरे संगठन को, प्रभावी साक्ष्य-आधारित संदेश देने और महत्वपूर्ण संरक्षण मुद्दों के समाधान-आधारित दृष्टिकोण प्रदान करने के लिए सामूहिक उत्तरदायित्व को अपनाने की आवश्यकता है।

संगठनात्मक दृष्टिकोण

संगठन का व्यवसाय मॉडल कैसा भी हो, व्यापक रूप से संरक्षण शिक्षा को चिड़ियाघर या मछलीघर की मुख्य भूमिका के रूप में माना जाता है। वैसे भी, संगठन के मिशन वक्तव्य में संरक्षण शिक्षा परिलक्षित होनी चाहिए। यह कर्मचारियों, स्वयंसेवकों, बाहरी दर्शकों और हितधारकों को संरक्षण शिक्षा के प्रति चिड़ियाघरया मछलीघर की उच्चतम स्तर की प्रतिबद्धता का स्पष्ट संकेत देता है।

संरक्षण शिक्षा का उत्तरदायित्व, पूरे संगठन में सभी स्तरों पर अंतर्निहित होनी चाहिए। संरक्षण शिक्षा के माध्यम से दर्शकों से जुड़ने वाले निदेशकों से लेकर पशु देखभाल विशेषज्ञों, चिड़ियाघर के रखवाले और मछलीघर विशेषज्ञों तक, खुदरा कर्मचारियों से लेकर संरक्षणवादियों और शोधकर्ताओं तक, सभी कर्मचारियों और स्वयंसेवकों की संस्कृति, मानसिकता और उत्तरदायित्व का हिस्सा होना चाहिए। विभिन्न भूमिकाएं और विभाग इस उत्तरदायित्व को विविध तरीकों से पूरा कर सकते हैं। वे दिन गए जब संरक्षण शिक्षा केवल शिक्षा विभाग में शिक्षकों द्वारा दिए गए औपचारिक सत्रों तक ही सीमित थी। इस समग्र दृष्टिकोण से चिड़ियाघर और मछलीघर लाभान्वित होंगे, क्योंकि इस तरह से प्रमुख संरक्षण शिक्षा संदेश लगातार पूरे संगठन में वितरित और प्रवर्धित किए जा सकते हैं।

केस स्टडी

प्यार, देखभाल, रक्षा, एक साथ–आगंतुक जुड़ाव और उनके पक्ष के लिए एक मूल्य–संचालित पद्धति

संरक्षण लोगों के बारे में और वे प्रकृति को कैसे देखते और महत्व देते हैं इसको संबोधित करता है। वाइल्ड प्लैनेट ट्रस्ट, यूनाइटेड किंगडम ने एक व्याख्यात्मक रणनीति विकसित की है जो सार्थक जुड़ाव और भागीदारी विकसित करने के लिए ज्ञान के आधार, धारणाओं और मेहमानों के मूल्यों के साथ काम करती है। यह पद्धति, चार मुख्य कथनों और संदेशों के आसपास केंद्रित रहता है, जिनसे आगंतुक मूर्त रूप से संबंधित हो सकते हैं, जिन्हें सभी साइनेज पर बार-बार दिखाई देने वाले स्ट्रैपलाइन, कीवर्ड और लोगो द्वारा पहचाना जाता है। ये संदेश एक तार्किक चार-चरणीय पद्धति अपनाते हैं - इन विषयों में से एक या अधिक से संबंधित सभी व्याख्यात्मक सामग्री के साथ आगंतुक की भागीदारी (प्रेम) या उनकी चिंताओं को दूर करना (देखभाल) या उन्हें दिखाना कि वाइल्ड प्लैनेट ट्रस्ट क्या कर रहा है (रक्षा) या जुड़ने में (एक साथ) उनकी सहायता करना। आगंतुक, वाइल्ड प्लैनेट ट्रस्ट के सदाचार को एक संरक्षण दान के रूप में समझ सकते हैं और देख सकते हैं कि जिन संरक्षण मुद्दों पर चर्चा की गई है, वे घर पर उनके दिन-प्रतिदिन के कार्यों के प्रासंगिक और उनसे प्रभावित हैं।

सरल स्ट्रैपलाइन, आइकन और कीवर्ड का लगातार उपयोग व्याख्या के लिए हमारे दृष्टिकोण को रेखांकित करता है और सार्थक संदेश देने में मदद करता है जिससे आगंतुक संबंधित और संलग्न हो सकते हैं। हमारे संकेतों और व्याख्यात्मक पैनलों की सामग्री हमेशा ऊपर दिखाए गए मुख्य कथनों में से एक से संबंधित होती है।
© जंगली ग्रह ट्रस्ट

गुणवत्ता संरक्षण शिक्षा की संस्कृति से बंधे हुए, चिड़ियाघरों और मछलीघरों को ''बात पर चलना चाहिए।'' इसका मतलब है कि उन्हें उन्हीं कार्यों और व्यवहारों के प्रति प्रतिबद्ध होना चाहिए जो वे अपने दर्शकों से कहते हैं। उदाहरण के लिए, संरक्षण शिक्षा पहलें अक्सर दर्शकों को उपभोक्ता व्यवहारों, जैसे प्लास्टिक, ताड़ का तेल, लकड़ी या समुद्री भोजन खरीदने पर उनके निर्णयों में पर्यावरण समर्थक चयन करने के लिए कहती है। चिड़ियाघर और मछलीघर को अपनी खुद की खरीद और इन संसाधनों के उपयोग पर समान ध्यान देना चाहिए जैसा कि **WAZA** की हमारे ग्रह की रक्षा रणनीति में उल्लिखित है। चिड़ियाघर और मछलीघर केवल तभी विश्वसनीय और भरोसेमंद आवाज होंगे यदि वे उन मुद्दों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता कार्यों के साथ प्रदर्शित कर सकें जिनकी वे अपने दर्शकों के सामने वकालत करते हैं।

संरक्षण शिक्षा योजनाएं

गुणवत्ता संरक्षण शिक्षा की संस्कृति निर्मित करने में मदद करने के लिए एक लिखित रणनीतिक संरक्षण शिक्षा योजना के सृजन और कार्यान्वयन की आवश्यकता है। इस योजना को:

- संरक्षण शिक्षा योजना के आधार के रूप में इस रणनीति की सिफारिश का प्रयोग करना चाहिए।
- गुणवत्ता संरक्षण शिक्षा के डिजाइन, पहुंच और मूल्यांकन के लिए संगठन के सिद्धांत और प्रतिबद्धता को रेखांकित करना चाहिए।
- विभिन्न गतिविधियों और वे विविध दर्शकों पर कैसे लागू होती हैं इसका वर्णन करना चाहिए।
- योजना के डिजाइन के पीछे की कल्पना और रणनीतिक सोच पर रोशनी डालनी चाहिए।
- स्वदेशी विज्ञान, ज्ञान और संस्कृतियों के महत्व और प्रासंगिकता को संदर्भित करना चाहिए।
- चिड़ियाघरों और मछलीघरों, अन्य संरक्षण संगठनों और समुदायों के बीच साझेदारी की आवश्यकता और लाभ को प्रदर्शित करना चाहिए।
- व्यापक संरक्षण प्रयासों और संगठन के मिशन, परिकल्पना और रणनीतिक योजनाओं से जुड़ा और संरेखित होना चाहिए।
- लागू राज्य, राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नीतियों और मानकों पर कार्य करना चाहिए और उन्हें शामिल करना चाहिए- जैसे कि राष्ट्रीय स्कूल कोर्सिस, महासागर साक्षरता ढांचा, और संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य।

केस स्टडी

संरक्षण शिक्षा योजना, एक व्यावहारिक, दिमागी और दिल पर आधारित रणनीति

चिड़ियाघर में दर्शकों को प्रेरित करना। © लिस्बन चिड़ियाघर

लिस्बन चिड़ियाघर (पुर्तगाल) संरक्षण शिक्षा मिशन, संज्ञानात्मक, भावनात्मक और व्यवहारिक लक्ष्यों के माध्यम से जैव विविधता की रक्षा के पक्ष में व्यवहार बदलने के लिए चिड़ियाघर के अंदर और बाहर विभिन्न प्रकार के दर्शकों को प्रेरित और प्रोत्साहित करना है। एक संरक्षण शिक्षा योजना **(CEP)** का निर्मित करना रणनीतिक योजना का परिणाम है और संस्था के सिद्धांत को दर्शाती है। लिस्बन चिड़ियाघर सीईपी 2008 से है और पुर्तगाली राष्ट्रीय कोर्सिस, सतत विकास लक्ष्यों, **EAZA** संरक्षण शिक्षा मानकों के अनुसार हर साल अपडेट किया जाता है। इसमें 50 से अधिक विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों, प्रदर्शनी कंटेन्ट्स, की-लर्निंग परिणामों और मूल्यांकन विधियों पर प्रतिबिंबित एक गुणवत्ता संरक्षण शिक्षा ढांचा शामिल है, लेकिन यह अभिनव शिक्षण परिदृश्य बनाने के लिए भी तैयार हैं।

एक रणनीतिक योजना प्रक्रिया संरक्षण शिक्षा के दायरे और उद्देश्यों को तय करने, प्राथमिकताओं की रूपरेखा तैयार करने, इच्छित परिणामों का ब्योरा तैयार करने और संसाधनों का आवंटन करने में मदद करेगी। यह गुणवत्ता ढांचे को विकसित करने और कार्यक्रमों और दर्शकों के लिए बदलाव के सैद्धांतिक मॉडल्स बनाने में मदद कर सकती है। यह मूल्यांकन और सामाजिक शोध एजेंडा चला सकती है और अभिनव प्रथाओं को प्रज्वलित कर सकती है। सारी संरक्षण शिक्षा के लिए शासन, गुणवत्ता, अनुरूपता और जवाबदेही की संस्कृति सुनिश्चित करने के लिए योजना को पूरे संगठन में एक स्पष्ट रोडमैप प्रदान करना चाहिए।

चिड़ियाघरों और मछलीघरों में कम से कम एक कर्मचारी सदस्य होना चाहिए जिसके पास उनके संरक्षण शिक्षा प्रयासों का नेतृत्व करने के लिए आवश्यक अनुभव और योग्यता हो। उन्हें अपनी संरक्षण शिक्षा योजना विकसित करने के लिए सभी संगठनों के सहयोगियों के साथ काम करना चाहिए। उनकी जिम्मेदारी पूरे संगठन में संरक्षण शिक्षा योजना बनाना और उसका सही कार्यान्वयन सुनिश्चित करना है।

संरक्षण शिक्षा के तत्व, जैसे प्रदर्शनी डिजाइन, व्याख्यात्मक नियोजन, और संस्थागत संग्रह नियोजन सहित सभी संचालन पहलुओं में ऐसे कर्मचारी शामिल होने चाहिए जिनके पास उपयुक्त संरक्षण शिक्षा योग्यताएं और अनुभव हो। इन सभी संचालन पहलुओं में संरक्षण शिक्षा को एकीकृत करना लगातार संदेश और पूरे संगठन में संरक्षण शिक्षा योजना के अधिक प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित कर सकता है।

केस स्टडी

महासागर साक्षरता ढांचा

महासागर साक्षरता को लोगों पर समुद्र के प्रभाव और समुद्र पर लोगों के प्रभाव की समझ के रूप में परिभाषित किया गया है। एक महासागर-साक्षर व्यक्तिः

- समुद्र के बारे में सार्थक तरीके से संवाद कर सकता है।
- समुद्र और उसके संसाधनों के बारे में सूचित और जिम्मेदार निर्णय ले पाता है।

महासागर साक्षरता सिद्धांतों को 2002 में 100 से अधिक शिक्षकों, वैज्ञानिकों और शिक्षा नीति निर्माताओं की सामूहिक बुद्धि का उपयोग करके विकसित किया गया था। प्रत्येक सिद्धांत में संबंधित अवधारणाओं का एक "प्रवाह" है जो धीरे-धीरे अधिक जटिल होता जाता है। ये सिद्धांत औपचारिक और अनौपचारिक शिक्षण कार्यक्रमों के लिए एक उत्कृष्ट ढांचा प्रदान करते हैं और स्पष्ट शिक्षण परिणामों को विकसित और मूल्यांकन करने में सक्षम बनाते हैं। महासागर साक्षरता अब एशिया, यूरोप, उत्तरी और दक्षिण अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया में नेटवर्क के साथ एक वैश्विक आंदोलन है। प्रामाणिक और शानदार समुद्र अनुभवों और शिक्षण कार्यक्रमों तक पहुंच प्रदान करने में चिड़ियाघरों और मछलीघर की स्पष्ट भूमिका है जो समुद्र के साथ शिक्षार्थी के संबंध को मजबूत कर सकते हैं।

महासागर साक्षरता के आवश्यक सिद्धांत

1. पृथ्वी पर एक बड़ा महासागर है जिसमें कई विशेषताएं हैं

2. महासागर और समुद्री जीवन पृथ्वी की विशेषताओं को आकार देते हैं

3. महासागर मौसम और जलवायु पर प्रमुख प्रभाव डालता है

4. महासागर पृथ्वी को रहने योग्य बनाता है

5. महासागर जीवन और पारिस्थितिक तंत्रों की असाधारण विविधता का समर्थन करता है

6. महासागर और मनुष्य अटूट रूप से परस्पर जुड़े हुए हैं

7. महासागर काफी हद तक अज्ञात है

'सब के लिए महासागर साक्षरता - एक टूलकिट'
© यूनेस्को-आईओसी

संरक्षण शिक्षा में गुणवत्ता

चिड़ियाघरों और मछलीघरों को, वे अपनी संरक्षण शिक्षा कैसे बनाते हैं, प्रदान करते हैं और मूल्यांकित करते हैं इसमें गुणवत्ता की धारणा को अपनाना चाहिए। इसमें संरक्षण शिक्षा योजना के हिस्से के रूप में एक गुणवत्ता ढांचा विकसित करना शामिल हो सकता है। इस तरह की रूपरेखा पूरे संगठन में सभी संरक्षण शिक्षा प्रयासों के लिए गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक गतिविधि को रेखांकित करेगी।

सुविधाएँ और बुनियादी ढांचा

गुणवत्ता संरक्षण शिक्षा प्रदान करने के लिए चिड़ियाघरों और मछलीघरों को उपयुक्त सुविधाएँ और बुनियादी ढांचे में निवेश करना चाहिए। प्रत्येक चिड़ियाघर या मछलीघर में विविध प्रकार के स्थान और जगह होती हैं जो स्व-नेतृत्व वाले संरक्षण शिक्षा अनुभवों के लिए उपयुक्त होती हैं। अन्य ऑनसाइट सुविधाएँ में बाहरी प्रकृति खेल स्थान, इनडोर कक्षाएँ, प्रयोगशालाएँ और लचीले शिक्षण स्थान शामिल हैं। ऑफसाइट संरक्षण शिक्षा सुविधाएँ के उदाहरणों में क्षेत्र अध्ययन स्थल, प्रकृति ट्रेल्स, सामुदायिक स्थान, अस्थायी बाहरी शिक्षण स्थान और स्कूल शामिल हैं। ऑनलाइन सुविधाएँ में डिजिटल लर्निंग पोर्टल्स, मार्केटिंग सामग्रियाँ, वेबसाइट्स और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स शामिल हैं। संरक्षण शिक्षा के लिए सुविधाएँ और बुनियादी ढांचा अलग-अलग साइट, बजट और संचालन संरचनाओं के आधार पर भिन्न होते हैं। महत्वपूर्ण रूप से, सभी सुविधाएँ को अच्छी कार्यरत स्थिति में होना चाहिए, प्रासंगिक स्वास्थ्य और सुरक्षा कानून का पालन करना चाहिए, और उनके द्वारा होस्ट की जाने वाली संरक्षण शिक्षा के उद्देश्य के लिए उपयुक्त होना चाहिए।

चुनौतियां

संरक्षण शिक्षा को कितना संस्थागत ध्यान, संसाधनों और प्रोफाइल दिया जाता है, इसमें वैश्विक अंतर हैं। एक चिड़ियाघर या मछलीघर के केंद्र में संरक्षण शिक्षा को स्थान देने वाली संगठनात्मक संस्कृतियों को स्थानांतरित करना एक चुनौती के रूप में देखा जा सकता है। इसके लिए संगठनात्मक लीडर्स को अपने चिड़ियाघर या मछलीघर के भीतर संरक्षण शिक्षा को, उत्तम दर्जे का करने के लिए, सबसे महत्वपूर्ण भूमिका न सही, पर लिए सबसे महत्वपूर्ण भूमिकाओं में से एक के रूप में स्वीकार करना आवश्ययक है।

अधिक विशेष रूप से, लीडर्स को इस धारणा का समर्थन करने की आवश्यकता है कि चिड़ियाघर और मछलीघर को अपने संरक्षण शिक्षा प्रयासों के माध्यम से संरक्षण के मुद्दों के लिए सामाजिक बदलाव और व्यवहारिक समाधान चलाना चाहिए।

संरक्षण शिक्षा अभी भी एक मान्यता प्राप्त पेशे के रूप में उभर ही रही है, जिसके लिए उच्च स्तर के कौशल और विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। कुशल संरक्षण शिक्षा कर्मियों के लिए मान्यता और पुरस्कार के स्तर में अनुरूपता की व्यापक रूप से सूचित कमी है। यह एक अप्रत्याशित कैरियर मार्ग बना हुआ है, क्योंकि कई व्यक्ति कार्य-जीवन संतुलन की कमी या पेशेवर विकास के लिए असमान अवसरों और वरिष्ठ नेतृत्व पदों पर जाने की क्षमता के कारण चुनौती वाले इस क्षेत्र को छोड़ देते हैं।

संरक्षण शिक्षा में शामिल कर्मचारियों और स्वयंसेवकों की जिम्मेदारियां पूरी तरह से शैक्षिक होने से प्रकृति के लिए व्यवहारिक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक बदलावों पर ध्यान केंद्रित करने को शामिल करने के लिए स्थानांतरित हो गई हैं। इस प्रकार, संरक्षण शिक्षा में काम करने वालों को संरक्षण मनोविज्ञान, सामाजिक विपणन और सामाजिक शोध जैसे क्षेत्रों में नए कौशल और प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है।

शोबिल के बारे में सीखते बच्चे। © यूडब्ल्यूईसी

अध्याय 2

चिड़ियाघरों और मछलीघरों में संरक्षण शिक्षा के कई उद्देश्यों को शामिल करना

हमारी प्रतिबद्धता चिड़ियाघरों और मछलीघरों में संरक्षण शिक्षा के लिए स्पष्ट, प्रामाणिक और प्रासंगिक उद्देश्य बनाने के प्रति है।

जू इंटर्न प्रोग्राम के किशोर व्याख्यात्मक और नेतृत्व कौशल का निर्माण करते हैं क्योंकि वे मेहमानों को व्यावहारिक गतिविधियों में संलग्न करते हैं। © लिंकन पार्क चिड़ियाघर

सिफारिशें

चिड़ियाघरों और मछलीघरों में संरक्षण शिक्षा का लक्ष्य होना चाहिए:

- प्रजातियों, प्राकृतिक दुनिया, और संरक्षण में चिड़ियाघर और मछलीघर के योगदान के बारे में ज्ञान और समझ निर्मित करना।
- प्रजातियों, प्राकृतिक दुनिया और चिड़ियाघरों और मछलीघर के प्रति सकारात्मक संबंधों, भावनाओं, दृष्टिकोणों, मूल्यों और सहानुभूति को बढ़ावा देना।
- प्रजातियों और प्राकृतिक दुनिया के बारे में विस्मय, आश्चर्य, आनंद, रचनात्मकता और प्रेरणा को बढ़ावा देना।
- प्रजातियों और प्राकृतिक दुनिया के प्रति पर्यावरण समर्थक व्यवहारों, कार्यों और वकालत को प्रेरित करें।
- जुड़े वैज्ञानिक, तकनीकी और व्यक्तिगत कौशल विकसित करें

परिचय

संरक्षण शिक्षा के ''क्या'' और ''कैसे'' विभिन्न गतिविधियाँ, आयोजन और कार्यक्रम हैं। इनके बारे में अध्याय 4 में और पता लगाया गया है। यहाँ, चिड़ियाघरों और मछलीघर में संरक्षण शिक्षा के उद्देश्यों या ''क्यों'' का वर्णन किया गया है। प्रत्येक चिड़ियाघर और मछलीघर अपने स्वयं के भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संदर्भ के साथ, अनोखा होता है। आकार, बजट और व्यवसाय संचालन मॉडल के बावजूद, सके संरक्षण शिक्षा के मुख्य उद्देश्य सुसंगत होने चाहिए, ताकि ऐसे परिणाम प्राप्त हो सकें जो लोगों और प्रकृति को लाभ पहुंचाने वाले सामाजिक बदलाव को प्रेरित करते हैं।

बदलाव का सिद्धांत

संरक्षण शिक्षा एक बहुआयामी अनुशासन है जिसमें प्रजातियों और प्राकृतिक दुनिया के प्रति लोग कैसा सोचते, महसूस करते और कार्य करते हैं इससे बदलाव होता है। चिड़ियाघर और मछलीघर द्वारा कम अच्छी तरह से समझा गया है कि वे क्या बदलने की कोशिश कर रहे हैं, उनके

संरक्षण शिक्षा कार्यक्रमों में तर्क मॉडल्स का उपयोग करने के उदाहरण

इनपुट	गतिविधियां	आउटपुट	परिणाम
ब्रोंक्स चिड़ियाघर में 600 युवा कर्मचारी	युवा कर्मचारियों की भर्ती करें	90 युवा कर्मचारी भाग लेते हैं (30/वर्ष)	युवा कर्मचारी हस्तांतरणीय पेशेवर कौशल विकसित करें चिड़ियाघर के मिशन के प्रति प्रतिबद्धता की भावना को बढ़ावा देना करियर विकल्पों के लिए एक्सपोजर हासिल करें और पूंजीकरण करें चिड़ियाघर में उन्नति के अवसरों पर।
विभाग सहित समर्पित टीम नेतृत्व और एक कार्यक्रम प्रबंधक	विचार सृजन समस्याएं और समाधान पहचान करने के लिए मेंटरशिप प्रदान करें विचार रिकॉर्डिंग के लिए प्रक्रिया लागू करें विचारों की समीक्षा के लिए बैठकें स्थापित करें कार्यान्वयन के लिए कार्रवाई योग्य विचारों की पहचान करें	ट्रैकिंग, विकास के लिए मजबूत प्रक्रिया, और विचारों को लागू करना	
युवा पहल को सुविधाजनक बनाने का अनुभव		900 उत्पन्न विचार	
आइडिया संचालित संगठन मॉडल		90 विचारों को लागू किया गया	डब्ल्यूसीएस संचालन नवाचार की संस्कृति स्थापित करें जो युवा कर्मचारियों से प्रतिक्रिया ग्रहण करता है संचालन में स्थायी परिवर्तन बनाएँ, बढ़ी हुई क्षमता सहित और आगंतुक और कर्मचारी संतुष्टि समर्पित और प्रतिभाशाली कर्मचारी की अवधारणा बढ़ाएँ
अनुदान	कार्यबल विकास नौकरी कौशल प्रशिक्षण प्रदान करें करियर के विकास में मेंटरशिप प्रदान करें	15 कार्यबल विकास बैठकें (5/वर्ष) 70: सदस्य काम पर लौटते हैं अगले साल चिड़ियाघर 50: सदस्य अपने में विविधता लाते हैं चिड़ियाघर में भूमिकाएँ	

ब्रोंक्स चिड़ियाघर के युवा कर्मचारी के लिए तर्क मॉडल सलाहकार परिषद।
तर्क मॉडल
श्रेय: सु-जेन रॉबर्ट्स

केस स्टडी

संरक्षण शिक्षा कार्यक्रमों में तर्क मॉडल्स का उपयोग करने के उदाहरण

यह तर्क मॉडल ब्रोंक्स चिड़ियाघर (USA) के युवा कर्मचारी सलाहकार परिषद (YEAC) के लिए है, जो 2017 में शुरू किया गया तीन साल का पायलट कार्यक्रम है। ब्रोंक्स चिड़ियाघर का YEAC फ्रंट-लाइन स्टाफ सदस्यों का एक छोटा समूह है, जो अपने कार्यस्थल को अपने और आगंतुकों के लिए बेहतर बनाने में निवेश करते हैं। यह कार्यक्रम, युवा कर्मचारियों को करियर विकास और परामर्श प्रदान करते हुए, व्यवसाय संचालन और कार्यस्थल संस्कृति में वास्तविक बदलाव करता है। कार्यक्रम WCS (वन्यजीव संरक्षण सोसायटी) विभागों के हितधारकों को लक्षित परिणामों को सह-विकसित करने और विस्तृत गतिविधियों, आउटपुट्स और समयरेखा को विकसित करने के लिए उल्टा काम करने के लिए प्रेरित करता है। हितधारक अपने आप को कार्यक्रम के लक्ष्यों की याद दिलाने और गतिविधियों, आउटपुट्स और परिणामों की प्रगति रिपोर्ट करने के लिए हर साल तर्क मॉडल पर वापस आते हैं।

लक्षित दर्शक कौन हैं, और उन्हें कैसे पता चलेगा कि ये बदलाव हुए हैं। चिड़ियाघरों और मछलीघरों को संदेश ढांचे विकसित करने में निवेश करना चाहिए जो कहानियों और संदेशों को संरक्षण शिक्षा के लक्ष्य और परिणामों से जोड़ते हैं। इन्हें यह वर्णन और लिंक करना चाहिए कि कैसे प्रदान की जाने वाली संरक्षण शिक्षा के असर और प्रभाव सामाजिक और संरक्षण परिणामों में योगदान करते हैं।

चिड़ियाघरों और मछलीघरों को उनकी संरक्षण शिक्षा के माध्यम से उत्प्रेरित बदलाव के विभिन्न मार्गों का ब्योरा तैयार करना चाहिए, गंभीर रूप से सोचना चाहिए और उनका पता लगाना चाहिए। ''बदलाव का सिद्धांत'' मॉडल का उपयोग करना एक सहायक परिणाम-आधारित पद्धति हो सकती है। लंबी अवधि के लक्ष्यों, लिंक्स और मान्यताओं को रेखांकित किया जा सकता है, और परिणाम मार्गों को तैयार किया जा सकता है। बदलाव के सिद्धांत यह समझाने के लिए उपयोगी उपकरण हैं कि वांछित बदलाव कैसे और क्यों अपेक्षित और आशयित हैं। बदलाव का एक सिद्धांत स्पष्ट लक्ष्यों को ध्यान में रखकर, और आमतौर पर डिलीवरी पद्धति तय किए जाने से पहले बनाया जाता है। तर्क मॉडल किसी विशिष्ट कार्यक्रम के घटकों का ब्योरा तैयार करने में मदद करने वाला एक और उपकरण हैं। ये मॉडल्स संसाधनों, इनपुट्स, गतिविधियों, आउटपुट्स, परिणामों और प्रभावों के बीच संबंध दिखाने में मदद करते हैं। तर्क मॉडल्स बनाना चिड़ियाघरों और मछलीघरों को उनकी संरक्षण शिक्षा गतिविधियों की कल्पना करने में मदद कर सकता है। वे वर्णन कर सकते हैं कि वे क्या हासिल करने की उम्मीद करते हैं और सफल कार्यक्रम करने के लिए उन्हें क्या करने की आवश्यकता है। वे संरक्षण शिक्षा के घटक दिखाते हैं और यह सुनिश्चित करने में मदद करते हैं कि गतिविधियां इच्छित परिणामों और प्रभावों की ओर ले जाती हैं।

केस स्टडी

संरक्षण शिक्षा में बदलाव के सिद्धांत का उपयोग करने का उदाहरण

सैन डिएगो जू ग्लोबल (USA) का केयर कन्जर्वेशन एंगेजमेंट रोडमैप बदलाव का एक सिद्धांत है जो रूपरेखा दिखाता है कि संरक्षण से संबंधित देखभाल, समझ, कार्रवाई करने के इरादे और कार्रवाई को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रकार के अनुभवों का संयोजन में किस प्रकार उपयोग किया जा सकता है।

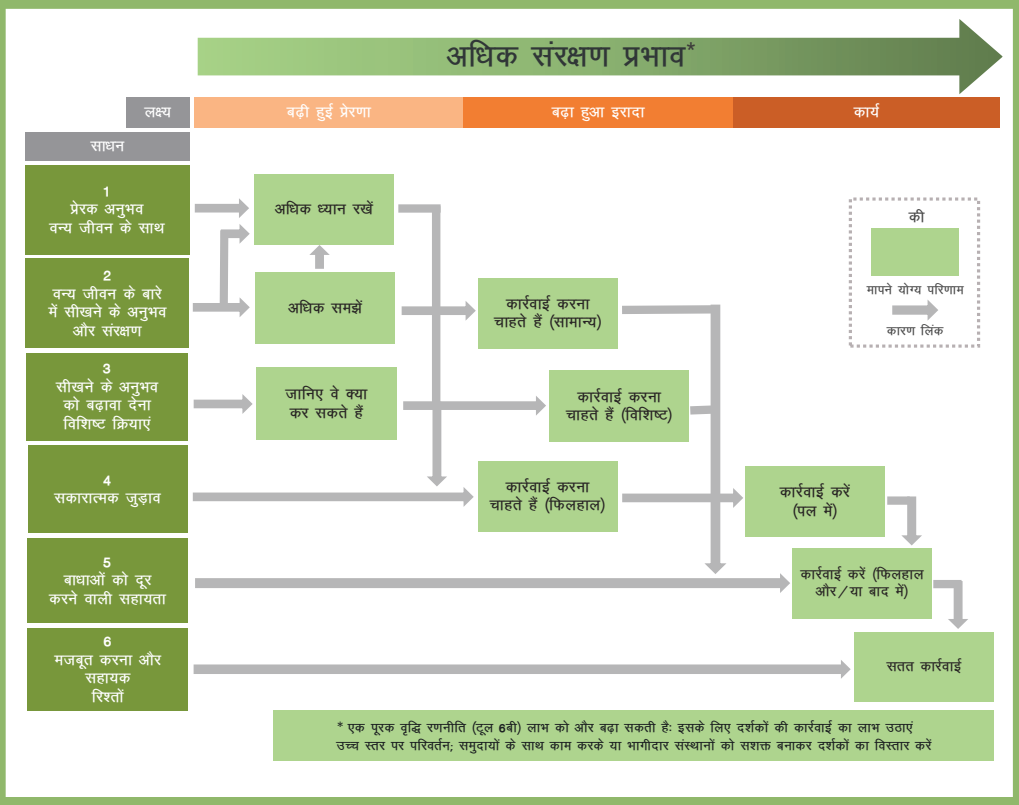

केयर कंजर्वेशन एंगेजमेंट रोडमैप, सैन डिएगो जू ग्लोबल। © एमिली रूटमैन एसोसिएट्स (2020)

उद्देश्य

संरक्षण शिक्षा में कई विषय और थीम्स आती हैं। चिड़ियाघर और मछलीघर में की जाने वाली गतिविधियों, कार्यक्रमों और ओयोजनों के लिए कई तरह के संभावित बौद्धिक, सामाजिक, भावनात्मक और शारीरिक कल्याण के लक्ष्य और परिणाम हैं। इसलिए, कई प्रकार के संज्ञानात्मक, सामाजिक, भावनात्मक, प्रेरणादायक, व्यवहारिक और कौशल-आधारित उद्देश्यों पर विचार किया जाना चाहिए और उन्हें शामिल किया जाना चाहिए। यह पद्धति अधिक विविध प्रकार के परिण ामों को बढ़ावा देती है और दर्शकों को केवल बहुत सारी जानकारी और तथ्य प्रदान करने की परंपराओं से दूर हो जाती है। निम्नलिखित पांच उद्देश्य पदानुक्रमित नहीं हैं, लेकिन परस्पर जुड़े हुए हैं, और वे चिड़ियाघरों और मछलीघरों में संरक्षण शिक्षा के लिए कई मुख्य उद्देश्यों की अवधारणा बनाने में एक उपयोगी तरीका प्रदान करते हैं।

संरक्षण शिक्षा में उद्देश्य की रेंज का चित्र (कला परिषद इंग्लैंड द्वारा सूचित सामान्य शिक्षण परिणामों के लिए (सभी के लिए शिक्षण को प्रेरित करने का ढांचा)।

(संज्ञानात्मक उद्देश्य)

प्रजातियों, प्राकृतिक दुनिया और संरक्षण में चिड़ियाघरों और मछलीघरों के योगदान के बारे में ज्ञान और समझ निर्मित करना।

(प्रभावी उद्देश्य)

प्रजातियों, प्राकृतिक दुनिया और चिड़ियाघरों और मछलीघर के प्रति सकारात्मक संबंध, भावनाओं, दृष्टिकोण, मूल्यों और सहानुभूति को बढ़ावा दें।

(प्रेरणा उद्देश्य)

प्रजातियों और प्राकृतिक दुनिया के बारे में विस्मय, आश्चर्य, आनंद, रचनात्मकता और प्रेरणा को बढ़ावा देना।

(व्यवहार उद्देश्य)

प्रजातियों और प्राकृतिक दुनिया का समर्थन करने के लिए समर्थक पर्यावरणीय व्यवहारों, कार्यों और वकालत को प्रेरित करना।

(कौशल उद्देश्य)

चिड़ियाघर, मछलीघर और जैव विविधता संरक्षण से जुड़े वैज्ञानिक, तकनीकी और व्यक्तिगत कौशल विकसित करना।

संज्ञानात्मक उद्देश्य

ज्ञान और समझ निर्मित करना अभी भी चिड़ियाघरों और मछलीघरों में संरक्षण शिक्षा का एक मूलभूत उद्देश्य बना हुआ है। यह उद्देश्य दर्शकों को अलग-अलग पशुओं, प्रजातियों और पारिस्थितिक तंत्रों से लेकर एक्स सीटू जनसंख्या प्रबंधन और जैव विविधता संरक्षण तक के विषयों के बारे में अधिक जानने और समझने में मदद करता है। इसके अलावा, चिड़ियाघरों और मछलीघरों को जटिल संरक्षण, सततता और पर्यावरणीय मुद्दों पर दर्शकों का ज्ञान और समझ निर्मित करनी चाहिए।

अपने व्यापक अर्थों में प्रकृति की समझ निर्मित करना चिड़ियाघरों, मछलीघरों और महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों के बारे में दर्शकों को और जानने, और अलग और गंभीरता से सोचने में मदद करने का एक आवश्यक उपकरण है। कई दर्शक को प्रजातियों की देखभाल, पशु कल्याण और जैव विविधता संरक्षण में योगदान के लिए चिड़ियाघरों और मछलीघरों द्वारा किये जाने वाले कार्यों की पूरी श्रृंखला के बारे में पता नहीं होता है। संरक्षण शिक्षा को प्रामाणिक संरक्षण संगठनों के रूप में चिड़ियाघरों और मछलीघरों के बारे में दर्शकों का ज्ञान, समझ, दृष्टिकोण, और सकारात्मक धारणाएं निर्मित करना जारी रखना चाहिए।

प्रभावी उद्देश्य

चिड़ियाघरों और मछलीघरों का उद्देश्य ऐसे अनुभव डिजाइन करना होना चाहिए जो दर्शकों को बाहर और ज्यादा समय बिताने के लिए प्रोत्साहित करें। प्रकृति के अनुभव भावनात्मक और शारीरिक सेहत विकसित करने में मदद करते हैं। वे लोगों को भावनात्मक रूप से प्राकृतिक दुनिया और अन्य लोगों से जोड़ते हैं, और व्यक्तिगत प्रतिबिंब प्रोत्साहित करते हैं। संरक्षण शिक्षा दर्शकों को जुड़ाव, परस्पर निर्भरता और वैश्विक सामाजिक-पारिस्थितिक प्रणाली का हिस्सा महसूस करने में मदद कर सकती है। वे आंतरिक रूप से प्रकृति का हिस्सा महसूस कर सकते हैं, इस ग्रह पर रहने वाली एक प्रजाति के रूप में, न कि प्राकृतिक दुनिया से अलग। चिड़ियाघरों और मछलीघरों का उद्देश्य वन्यजीवों के प्रति सम्मान और सहानुभूति को प्रोत्साहित करना और प्रकृति के आंतरिक मूल्यों, प्रकृति के प्रति गर्व, संरक्षकता, प्रेम और करुणा को बढ़ावा देना होना चाहिए। दर्शकों को वैश्विक "पर्यावरणीय नागरिकों" के रूप में, प्रजातियों और प्राकृतिक दुनिया का ख्याल रखने, चिंता करने और देखभाल करने की जिम्मेदारी की भावना महसूस होनी चाहिए। तेजी से बदलते वैश्विक पर्यावरण के बावजूद, दर्शकों को आशावादी और सकारात्मक बनाए रखने के लिए लचीलेपन और आशावाद को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इन प्रभावशाली शिक्षण मार्गों के माध्यम से, चिड़ियाघर और मछलीघर लोगों के बायोफिलिया - अर्थात् प्रकृति के लिए उनका प्यार, सम्मान और देखभाल को बढ़ा सकते हैं।

केस स्टडी

व्यावहारिक कार्य को स्थिति-आधारित चर्चा के साथ जोड़ना प्री स्कूल में सहानुभूति की नींव रखना

यूरोपीय बाइसन (बाइसन बोनसस) के बाड़े को साफ करने में मदद करना, जबकि वे क्या खाते हैं..और क्या निकलता है, इस बारे में बात करते हुए!
© Borås Djurpark

बोरस चिड़ियाघर, स्वीडन व्यावहारिक कृषि कार्य को विभिन्न पशुओं के बारे में चर्चा के साथ जोड़ता है जहां बच्चे पशुओं की भावनाओं को पहचानते हैं और उन पर चर्चा करते हैं। ये परिदृश्य और इमेजिज बच्चों की सहानुभूति विकसित करने में उनकी मदद करने के लिए पशु कल्याण स्वीडन द्वारा, एथोलॉजिस्ट और मनोवैज्ञानिक के साथ मिलकर, विकसित की गयी थीं। बच्चे उन पशुओं के बारे में जिनके साथ वे काम कर रहे हैं, बुनियादी जीव विज्ञान और जंगल के उन खतरों के बारे में भी सीखते हैं जिनका वे सामना करते हैं। इस कार्यक्रम के परिणामों में बच्चों को सहानुभूति और सम्मान, संरक्षण की आवश्यकता और जैव विविधता को संरक्षित करने के लिए वे घर पर या अपनी कक्षा में क्या कर सकते हैं इसके बारे में पढ़ाना शामिल है। उदाहरण के लिए, टीन के डिब्बों को रीसाइकिल करके धन जुटाना और संरक्षण कार्यक्रमों को दान करना।

केस स्टडी

प्रकृति से जुड़ने के लिए द्रष्टि कौशल से लैस होने के लिए "युवा खोजकर्ताओं" के लिए उद्देश्यपूर्ण संरक्षण शिक्षा

युवा खोजकर्ता क्लब **(YEC) 1.5** से **6** वर्ष की आयु के बच्चों के लिए ओशन पार्क हांगकांग में चला रहा एक साप्ताहिक संरक्षण शिक्षा कार्यक्रम है। इसका उद्देश्य सार्थक गतिविधियों से प्रकृति के प्रति प्रेम जागृत करना है। यह कार्यक्रम ''प्रकृति के खेल'' और ''अनुभवात्मक शिक्षण'' से सामाजिक-भावनात्मक, बारीकी और सकल मोटर कौशल और अनुभूति जैसे विकास लक्ष्यों को हासिल करने तक तालमेल पर टैप करता है।

ओशन पार्क के अनोखे पर्यावरण और संतुलित इनडोर-आउटडोर शिक्षण गतिविधियों का लाभ उठाते हुए, प्रत्येक कक्षा किसी अलग पशु पर केंद्रित होती है। बाद की कला, संवेदी और कहानी सुनाने की गतिविधियाँ प्रासंगिक पशु और संरक्षण ज्ञान को दृढ़ के लिए की जाती हैं। संरक्षण के मूल्य के बीज इन कम उम्र में बोए जाते हैं। देखे गए सकारात्मक परिणामों में प्रकृति अन्वेषण के बारे में बढ़ी जागरूकता और पशुओं और संरक्षण ज्ञान की और गहरी समझ शामिल है। ओशन पार्क (एक चिड़ियाघर और मछलीघर के रूप में) समुदाय को क्या पेश कर सकता है, इसकी पहली झलक के साथ, ल्म्ब जीवन भर के लिए आजीवन शिक्षार्थियों, प्रकृति अधिवक्ताओं और पशु उत्साही लोगों को पोषित करने के लिए प्रारंभिक कदम निर्धारित करता है।

समुद्र के जानवरों को देख रहे शिक्षक
छोटे बच्चों और ग्रैंड एक्वेरियम प्रदर्शनी में उनके साथ प्रासंगिक ज्ञान साझा करना।
© ओशन पार्क हांगकांग

प्रेरणा उद्देश्य

कई दर्शक शुरू में सामाजिक कारणों से चिड़ियाघर या मछलीघर जाते हैं - परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताने के लिए। ये सामाजिक अनुभव आनंद लेने और उनकी यात्रा से प्रेरित होने दोनों में दर्शकों की मदद करते हैं और अक्सर चिड़ियाघर या मछलीघर में वापस विजिट्स निर्धारित करते हैं। दर्शकों को चिड़ियाघर और मछलीघर के स्थानों और जगहों के भीतर संरक्षण शिक्षा के माध्यम से प्रजातियों और प्राकृतिक दुनिया के बारे में विस्मय और आश्चर्य के क्षण अनुभव होने चाहिए। संगठनों को प्रकृति के खेल, रचनात्मकता, मस्ती, अन्वेषण, नवाचार और जिज्ञासा को प्रोत्साहित करने के लिए संरक्षण शिक्षा को डिजाइन करना चाहिए। ये प्रेरक तत्व उन सामाजिक संबंधों का एक अनिवार्य हिस्सा हैं जो लोगों के चिड़ियाघरों और मछलीघरों से जुड़े हुए हैं। यह प्रेरणादायक उद्देश्य इस बात के लिए महत्वपूर्ण है कि लोग कैसे सीखते हैं, जुड़े हुए महसूस करते हैं, और पर्यावरण-समर्थक व्यवहारों को अपनाते हैं जो संरक्षण के लिए सामाजिक बदलाव का समर्थन करते हैं।

लोगों को प्रकृति से जोड़ने में मदद करने के लिए, चिड़ियाघर और मछलीघर को प्न्ब्छ के संचार और शिक्षा आयोग और उनके —**Nature for All** वैश्विक आंदोलन के साथ पंक्तिबद्ध और भागीदार हो जाना चाहिए जो प्रकृति के प्रति प्रेम को प्रेरित करता है। इसे इस ज्ञान पर स्थापित किया गया है कि जितने ज्यादा लोग प्रकृति के अपना प्रेम अनुभव करेंगे, उससे जुड़ेंगे और साझा करेंगे, उसके संरक्षण के लिए उतना ही ज्यादा समर्थन और कार्य होगा। व्यक्तिगत अनुभव और प्रकृति के साथ संबंध व्यक्तिगत और सामाजिक स्वास्थ्य, कल्याण और लचीलेपन के लिए शक्तिशाली लाभ प्रदान करते हैं।

व्यवहारिक उद्देश्य

प्रकृति का संरक्षण लोगों के व्यवहार और कार्यों से आपस से जुड़ा हुआ है। मानव और सामाजिक कार्य सभी पर्यावरण और संरक्षण मुद्दों के चालक और समाधान दोनों हैं। इसलिए, उनके संरक्षण शिक्षा के व्यवहारिक उद्देश्य के रूप में, चिड़ियाघरों और मछलीघरों को प्रजातियों की सहायता करने और प्राकृतिक दुनिया के सूरमा बनने के लिए दर्शकों के व्यवहार, कार्यों और वकालत को प्रेरित करने का प्रयास करना चाहिए।

मानव व्यवहार कई कारकों से प्रभावित होता है, जिसमें मूल्य, दृष्टिकोण, विश्वास और सामाजिक मानदंड शामिल हैं। इस पर सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों, सामाजिक प्रथाओं, सांस्कृतिक और अन्य प्रासंगिक कारकों का प्रभाव पड़ता है। मानव व्यवहार पूर्वानुमान लगाने और समझने में चुनौतीपूर्ण, अक्सर प्रभावित करने में मुश्किल होते हैं। विशिष्ट हस्तक्षेपों से जुड़े आरोप या कारणात्मक मार्ग निर्धारित करना मुश्किल होता है। चिड़ियाघरों और मछलीघरों को दर्शकों की इस समझ को और बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए कि उनके अपने व्यवहार और कार्य प्रजातियों, पारिस्थितिक तंत्रों और उन्हें स्वयं को कैसे प्रभावित करते हैं। उन्हें दर्शकों को कई प्रकार के व्यक्तिगत और सामूहिक पर्यावरण-समर्थक व्यवहारों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए और उनकी सहायता करनी चाहिए। और साथ ही, उन्हें अपने संगठन के भीतर और कर्मचारियों और स्वयंसेवकों के माध्यम से समान व्यवहार और कार्यों का नमूना पेश करना चाहिए। चिड़ियाघरों और मछलीघरों को बड़े पैमाने पर सामूहिक वकालत और सामाजिक कार्य करने हेतु एक जुट होने के लिए स्कूलों, युवा समूहों, समुदायों और पड़ोसी मुहल्लों जैसे समूहों को सुविधा देनी चाहिए। एक "पारिस्थितिक सोच" पद्धति यह सोचने के लिए एक उपयोगी ढांचा है कि कैसे सभी सामूहिक मानव प्रयास आपस में जुड़े हुए हैं और व्यक्तिगत क्रियाओं से जुड़े हुए हैं। चिड़ियाघरों और मछलीघरों को उन व्यक्तिगत और सामूहिक कार्यों को प्रेरित और संगठित करना चाहिए जो लोगों और प्रकृति को लाभ पहुंचाने वाले संरक्षण के लिए सामाजिक बदलावों को प्रभावित करने में मदद करते हैं।

दर्शक अक्सर अधिक सतत रूप से जीना और जैव विविधता संरक्षण में योगदान करना चाहते हैं, लेकिन हो सकता है इसे वास्तविकता बनाने में बाधाएं अनुभव करते हैं। चिड़ियाघरों और मछलीघरों को, जहां उपयुक्त हो, चर्चाओं को सुविधाजनक बनाना चाहिए, और इन बाधाओं को दूर करने के लिए विभिन्न प्रकार की सहायता और उपकरण प्रदान करने चाहिए। दर्शकों की सहायता करने से व्यक्तियों और समुदायों को आत्मविश्वास हासिल करने, सशक्त महसूस करने और प्रजातियों के संरक्षण और स्वस्थ समुदायों के लिए शक्तिशाली अधिवक्ता बनने की उनकी इच्छाएँ पहचानने में मदद मिलती है।

अपने परिसर में परागण उद्यान में काम कर रहे छात्र।
© ह्यूस्टन चिड़ियाघर

केस स्टडी

संबंध-आधारित स्कूल साझेदारी मॉडल ऐसे समुदाय बनाता है जो वन्यजीवों को बचाने के लिए सशक्त होते हैं।

ह्यूस्टन चिड़ियाघर (यूएसए) का सेविंग वाइल्डलाइफ स्कूल पार्टनरशिप्स प्रोग्राम एक अनुकूलन योग्य अनुभव है जो दीर्घकालिक संबंधों पर जोर देता है, जिसमें संपर्क के कई बिंदु शामिल हैं, और आयु-उपयुक्त कार्यों पर ध्यान केंद्रित करते हैं जो छात्र व्यक्तिगत रूप से और एक समूह के रूप में वन्यजीवों के खतरों को कम करने के लिए कर सकते हैं। सभी साझेदारियों में शिक्षक प्रशिक्षण, चिड़ियाघर के कर्मचारियों द्वारा स्कूल का दौरा, चिड़ियाघर की अध्ययन यात्राएं, और क्षेत्रीय प्रकृति प्रिजर्व्ज के दौरे शामिल हैं। प्रकृति में सकारात्मक अनुभवों को सहज करके, वन्यजीवों के लिए सहानुभूति प्रोत्साहित करके और विशिष्ट पशुओं के साथ व्यक्तिगत कार्य जोड़ के, ह्यूस्टन चिड़ियाघर ने छात्रों को वन्यजीवों को बचाने के संदेश को अपने अंदर समाहित करते हुए देखा है। साझेदार स्कूलों ने सामूहिक रूप से 7,000 वर्ग फीट से अधिक परागणकारी निवास स्थान बनाए हैं, 8,000 पाउंड से अधिक कागज को रिसाइकिल किया है, और ह्यूस्टन चिड़ियाघर के वैश्विक संरक्षण भागीदारों की सहायता करने के लिए +26,000 से ज्यादा जुटाए हैं। ये सफलताएं और मूल्यांकन डेटा दिखाते हैं कि भागीदारियां ऐसे अनुभव बनाती है जो छात्रों और शिक्षकों को अंदर से प्रेरित करते हैं और वन्यजीवो और जंगली जगहों के लाभ के लिए स्कूल समुदायों को एक साथ लाने की क्षमता रखती हैं।

कौशल उद्देश्य

चिड़ियाघर, मछलीघर और जैव विविधता संरक्षण से जुड़े वैज्ञानिक, तकनीकी और व्यक्तिगत कौशल विकसित करना संरक्षण शिक्षा का एक अनिवार्य उद्देश्य है। दर्शकों के कौशल विकास के लिए वास्तविक भागीदारी, नई चीजें आजमाना और अनुभवात्मक शिक्षण प्रक्रियाएँ महत्वपूर्ण घटक हैं। चिड़ियाघरों और मछलीघरों को आधुनिक, शहरी जीवन और पर्यावरणीय अनिश्चितता से निपटने के लिए अपने '21वीं सदी के कौशल' को बेहतर बनाने के लिए सभी दर्शकों की सहायता करनी चाहिए। इन कौशलों में गंभीर सोच, पहल का उपयोग करना, समस्या समाधान, पूछताछ, निर्णय लेना, सहयोग, संचार, नेतृत्व और डिजिटल मीडिया और प्रौद्योगिकी में साक्षरता शामिल है। कई प्रकार के वैज्ञानिक, तकनीकी और व्यक्तिगत कौशल और दक्षताएं विकसित करने से चिड़ियाघरों, मछलीघरों और उनके दर्शकों को ग्रह के सामने आने वाले भविष्य के मुद्दों से निपटने में मदद मिल सकती है।

चुनौतियाँ

चिड़ियाघरों और मछलीघरों के लिए मुख्य चुनौतियों में से एक यह है कि प्राकृतिक दुनिया के प्रति लोगों के सोचने, महसूस करने और कार्य करने के तरीके में बड़े पैमाने पर महत्वपूर्ण बदलावों को कैसे उत्प्रेरित किया जाए। इस चुनौती का उत्तर देने के लिए, चिड़ियाघरों और मछलीघरों को अपने कर्मचारियों की क्षमता निर्मित करने में निवेश करना चाहिए ताकि उनकी संरक्षण शिक्षा में सामाजिक बदलाव के लिए योजना बनाने, प्रदान करने और उसे तंत्रों को शामिल करने के लिए उनके पास सही स्तर का ज्ञान, कौशल और विशेषज्ञता हो। केवल जानकारी के हस्तांतरण पर ध्यान केंद्रित करतीं, शिक्षा की परंपराओं से हटकर, चिड़ियाघरों और मछलीघरों को कई उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए अपनी संरक्षण शिक्षा को ऑडिट, प्रतिबिंबित और पुनर्निर्मित करना चाहिए। इसमें उनकी संरक्षण शिक्षा योजना के अंतर्गत प्रत्येक विभिन्न लक्ष्यों के लिए इच्छित परिणामों का स्पष्ट विवरण और बदलाव के शिक्षण मार्ग शामिल हैं।

एक और चुनौती किसी चिड़ियाघर या मछलीघर के मिशन और लक्षित दर्शकों की रुचि और लक्ष्यों के बीच प्रारंभिक स्पष्ट बेमेल हो सकती है। यह चुनौती अक्सर तब सामने आती है जब समुदाय में कम योग्य दर्शकों से संपर्क कर रहे होते हैं जो भाग लेने के लिए कम इच्छुक हो सकते हैं या चिड़ियाघर या मछलीघर से जुड़ने की प्रासंगिकता को आसानी से नहीं समझते हैं। चिड़ियाघर और मछलीघर को संबंध बनाने, विश्वास विकसित करने, और प्रामाणिक संरक्षण शिक्षा कार्यक्रम के विकास के लिए महत्वपूर्ण इन्टर्सेक्शन्स खोजने के लिए इन दर्शकों के साथ मिलकर काम करने में निवेश करना चाहिए।

चिड़ियाघर और मछलीघर के लिए एक चुनौती - और अवसर है संरक्षण शिक्षा को संरक्षण के लिए सामाजिक बदलाव को प्रेरित करने वाले बहु उद्देश्यों को अपनाने के लिए बदलना। इस बदलाव के माध्यम से, संरक्षण शिक्षा दर्शकों को सक्रिय संरक्षण अधिवक्ता बनने के लिए प्रेरित कर सकती है, जो अपने आसपास की दुनिया को समझते हैं और जो प्रकृति से जुड़ाव महसूस करते हैं और प्रकृति के मूल्य की कदर करते हैं। भविष्य के चिड़ियाघरों और मछलीघरों के दर्शकों को ऐसे लोग होना चाहिए जो इस बात की परवाह करते हैं कि दुनिया की जैव विविधता और पारिस्थितिक तंत्रों का भविष्य खतरे में है, और जो सभी जीवित वस्तुओं के स्वास्थ्य और कल्याण की परवाह करते हैं। वे सभी प्रजातियों के भविष्य की परवाह करेंगे, दोनों अपने दैनिक जीवन में और ज्यादा पर्यावरण समर्थक व्यवहार अपनाने के लिए कदम उठाएंगे, और निर्णायक सामूहिक कार्य चलाने के लिए दूसरों के साथ जुड़ेंगे। भविष्य के दर्शकों को चिड़ियाघरों और मछलीघरों को विश्वसनीय आवाजों वाले सामाजिक उद्यमों के रूप में देखना चाहिए। वे जानते हैं कि चिड़ियाघर और मछलीघर सामाजिक, भावनात्मक बदलावकारी अनुभव और अवसर सक्षम करते हैं जो लोगों को प्रजातियों, पारिस्थितिक तंत्रों और समुदायों के लिए सतत भविष्य बनाने के लिए एक साथ लाते हैं।

व्हेल के करीब - सभी प्रकार के दर्शकों के लिए एक अनुकूलित शैक्षिक क्षण। © मारिनलैंड एंटिबेस

बड़े विचार घर
बनाते हैं ज्ञान
उसे बनाए
रखता है

केस स्टडी

मातौरंगा माओरी संरक्षण शिक्षा कार्यक्रम एक माओरी विश्व द्रष्टिकोण

ऑकलैंड चिड़ियाघर में मातौरंगा माओरी संरक्षण शिक्षा सत्र। © ऑकलैंड चिड़ियाघर

माओरी दुनियाध् ते आओ माओरी में आदिम पूर्वजों का केवल एक समूह है (रंगिनुई और पापातुआनुकु) जिनसे अंततः सारे वंश निकलें हैं। इसलिए सभी चीजें संबंधित हैं। चाहे वे लोग हों, पशु हों, पौधे हों, चट्टानें हों, या पानी हो। सब कुछ जुड़ा हुआ है और अपने स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक दूसरे पर निर्भर है। मातौरंगा माओरी दुनिया में होने और संलग्न होने के माओरी तरीके के बारे में है। ऑकलैंड चिड़ियाघर, न्यूजीलैंड, मातौरंगा माओरी संरक्षण शिक्षा कार्यक्रम प्रदान करता है जो संबंधों को स्पष्ट करने, समझाने और माओरी संस्कृति और इसके कई सिद्धांतों और प्रथाओं की अधिक समझ और प्रशंसा के लिए एओटेरोआ न्यूजीलैंड वनस्पतियों और जीवों का उपयोग करता है। इनमें कैतिअकिटंगा (संरक्षकता), वाकापापा (वंशावली), रोंगोआ (दवा), और तुरंगवेवे (अपनापन) शामिल हैं।

अध्याय 3

सभी के लिए संरक्षण शिक्षा को बढ़ावा देना

हमारी प्रतिबद्धता दर्शकों के प्रकारों को समझने और चिड़ियाघरों और मछलीघरों की संरक्षण शिक्षा की पहुंच को बढ़ाने के प्रति है।
हमारी प्रतिबद्धता विविध, समान, सुलभ और समावेशी संरक्षण शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रति है।

माई सिटी, माई फॉरेस्ट प्रतिभागियों ने प्लास्टिक की बोतलों का पुनरू उपयोग करना सीखा अद्भुत पेंसिल केस बनाने के लिए। © उज्ज्वल सेनानु

सिफारिशें

- चिड़ियाघर या मछलीघर को लोगों के ऑनसाइट, ऑफसाइट और ऑनलाइन संरक्षण के बारे में जानने, और उसमें शामिल होने के लिए अपनी पहुंच और अवसरों को बढ़ाना चाहिए।

- चिड़ियाघर या मछलीघर को विभिन्न दर्शकों की जरूरतों और विविधताओं को पूरा करने के लिए अपने संरक्षण शिक्षा कार्यक्रमों में कई प्रकार की डिलिवरी पद्धतियाँ प्रदर्शित करने में सक्षम होना चाहिए।

परिचय

चिड़ियाघरों और मछलीघरों को विविध, समान, सुलभ और समावेशी संगठन होना चाहिए जो समाज के सभी क्षेत्रों से जुड़ें। आखिरकार, जैव विविधता संरक्षण एक संपूर्ण ग्रह की चुनौती है, और सामाजिक आधार के समाधानों में सभी को शामिल करना आवश्यक है। इसलिए, यह समझ निर्मित करना कि संरक्षण सभी के जीवन के लिए अभिन्न और प्रासंगिक है, महत्वपूर्ण है। संरक्षण शिक्षा का एक अनिवार्य हिस्सा विभिन्न दर्शकों की जरूरतों को समझना और उनकी सहायता करना है- और, विशेष रूप से, ऑनसाइट, ऑफसाइट और ऑनलाइन चिड़ियाघर और मछलीघर से जुड़ी विभिन्न प्रकार की संरक्षण शिक्षा गतिविधियों में विविध दर्शक कैसे भाग ले सकते हैं।

चिड़ियाघरों और मछलीघरों को अपने दर्शकों की विविधता, उनके कार्यबल और उन स्थानों और जगहों तक पहुंच पर विचार करना चाहिए जहां वे संरक्षण शिक्षा प्रदान करते हैं। उन्हें व्यक्तिगत और सामुदायिक भलाई हेतु संरक्षण अवसरों के लिए सामाजिक बदलाव को संचालित करने, उसमें भागीदारी बढ़ाने और उसे बेहतर करने के लिए अपने ष्सामाजिक लाइसेंसष को आगे बढ़ाने हेतु उनकी संरक्षण शिक्षा के प्रति एक सामाजिक न्याय पद्धति शामिल करनी चाहिए।

चिड़ियाघरों और मछलीघर की पहुंच को आगे बढ़ाना

चिड़ियाघर या मछलीघर की साइट्स के अलावा, संरक्षण शिक्षा ऑनलाइन, बाहर स्थानीय समुदाय में, अन्य संगठनों के साथ साझेदारी में, सीटू परियोजनाओं के भीतर, और सहयोगात्मक रूप से स्थानीय और वैश्विक स्तर पर हो सकती है। ऐसे अवसर प्रदान करके, चिड़ियाघर और मछलीघर और विस्तृत प्रकार के दर्शकों से अधिक समान रूप से और गहराई से जुड़ सकते हैं।

चिड़ियाघर और मछलीघर के वर्तमान और संभावित दर्शकों के पास अपना समय बिताने के कई विकल्प हैं। वास्तविक और कथित बाधाएं कई लोगों को चिड़ियाघर या मछलीघर जाने से या ऑफसाइट या ऑनलाइन संरक्षण शिक्षा गतिविधियों में भाग लेने से रोकती हैं। बाधाएं आर्थिक, सांस्कृतिक, बौद्धिक, या यह भावना हो सकती है कि चिड़ियाघर और मछलीघर ष्उनके लिए नहीं हैं। ये बाधाएं दर्शकों के संरक्षण शिक्षा तक पहुंचने और उसे अनुभव करने के अवसरों को सीमित करती हैं।

चिड़ियाघरों और मछलीघरों को अपने कार्यक्रमों, और उन स्थानों और जगहों में विविधता लाकर इन बाधाओं को दूर करने के लिए काम करना चाहिए, जहां वे नए और वर्तमान दर्शकों से जुड़ते हैं।

सामुदायिक स्थानों में, स्थानीय प्राकृतिक क्षेत्रों में, और संरक्षण रिजर्व्स में संरक्षण शिक्षा चिड़ियाघरों और मछलीघरों के मिशन को उनके दर्शकों तक लाती है। ये आउटरीच अनुभव कुछ संभावित बाधाओं को कम करने में मदद करते हैं। वे संरक्षण शिक्षा को पर्यावरण तक लाते हैं जहां दर्शक प्रकृति के साथ स्थानीय, सार्थक संबंध बना सकते हैं, क्योंकि वे व्यक्तिगत, वास्तविक और प्रासंगिक शिक्षण अवसर अनुभव करते हैं। समुदाय और आस्था समूहों जैसे भागीदारों, और साथ-साथ अन्य पर्यावरणीय गैर-लाभकारी संगठनों के साथ काम करने से चिड़ियाघरों और मछलीघर को नए दर्शकों तक पहुंचने में और मदद मिलती है।

केस स्टडी

सभी परिवारों के लिए संरक्षण शिक्षा के अवसर प्रदान करना

डबलिन चिड़ियाघर, आयरलैंड द्वारा प्रदान किया गया "वन्य जगह में प्रकृति के साथ जुड़ते परिवार" को WAZA के नेचर कनेक्ट ग्रांट्स
द्वारा वित्त पोषित किया गया था। यह पांच महीने का इमर्सिव, थीम्ड नेचर प्रोग्राम शिक्षकों द्वारा स्थानीय संरक्षण संगठनों और विशेषज्ञों के सहयोग से तैयार किया गया था। कार्यक्रम का फोकस शहरी परिवारों को सुलभ संरक्षण शिक्षा प्रदान करना था। इसका उद्देश्य डबलिन चिड़ियाघर के वन्य जगह और उनके स्थानीय हरी भरी जगहों में प्रकृति के साथ सार्थक रूप से जुड़ने के लिए आत्मविश्वास, कौशल और संसाधनों का निर्मित करना था, इस प्रकार, जीवनभर के लिए ये कौशल प्रदान करना था। 2018 में, 13 परिवारों ने भाग लिया था, और 2019 में यह चौगुना हो गया, जिसमें 60 से अधिक परिवारों ने भाग लिया था। प्रतिभागियों द्वारा प्रदान की गई सकारात्मक प्रतिक्रियाएं थी जैव विविधता ज्ञान लाभ, प्रकृति खोजने के लिए आत्मविश्वास में वृद्धि, पारिवारिक संबंधों में सुधार और देशी वजन्यजीवों के प्रति अधिक सहानुभूति।

डबलिन चिड़ियाघर के वाइल्ड स्पेस में एक-दूसरे और प्रकृति के साथ संबंध बनाने वाले परिवार। © डबलिन चिड़ियाघर

ऑनलाइन अनुभवों के माध्यम से दी जाने वाली संरक्षण शिक्षा मौजूदा, नए, दूरस्थ या वंचित दर्शकों से जुड़ने का एक लोकप्रिय तरीका बन गया है। चिड़ियाघरों और मछलीघरों को प्रभावशाली संरक्षण शिक्षा प्रदान करने के लिए उनकी वेबसाइट्स में के अलावा, डिजिटल शिक्षण प्लेटफॉर्म्स, "लाइव कैमरा फीड्स" और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को प्रभावी उपकरण के रूप का और अधिक उपयोग करना चाहिए। ऑनलाइन सामग्री और कंटेन्ट के माध्यम से संरक्षण शिक्षा का समर्थन करने से दर्शक यह समझ पाते हैं कि वे चिड़ियाघर और मछलीघर से कैसे जुड़ते हैं और संदेश प्राप्त करते हैं। ये ऑनलाइन सामग्रियां दौरे से पहले या बाद में चिड़ियाघर या मछलीघर के साथ कनेक्शन्स को बढ़ा सकती हैं, सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम का हिस्सा बन सकती हैं, या एक स्टैंड-अलोन ऑनलाइन संरक्षण शिक्षा अनुभव हो सकती हैं।

जॉबर्ग चिड़ियाघर में आर्बर डे सेलिब्रेशन। © जोहान्सबर्ग चिड़ियाघर

केस स्टडी

पर्यावरण शिक्षा के लिए "मसीबैम्बीसेन–एक साथ क्लबिंग"

गौतेंग प्रांत में बड़ी संख्या में ऐसे समुदाय हैं जो दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग चिड़ियाघर का प्रवेश वहन नहीं कर सकते हैं। मसीबैम्बीसेन नामक एक कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम इस अंतर को पाटने पर केंद्रित है। यह इन वंचित समुदायों के लिए चिड़ियाघर को और अधिक सुलभ बनाने में मदद करता है। यह कार्यक्रम शैक्षणिक संस्थानों से जुड़ता है, उन्हें चिड़ियाघर में मुफ्त परिवहन और प्रवेश प्रदान करता है। यह कार्यक्रम समुदायों को पर्यावरण शिक्षा और जागरूकता के माध्यम से प्राकृतिक पर्यावरण और वन्यजीवों के संरक्षण के लिए एक स्टैंड लेने के अवसर प्रदान करता है। चिड़ियाघर बच्चों को विभिन्न प्रकार की शैक्षिक गतिविधियों में शामिल करने और साथ-साथ दिखाने के लिए कई पर्यावरणीय गैर-लाभकारी संगठनों के साथ भागीदारी करता है। वे चिड़ियाघर के भीतर और साथ ही प्राकृतिक रिजर्व्स, संरक्षण क्षेत्रों और खुले वन्य जगहों में कई संरक्षण कार्यक्रमों पर भी चर्चा करते हैं।

रमत गान इज़राइल। © रमत गण सफारी

केस स्टडी

मूँगा–चट्टानों के संरक्षण के लिए युवा नेतृत्व को बढ़ावा देना

होंडुरास शिक्षा कार्यक्रम में रोटन मरीन पार्क कई रणनीतियों के माध्यम से तटीय समुद्री संसाधनों पर जागरूकता बढ़ाने के लिए चट्टान का उपयोग बाहरी कक्षा के रूप में करके मूँगा-चट्टान संरक्षण को बढ़ावा देता है। एक "4RS" रिसाइकिल्ड कला प्रतियोगिता शुरू की गई थी जिसमें प्रतिभागियों को समुद्री मलबे से मूर्तियां या 3-डी भित्ति चित्र बनाने के लिए आमंत्रित किया गया था। पर्यावरण और कला प्रशिक्षण के बाद, कक्षा 9 के छात्रों के पास अपने स्कूल अभियान को पूरा करने, सामग्री एकत्र करने और अपनी अनोखी कलाकृति बनाने के लिए एक महीने की समय सीमा थी। कार्यक्रम के परिणामस्वरूप, छात्रों ने अपने प्लास्टिक पदचिह्न को कम करने और बे आइलैंड्स अर्थव्यवस्था की आधारशिला, मूँगा-चट्टानों की अधिक देखभाल करने के लिए दूसरों को आमंत्रित करने की इच्छा दिखाई। उनकी सबसे बड़ी प्रेरणा अपने साथियों के साथ अंडरवाटर स्कूटर रीफ एक्सप्लोरेशन था, एक ऐसा अनुभव जो सभी द्वीपवासी वहन नहीं कर सकते थे।

पुरस्कार समारोह 2019 "4Rs प्रतियोगिता" सीईबी के विजेता छात्रों को स्थान दें –बेन बरहोना। © मिर्ना प्योर्टो

अंडरवाटर स्कूटर ग्रुप राइड विजेता स्थान 1. © बॉस/महासागर कनेक्शन

केस स्टडी

मूँगा–चट्टानों के संरक्षण के लिए युवा नेतृत्व को बढ़ावा देना

घाना की संस्कृति में प्रकृति के प्रति सहानुभूति की कमी होती जा रही है आजकल चिड़ियाघर जाना हर किसी के लिए एक विकल्प नहीं है; इसलिए, समुदायों में संरक्षण शिक्षा गतिविधियों की पेशकश उन नागरिकों का ध्यान आकर्षित करता है जिनके पास अन्य कोई और अवसर नहीं है।

पश्चिम अफ्रीकी प्राइमेट संरक्षण एक्सन **(WAPCA)** ने एक सामुदायिक संवेदीकरण परियोजना को अंजाम दिया, "मेरा शहर, मेरा जंगल", यहाँ शहरी परिवारों को प्रकृति से जोड़ने और बढ़ावा देने के लिए संरक्षण व्यवहार माना जाता है।

विभिन्न संरक्षण दृष्टिकोण शामिल करने के लिएरू चिड़ियाघर का दौरा और **WAPCA** का लुप्तप्राय प्राइमेट ब्रीडिंग सेंटर, समुद्र तटों की सफाई, वृक्षारोपण, और प्लास्टिक सामग्री का पुनः उपयोग। इस वर्ष, घाना की राजधानी अकरा के चार समुदायों के प्रतिभागी इसमे शामिल होकर प्रकृति और जानवरों के प्रति उनके दृष्टिकोण को बदल दिया। परियोजना के बाद, इन समुदायों को सीड फंडिंग प्राप्त हुई, जिससे उन्हें सतत कार्रवाइयों का विकास और कार्यान्वयन जारी रखने के लिए अपने आस-पड़ोस में अधिक लोगों को जैव विविधता संरक्षण का महत्व व इस पृथ्वी के भलाई के लिए संवेदनशील बनाने का मौका मिला।

माई सिटी, माई फॉरेस्ट के प्रतिभागियों ने अद्भुत पेंसिल केस बनाने के लिए प्लास्टिक की बोतलों का पुनरू उपयोग करना सीखा। © उज्ज्वल सेनानु

विविध, न्यायसंगत, सुलभ और समावेशी

मानवता में विविधताएं दर्शकों के लिए उपयुक्त संरक्षण शिक्षा डिजाइन करना, प्रदान करना और मूल्यांकन करना कठिन बना सकती हैं। चिड़ियाघर और मछलीघर अपने आगंतुकों, समुदायों, कर्मचारियों और स्वयंसेवकों में विविध, बहुभाषी और बहु सांस्कृतिक समूहों को एक साथ लाते हैं। उन्हें अपने संगठनों को विभिन्न वर्तमान और संभावित दर्शकों की जरूरतों को समझने और पूरा करने में सक्षम बनाने के लिए समय, संसाधन और विशेषज्ञता का निवेश करना चाहिए। यह कई प्रकार के लोगों के लिए सुलभ जगहें और वास्तव में समावेशी और वास्तविक अनुभव विकासित करने अनुमति देता है। चिड़ियाघरों और मछलीघर को प्रतिबद्ध होना चाहिए।

निर्देशित दौरों के दौरान शैक्षिक उद्देश्यों के लिए उपयोग की जाने वाली वस्तुओं के साथ टियरपार्क स्कूल की टीम। © टियरपार्क बर्लिन

केस स्टडी

विशेष जरूरतों वाले दर्शकों की जरूरतों को पूरा करना (ध्वसंकेत भाषा, जड़बुद्धिता, द्रष्टिबाधित या नेत्रहीन, और विकलांग)

टियरपार्क बर्लिन, जर्मनी, ऐसी गतिविधियां पेश करता है जो विभिन्न विकलांगता वाले लोगों की जरूरतों के अनुरूप बनाई गई होती हैं। सभी गतिविधियों को मान्यता प्राप्त सहायता संगठनों के सहयोग से विकसित किया जाता है और प्रशिक्षित चिड़ियाघर कर्मचारियों द्वारा छोटे समूहों में कार्यान्वित किया जाता है। प्रत्येक प्रतिभागी की जरूरतों को ध्यान में रखा जाता है। इनमें जड़बुद्धिता वाले लोगों के लिए निर्देशित बहु-संवेदी सैर शामिल है। यह आत्म-अभिव्यक्ति और विचारों का आदान-प्रदान करने, परिचित चीजों से जुड़ने और सामाजिक संपर्कों का आनंद लेने का अवसर देता है। एक अन्य उदाहरण है ह्ष्टिबाधित और नेत्रहीन आगंतुकों के लिए चयनित चिड़ियाघर प्रजातियों का दौरा। उन्हें पशुओं के बारे में जानकारी दी जाती है, और स्पर्श और गंध का भी उपयोग किया जाता है। इस विशेष दौरे पर, प्रतिभागियों को चयनित पशु प्रजातियों को छूने और खिलाने का अवसर मिलता है। एक अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम सांकेतिक भाषा में चिड़ियाघर का भ्रमण है। समूह की रुचि को सहज रूप से संबोधित किया जाता है और पशुपालन, प्रशिक्षण और संवर्धन के बारे में सभी प्रकार की जानकारी पर चर्चा की जाती है।

चुनौतियाँ

एक मौजूदा चुनौती यह है कि चिड़ियाघरों और मछलीघरों को आगंतुकों, समुदायों, कर्मचारियों और स्वयंसेवकों के लिए वास्तव में विविध, सुलभ, न्यायसंगत और समावेशी संगठनें कैसे बनाया जाए। चिड़ियाघरों और मछलीघरों को कर्मचारियों, स्वयंसेवकों और उनके दर्शकों के प्रति अपने स्वयं के अचेत पूर्वाग्रहों और संगठनात्मक बाधाओं को समझने का प्रयास करना चाहिए। उन बाधाओं को समझने की आवश्यकता है जो दर्शकों को अवसरों तक पहुँचने या सम्मिलित महसूस करने से रोकती हैं। यह समझ चिड़ियाघरों और समाज के सभी क्षेत्रों के बीच और ज्यादा विश्वसनीय संबंध और जुड़ाव अवसर बढ़ा सकती है।

दर्शकों के लिए एक आम चुनौती उनके जीवन में जैव विविधता, पारिस्थितिक तंत्रों और संरक्षण की प्रासंगिकता को समझना है। चिड़ियाघर या मछलीघर के दौरे के दौरान वे इन मुद्दों से जुड़ना जटिल और चुनौतीपूर्ण पाते हैं। लुप्तप्राय प्रजातियों को बचाना अधिकांश चिड़ियाघर और मछलीघर दर्शकों और व्यापक समाज के लिए एक प्रमुख चिंता का विषय नहीं है। कई लोगों के लिए, गरीबी, टकराव, शिक्षा की कमी, चिकित्सा देखभाल, या बेरोजगारी जैसे ज्यादा तत्काल मुद्दें जैव विविधता के संरक्षण की जगह ले लेते है। स्वाभाविक रूप से, लोग अक्सर अपेक्षाकृत रूप से दूर (स्थान और समय के संदर्भ में) संरक्षण और पर्यावरणीय मामलों के बजास उनके करीबी परिवार और दोस्तों को प्रभावित करने वाले अत्यावश्यक मुद्दों पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं।

इस चुनौती के अलावा, चिड़ियाघर और मछलीघर के पास संरक्षण शिक्षा के लक्ष्य हैं जिनमें लोग सामूहिक रूप से प्राकृतिक दुनिया के बारे में कैसा सोचते हैं, महसूस करते हैं और कार्य करते हैं इसके बारे में सामाजिक बदलाव प्रेरित करना शामिल है। इसके विपरीत, दर्शकों की प्राथमिकताएं ज्यादा तत्काल रूप से व्यक्तिगत, सामाजिक और आनंददायक परिणामों पर केंद्रित हो सकती हैं। चिड़ियाघरों और मछलीघरों को प्रजातियों के संरक्षण को निजीकृत और स्थानीय बनाने के लिए इन्टर्सेक्टिंग तरीके खोजने में निवेश करना चाहिए। संरक्षण और पर्यावरणीय मुद्दों को दर्शकों के जीवन से प्रासंगिक बनाने और जोड़ने से इन अनुभवों को दर्शकों की प्राथमिकताओं का हिस्सा बनाने में मदद मिलती है। दर्शकों के विचारों और अनुभवों, जो वे जानते हैं और जिनकी परवाह करते हैं, को समझते और उनका मूल्यांकन करते हुए, चिड़ियाघर और मछलीघर उनकी संरक्षण शिक्षा को दर्शकों के जीवन के लिए अधिक प्रासंगिक बना सकते हैं।

इस रणनीति के लेखन के दौरान एक व्यापक चुनौती जो सामने आई थी, वह थी कि कई प्रकार के दर्शकों को गुणवत्ता संरक्षण प्रदान करना कैसे जारी रखा जाए जबकि एक व्यापक महामारी के कारण दुनिया के अधिकांश चिड़ियाघरों और मछलीघरों को बंद किया जाना पड़ा था। ऑनसाइट संदर्भों के इस निष्कासन ने चिड़ियाघरों और मछलीघरों को ऑनलाइन संरक्षण शिक्षा अवसरों के अपने पोर्टफोलियो को नया करने और उसका विस्तार करने के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स को जल्दी से केन्द्र बिन्दु बनाने और अपनाने के अवसर को ग्रहण करते हुए देखा। इसने दर्शकों को चिड़ियाघरों या मछलीघर की प्रजातियों, कर्मचारियों और मिशन से जोड़े रखा। यह समुदायों के अच्छे भावनात्मक स्वास्थ्य और कल्याण को प्रोत्साहित करने और प्रकृति और एक-दूसरे से उनके संबंधों को जारी रखने के लिए भी महत्वपूर्ण था।

केस स्टडी

क्या सांप घातक हैं या पवित्र? समुदाय के बीच एक दुविधा

सांस्कृतिक दृष्टिकोण से, भारत में सांपों की पूजा की जाती है और उनका सम्मान किया जाता है, लेकिन जंगलों में, अगर सांप दिख जाता है, तो डर पैदा हो जाता है और प्रारंभिक प्रवृत्ति उसको मार देने की होती है। भारत में मद्रास क्रोकोडाइल बैंक ट्रस्ट **(MCBT)** के लिए सांपों के प्रति जागरूकता शुरू करने के लिए और जब जंगल में लोगों के सामने सांप आ जाए तो उन्हें क्या करना चाहिए, यह बताने के निए सापों को बाहर निकालते हैं। उनके अधिकांश भय उन मिथकों पर निर्मित होते हैं जो पीढ़ी दर पीढ़ी चले आ रहे हैं। इस सांप जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन करके, इन गलत समझे जाने वाले जीवों पर प्रकाश डाला जाता है और लोगों को जंगल में क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए, इसके बारे में लोगों को जागरूक करने में मदद करता है। यह अनुभवात्मक शिक्षण, सांपों के प्रति सहानुभूति पैदा करती है औरलोगों में पर्यावरण से उन्हें खत्म करने की प्रवृत्ति के बजायलोगों और सांपों के लिए सह-अस्तित्व का रास्ता बनाती है।

हमारे पीले एनाकोंडा (यूनेक्टेस नोटियस) के साथ सरीसृप मुठभेड़। © एमसीबीटी

चेस्टर चिड़ियाघर युवा बोर्ड। © चेस्टर चिड़ियाघर

केस स्टडी

दर्शकों की आवाज को योजना और विकास में एकीकृत करना

नए दर्शकों के साथ काम करते समय, नए संरक्षण शिक्षा कार्यक्रमों के विकास को डिजाइन करने में उनसे सहयोग लेना और इनके बारे में उन्हें बताना फायदेमंद होता है। जब ब्रिटेन के चेस्टर चिड़ियाघर ने माना कि वे युवा लोगों के साथ अधिक काम करना चाहते हैं, तो उन्होंने विकास को आकार देने में मदद करने के लिए एक युवा बोर्ड की स्थापना की। चेस्टर चिड़ियाघर युवा बोर्ड में विभिन्न पृष्ठभूमि के 13 युवा शामिल हैं, लेकिन सभी की आयु 18 से 25 वर्ष के बीच है। वे चिड़ियाघर के ट्रस्टीज बोर्ड और कार्यकारी टीमों को सीधे अपनी सिफारिशें देते हैं, इसलिए संगठन में उनकी एक वास्तविक आवाज है। संरक्षण शिक्षा कार्यक्रमों को देखने के साथ-साथ, वे संगठन में उन सभी मुद्दों को देखते हैं जो सकारात्मक या नकारात्मक रूप से इस बात को प्रभावित कर सकते हैं कि कैसे चिड़ियाघर द्वारा युवा लोगों का सहयोग लिया जा रहा है। वे अपने नेतृत्व कौशल को विकसित करने में मदद करने हैं और यह सुनिश्चित करने में मदद करते हैं कि वे अपनी बोर्ड सदस्य भूमिकाओं में प्रभावी हों, वे सतत प्रशिक्षण और व्यक्तिगत सलाह भी प्राप्त करते हैं।

ह्यूस्टन चिड़ियाघर - चिड़ियाघर के मेहमानों के लिए किशोरों द्वारा 2019 चिड़ियाघर क्रू विश्व लेमूर दिवस महोत्सव की योजना बनाई गई है। © ह्यूस्टन चिड़ियाघर

अध्याय चार

संरक्षण शिक्षा में कृष्टिकोणों और विधियों को लागू करना

हमारी प्रतिबद्धता, चिड़ियाघरों और मछलीघरों में संरक्षण शिक्षा में ऐसे साक्ष्य-आधारित दृष्टिकोणों को आगे बढ़ाना और नए विचार लाना है जो जागरूकता बढ़ाते, लोगों को प्रकृति से जोड़ते, और पर्यावरण समर्थक व्यवहारों को प्रेरित करते हैं।

स्वर्ण युग की एक स्वयंसेवी अपनी वर्णन सेवा के दौरान पार्क आगंतुकों को ऑस्ट्रेलिया में एडवेंचर्स प्रदर्शनी में **LOHAS** लाभों के बारे में संरक्षण संदेश साझा कर रही थी। © ओशन पार्क हांगकांग

सिफारिशें

- संरक्षण शिक्षा योजना में संरक्षण शिक्षा के सभी पहलुओं के लिए शिक्षण के मापन-योग्य परिणामों के साथ एक क्रॉस-करिक्यूलर दृष्टिकोण को लागू करने के लिए एक विशिष्ट संदर्भ शामिल होना चाहिए।

- संरक्षण शिक्षा संदेशों को वैज्ञानिक तथ्यों और सिद्धांतों पर आधारित होना चाहिए। जहां सांस्कृतिक, धार्मिक या वैकल्पिक विचारों को दर्शाया जाता है, उन्हें स्पष्ट रूप से इस प्रकार इंगित किया जाना चाहिए।

- चिड़ियाघर या मछलीघरों को प्रजातियों, पारिस्थितिक तंत्र और प्रदर्शित मुद्दों के बारे में सटीक और प्रासंगिक जानकारी प्रस्तुत करनी चाहिए।

परिचय

चिड़ियाघर और मछलीघर, अपने संरक्षण शिक्षा परिणामों को किस हद तक प्राप्त करते हैं, यह काफी हद तक,उनके द्वारा उनकी प्रोग्रामिंग और सामग्री के लिए चुने गए तरीकों और विधियों पर निर्भर करता है। अध्याय **2** "क्यों": उद्देश्य पर चर्चा करता है। अध्याय **3** "कौन": दर्शकय और "कहां": स्थान और रिक्त स्थानपर चर्चा करता है। यह अध्याय "क्या और कैस": ऐसे शैक्षणिक, व्यवहारिक और संचार दृष्टिकोणकी खोज करता है जिससे संरक्षण शिक्षा परिणामों को प्राप्त किया जा सकता है। रणनीतिक तत्वों ने उस रूपरेखा को रेखांकित किया है कि जिससे संरक्षण के लिए सामाजिक बदलाव लाने वाले दृष्टिकोणों और विधियों को डिजाइन, वितरित और मूल्यांकन किया जा सके। इनमें प्रथाओं, शोध और नवाचार, सैद्धांतिक विचार, प्रभावशाली संरक्षण शिक्षा प्रदान करने के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत, गुणवत्ता आश्वासन, भाषा, टोनेलिटीऔर आशावाद के बीच संबंध शामिल हैं। दृष्टिकोण और विधियों के परिचालन पहलुओं का विस्तृत विवरण इस रणनीति के दायरे से बाहर है।

महत्वपूर्ण सन्देश

चिड़ियाघरों और मछलीघरों को, प्रमुख संदेशों का एक समूह विकसित करना चाहिए जो उन प्राथमिक तथ्यों, कहानियों और कार्यों को रेखांकित करते हैं जिन्हें वे अपनी संरक्षण शिक्षा के माध्यम से संचारित करना चाहते हैं। स्पष्ट और सम्मोहक संदेश ढांचे उन मुद्दों और विषयों को प्राथमिकता देने में मदद करते हैं जिन्हें सभी संरक्षण शिक्षा प्रयासों में एकीकृत किया जाना चाहिए। यह पूरे संगठन में यह स्पष्टता और निरंतरता प्रदान करेगा कि किन कथनों को अपने दर्शकों के साथ बातचीत में सम्मिलित करना चाहिए।

शिक्षण के मापने योग्य परिणाम

चिड़ियाघरों और मछलीघों को, संरक्षण शिक्षा के सभी पहलुओं के लिए ऐसे शिक्षण के परिणाम तैयार करने चाहिए जिन्हें मापा जा सके। संरक्षण शिक्षा के लिए परिणाम-आधारित दृष्टिकोण अपनाने का अर्थ है कि सभी गतिविधियों के स्पष्ट और परिभाषित उद्देश्य और लक्ष्य हैं। शिक्षण के परिणाम, एक विशिष्ट संरक्षण शिक्षा गतिविधि, घटना या कार्यक्रम के परिणामस्वरूप एक व्यक्ति या समूह से क्या करने, जानने और मानने की अपेक्षा की जाती है, इसके बारे में कथन हैं। शिक्षण के परिणाम, मापे जा सकने वाले, आपस में संबन्धित और संगठनात्मक संदेश ढांचे, मिशन और प्राथमिकताओं के अनुरूप होने चाहिए।

प्रजातियों, कर्मचारियों और परियोजनाओं के बारे में अनूठी कहानियां

चिड़ियाघरों और मछलीघरों को अपनी अनूठी साइट्स, प्रजातियों, कर्मचारियों और कहानियों की संरक्षण शिक्षा क्षमता को अधिकतम सीमा तक बढ़ाना चाहिए। सभी संरक्षण शिक्षा गतिविधियों को चिड़ियाघर या मछलीघर की प्रजातियों, उनके कर्मचारियों के ज्ञान, विशेषज्ञता, और कहानियों, और उनके इन-सीटू संरक्षण और एक्स-सीटू संरक्षण, विज्ञान और शोध परियोजनाओं से जुड़ने की इच्छा होनी चाहिए। ये कनेक्शन्स, वास्तविक प्रजातियों, वास्तविक लोगों और वास्तविक स्थानों और परियोजनाओं के माध्यम से दर्शकों के लिए संरक्षण शिक्षा को जीवन्त करने में मदद करते हैं।

ऑकलैंड चिड़ियाघर में रेप्टाइल रोवर्स। © ऑकलैंड चिड़ियाघर

केस स्टडी

शिक्षण के अनौपचारिक वातावरण में आयु-उपयुक्त तरीके और गतिविधियाँ

चित्र 4.3। मिलान की गई गतिविधियों का आरेख आयु समूहों को। © तेलिन चिड़ियाघर

तेलिन चिड़ियाघर, एस्टोनिया में 1950 के दशक से हॉबी क्लब हैं। अनौपचारिक शिक्षा का एक उदाहरण है एक हॉबी क्लब सामान्य हित से एकजुट हुए और एक विशेषज्ञ के नेतृत्व में प्रतिभागियों के एक ही समूह की नियमित बैठकें। लोगों के प्रकृति प्रेम को पोषित करने और दुनिया की व्यापक समझ का समर्थन करने के लिए चिड़ियाघर, प्रतिभागियों के कौशल और ज्ञान के मौजूदा स्तर को ध्यान में रखता है और उस पर निर्माण करता है। पूरे वर्ष साप्ताहिक रूप से 20 से अधिक हॉबी क्लबों की बैठकें होती हैं और इसमें 1से 60 आयु वर्ग के लोग भाग लेते हैं। विषयों की श्रेणी में सामान्य जीव विज्ञान, प्राणीशास्त्र और रसायन विज्ञान, पशु व्यवहार, पशु-आधारित कला आदि शामिल हैं। वर्षों से आजमाई गई सर्वोत्तम विधियों को चित्र में प्रस्तुत किया गया है, जिसमें उपयुक्त आयु समूहों से मेल खाने वाली गतिविधियाँ हैं। प्रतिभागी आयु में जितने बड़े होंगे, हमारे दृष्टिकोण उतने ही भिन्न होंगे, क्योंकि हम पिछले और नए आयु समूहों दोनों से लिए गए तरीकों का उपयोग कर सकते हैं।

सहभागिता अनुभव

प्रामाणिक सहभागिता अनुभवों के दौरान लोगों की जिज्ञासा, क्षमता और शिक्षण की उत्सुकता को प्रेरित किया जाता है। ऑनसाइट, ऑफसाइट और ऑनलाइन, संरक्षण शिक्षा के सभी अनुभवों के माध्यमों में,निरू शुल्क शिक्षण के अवसर, जहां दर्शक स्वयं खोजते और सीखते हैं, उपलब्ध होने चाहिए। संरक्षण शिक्षा में सक्रिय और बहु-पीढ़ी भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रत्यक्ष और व्यावहारिक अनुभव तैयार किए जाने चाहिए। चिड़ियाघरों और मछलीघरों को इन कनेक्टिंग अनुभवों के माध्यम से प्रजातियों और प्राकृतिक दुनिया के लिए दर्शकों की विस्मय, आश्चर्य और संरक्षकता की भावना को प्रेरित करने का प्रयास करना चाहिए।

व्यक्तिगत, सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि में विविधता के ढांचों और लक्षणों को ध्यान में रखते हुए संरक्षण शिक्षा का निर्माण सावधानीपूर्वक किया जाना चाहिए और दर्शकों के लिए उपयुक्त होना चाहिए। ये अंतर प्रभावित करते हैं कि प्रजातियों और प्राकृतिक दुनिया के बारे मेंदर्शक कैसी प्रतिक्रिया याअनुभव करते हैं और उन्हें कैसे देखते हैं। संरक्षण शिक्षा को लोगों के शिक्षण के तरीकों और दर्शकों की आवश्कताओं की विविधता के बारे में पता होना चाहिए। दर्शकों को प्रासंगिक मुद्दों के माध्यम से अपनेशिक्षण को वास्तविक दुनिया के संदर्भों में जोड़ते हुए संरक्षण शिक्षा को, बौद्धिक और सांस्कृतिक रूप से समावेशी और स्थानीय रूप से उपयुक्त होने के लिए संरचित किया जाना चाहिए।

केस स्टडी

चिड़ियाघर में जैवप्रेरणा शैक्षिक कार्यक्रमः आजीवन विज्ञान और पर्यावरण शिक्षा

जैवप्रेरणा एक अंत:विषय पद्धति है जो सतत विकास के साथ मानव चुनौतियों के लिए जैविक सिद्धांतों को लागू करती है। वयस्कों के लिए जैवप्रेरणा शैक्षिक कार्यक्रमों में, सफारी रामत गन, इजराइल विज्ञान, पर्यावरण और प्रकृति संरक्षण के साथ विविध दर्शकों को जोड़ने के लिए शिक्षणके लिए आउटडोर, हैंड-हेड-हार्ट का उपयोग करता है। कोर्सिस के दौरान, प्रतिभागी उन जीवों के बारे में सीखते हैं जिन्होंने इंजीनियरों और डिजाइनरों को प्रेरित किया है, पशुओं का ध्यानपूर्वक निरीक्षण करते है, और जब संभव हो तो उनके साथ सीध े संपर्क करते है। उदाहरण के लिएरू जिराफ को हाथ से खाना खिलाते समय, प्रतिभागियों ने एक संचार प्रणाली के बारे में सीखा और जिराफ की कसी त्वचा से प्रेरित अंतरिक्ष यात्री के सूट के बारे में सुना। टेकनीऑन में विज्ञान और प्रौद्योगिकी शिक्षा संकाय में किए गए शोध से पता चला है कि चिड़ियाघर में इस जटिल विचार पर ध्यान केंद्रित करने से वयस्कों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी और सततता में नया ज्ञान प्राप्त करने में मदद मिलीय सोचने के कौशल के हस्तांतरण करनेय और अपने स्वयं के जीवन में कार्यान्वयन को संबोधित करने में सुधार हुआ है। प्रतिभागियों ने अपने पर्यावरणीय और सामाजिक स्वभाव में बदलाव की स्वयं सूचना दी। जैवप्रेरणा शिक्षा, वयस्कों के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी, समाज और संरक्षण शिक्षा को जोड़ती है और चिड़ियाघर को ''रचनात्मक विचारों के लिए सोचने के कौशल की प्रयोगशाला'' में बदल देती है।

एक सांप जैसे रोबोट के बारे में सीखते हुए एक मकई सांप पैंथरोफिस गुट्टाटस की गतिविधियों का अवलोकन करते हुए, प्रोफेसर एलोन वुल्फ एंड कंपनी द्वारा एक बायोइन्स्पायर्ड डिज़ाइन, टेक्नियन © डॉ गिलाद गोल्डस्टीन, सफारी रमत गण

केस स्टडी

हम एक साथ चलें : ऊदबिलाव संरक्षण और किनमेन सिटी गॉड कल्चर

ऊदबिलाव संरक्षण और किनमेन सिटी गॉड कल्चर दो ऐसे विषय हैं जो बहुत ही भिन्न प्रतीत होते हैंय अब वे एक साथ चलते हैं। संरक्षण परियोजनाओं और शैक्षिक गतिविधियों पर किनमेन (ताइवान के नजदीक एक द्वीप) के साथ ताइपे चिड़ियाघर, ताइवान काम कर रहा है जो लोक संस्कृति और पारिस्थितिक संरक्षण को एकीकृत करते हैं। धीरे-धीरे किनमेन का यूरेशियन ऊदबिलाव संरक्षण, किनमेन के लोक संस्कृति महोत्सव के प्रमुख विषयों में से एक बन गया है। ताइपे चिड़ियाघर ने किनमेन सिटी भगवान की पूजा करने वाले स्थानीय लोगों के माध्यम से लोगों द्वारा ऊदबिलाव को पहचानने और उसको महत्व देने का एक आसान तरीका खोजा है, जो न केवल लोगों को आशीर्वाद देते हैं बल्कि लुप्तप्राय प्रजातियों से प्यार भी करते हैं। धार्मिक आयोजनों के माध्यम से, हर उम्र के लोग जश्न मनाने और पूजा करने के लिए एक साथ आते हैं। इस समय हर जगह ऊदबिलाव की छवियों के साथ, वे किनमेन के ऊदबिलावों की दुर्लभता और निकट भविष्य में उनके सामने आने वाले अस्तित्व बचाने के खतरों को समझते हैं।

बच्चे ओटर ड्राइंग पेपर रिंग हैट पहनते हैं।
© ताइपे चिड़ियाघर

बदलावकारी संरक्षण शिक्षा

बदलावकारी शिक्षण, गहन समझ की एक प्रक्रिया है जो सरल ज्ञान प्राप्ति से आगे का स्तर है। एक चिड़ियाघर और मछलीघर के संदर्भ में, बदलावकारी शिक्षण के तत्व, दर्शकों के लिए प्रजातियों, पारिस्थितिक तंत्र और मानवता के लिए सतत भविष्य के संबंध में अपने जीवन का अर्थ जानने के लिए नए तरीकों का समर्थन कर सकते हैं।

बदलावकारी शिक्षण के तत्वों को गहन, मूल्यवान और सार्थक अनुभवों को बढ़ावा देने के लिए संरक्षण शिक्षा के भीतर निहित किया जा सकता है। अनुभवात्मक और चिंतनशील शिक्षण के अवसर, दर्शकों को, अधिक गहन पर्यावरण-समर्थक विकल्प बनाने के लिए, महत्वपूर्ण सोचने के कौशल का निर्माण करने के लिए भाग लेने, बहस करनेऔर चर्चा करने में सहायता करते हैं। चूंकि जैव विविधता संरक्षण बहुत जटिल और बहुआयामी है, चिड़ियाघर और मछलीघर को संरक्षण के लिए विभिन्न दृष्टिकोणों के माध्यम से जैव विविधता, पर्यावरण और सामाजिक बदलाव का पता लगाने वाले दृष्टिकोणों और विधियों का उपयोग करना चाहिए। इनमें प्राकृतिक, सामाजिक और स्वदेशी विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कला, भाषाएं और मानविकी शामिल हैं। न्यायसंगत, अर्थपूर्ण और एकाधिक अवसरों का निर्माण करने से दर्शकों को विविध प्रारूपों में संप्रेषित समृद्ध सामग्री मिलती है।

भाषा और टोनेलिटी

संदेशों और सामग्री की भाषा, टोनेलिटी और फ्रेम करना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि वांछित संरक्षण, सामाजिक या शैक्षिक परिणाम। दूसरेशब्दों और अनुभवोंकी तुलना में कुछ शब्द और अनुभव लोगों को अधिक प्रेरित, उत्साहित और गतिशील करते हैं। चिड़ियाघरों और मछलीघरों को ऐसी सम्मोहक कथाएँ बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जो शिक्षा की परंपराआष्परिभाषित और वर्णन करेंष्से परे हों। कर्मचारियों और स्वयंसेवकों कोशक्तिशाली संरक्षण कथाकारों के रूप में विकसित होने के लिए उनकासमर्थन किया जाना चाहिए। उन्हें ऐसी सुलभ भाषा, सक्रिय संवाद और रचनात्मक सामग्री का उपयोग करते हुए दर्शकों से जुड़ना चाहिए जो उनके दर्शकों के लिए महत्वपूर्ण अवधारणाओं और कार्यों का अनुवाद और कनेक्ट करते हों।

आशावाद

हालांकि नकारात्मकरूप में बनाए गए, आशारहित, संरक्षण संदेश शुरूआत में ध्यान आकर्षित कर सकता है, यह नकारात्मकता दर्शकों को जल्द ही अभिभूत, असहाय और –चिविहीन महसूस करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। संरक्षण शिक्षा के माध्यम से, चिड़ियाघरों और मछलीघरों को अपने दर्शकों में विश्वास, आशावाद और दृढ़ संकल्प पैदा करना चाहिए। इसका मतलब यह नहीं है कि ग्रह की तेजी से बदलती वास्तविकताओं की कहानियों को छोड़ दिया जाए। इसका मतलब यह है कि जैव विविधता के लिए तत्काल खतरों और रचनात्मक व्याख्यानों को प्रकट करने के बीच सही संतुलन प्राप्त करना जो यह दर्शाता हो कि व्यक्ति और समूह मिलकर कैसे बहुत कुछ कर सकते हैं। इस आशावादी दृष्टिकोण का एक अनिवार्य हिस्सा इसके बारे में स्पष्ट होना है।

गुणवत्ता

चिड़ियाघरों और मछलीघरों में संरक्षण शिक्षा मेंगुणवत्ता और निरंतरता के लिए प्रयास करना अतिमहत्वपूर्ण है। इसे प्राप्त करने के लिए, व्यवस्थित और सख्त नियोजन प्रक्रियाओं के लिए आवश्यक है कि यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी संरक्षण शिक्षा के स्पष्ट लक्ष्य और मापने योग्य सीखने के परिणाम हों। इसमें वैज्ञानिक तथ्यों और सिद्धांतों के आधार पर सटीक और प्रासंगिक जानकारी का उपयोग करके सामग्री बनाना और संरक्षण शिक्षा हस्तक्षेपों को लागू करने के लिए प्रभावी रणनीतियों का उपयोग करना शामिल है। महत्वपूर्ण रूप से, संरक्षण शिक्षा के लिए गुणवत्ता, मूल्य स्थापित करने और अंततः संरक्षण शिक्षा के असर और प्रभावों का आकलन करने के लिए उपयुक्त निगरानी, शोध और मूल्यांकन उपकरणो और तकनीकों की आवश्यकता होती है।

सैद्धांतिक विचार

चिड़ियाघर और मछलीघर को, उनकी संरक्षण शिक्षा के विभिन्न पहलुओं से जुड़े सैद्धांतिक ढांचे के तंत्र और निहितार्थ से परिचित होना चाहिए और उन्हें समझना चाहिए। सिद्धांत उन प्रणालियों, अवधारणाओं, परिभाषाओं और विचारों का उपयोग करते हैं जो कुछ परिवर्ती कारक और संदर्भों को देखते हुए यह समझा सकते हैं और भविष्यवाणी कर सकते हैं कि क्या हो सकता है। चिड़ियाघरों और मछलीघरों में संरक्षण शिक्षा तैयार करने के लिए,लोग कैसे सीखते हैं, खेलते हैं, और गतिविधियों और बातचीत के माध्यम से और विभिन्न सीखने के संदर्भों के माध्यम से अर्थ का निर्माण करते हैं जैसे प्रासंगिक विभिन्न शैक्षणिक सिद्धांत हैं।

सामाजिक-पारिस्थितिक प्रणाली सिद्धांत जैसे अंतःविषय और बहुविषय ढांचे यह पता लगाने के लिए उपयोगी हैं कि व्यक्ति अन्य लोगों, पशुओं और पर्यावरण के साथ कैसे जुड़ते हैं। संरक्षण के लिए सामाजिक बदलाव को समझने और उसे उत्प्रेरित करने के लिए कई सामाजिक और व्यवहारिक सिद्धांत प्रासंगिक हैं। लोग कैसे और क्यों सोचते, महसूस करते औरविशिष्ट तरीकों सेव्यवहार करते हैं, प्रेरक कारक और प्रभावों के मूलभूत घटकों को फ्रेम करने और समझने के लिएऔर इन सैद्धांतिक मॉडलों को लागू करने से व्यवहारों, कार्यों और निर्णय लेने को कैसे प्रभावित किया जा सकता है इसके लिए वे विभिन्न दृष्टिकोणों का उपयोग करते हैं। चिड़ियाघरों और मछलीघरों को इच्छित परिणामों और प्रभावों को प्राप्त करने के लिए उनके प्रोग्रामिंग और सामग्री के डिजाइन, वितरण और मूल्यांकन को सूचित और रेखांकित करने के लिए सैद्धांतिक विचारों की एक श्रृंखला बनानी चाहिए।

RZSS एडिनबर्ग चिड़ियाघर में जानवरों के जंगली वातावरण का अनुभव करने के लिए वर्चुअल रियलिटी (VR) का उपयोग करने वाले बच्चे। © RZSS

केस स्टडी

दुनिया भर से आगंतुकों के परिवहन के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करना

रॉयल जूलॉजिकल सोसाइटी ऑफ स्कॉटलैंड (RZSS) ने वर्चुअल रियलिटी (VR) और अन्य शिक्षण तकनीकों को अपनी संरक्षण शिक्षा में एकीकृत किया है। वर्चुअल रियलिटी के उपयोग ने सत्रो कोउन तरीकों से दिए जाने में सक्षम किया है जो आमतौर पर चिड़ियाघर से जुड़े नहीं हैं, जैसे संगीत, रचनात्मक लेखन और कंप्यूटर कोडिंग। इस कार्य का मुख्य उदाहरण एडिनबर्ग चिड़ियाघर में इमर्सिव क्लासरूम है, जो पूरी तरह से घेरने वाला अनुभव बनाने के लिए 270 प्रोजेक्शन्स, प्रकाश, सुगंध, हवा और पूर्ण अंतःक्रियाशीलता का उपयोग करता है। यह कक्षा, दर्शकों को उन स्थानों और परिदृश्यों का अनुभव करने में सक्षम बनाती है जो उन्हें अन्यथा चिड़ियाघर जाने पर देखने को नहीं मिलते। इसमें शामिल हैं पशुओं के स्थान जो आम तौर पर जनता को दिखाई नहीं देते हैं, वैश्विक संरक्षण परियोजनाएं और विभिन्न वातावरण जहां केजंगलों सेचिड़ियाघर के पशु आते हैं। इन चीजों का अनुभव करने से हमारे शिक्षार्थियों को एक अधिक यादगार अनुभव, (RZSS) कामों की बेहतर समझ और हमारी संरक्षण परियोजनाओं के प्रति सहानुभूति की अधिक मजबूत भावना मिलती है।

प्रथा, सिद्धांत, शोध और नवाचार मॉडल

शोध, प्रथा (गतिविधियों और कार्यक्रमों), सिद्धांतों और नवाचार के बीच एक चुस्त और सकारात्मक प्रतिक्रिया संबंध गुणवत्ता संरक्षण शिक्षा सुनिश्चित करने में मदद कर सकता है। यह समग्र मॉडल संरक्षण शिक्षा के विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों के बारे में सोचने का एक रणनीतिक तरीका है। यह कल्पना करने में मदद करता है कि यह प्रथा-शोध-सिद्धांत त्रय कैसे परस्पर क्रिया करता है, सामूहिक रूप से संरक्षण शिक्षा के परिणामों, फलों और प्रभावों में योगदान देता है। नवाचार को केंद्रीय निर्माण के रूप में रखना सिद्धांतों, उपन्यास शोध, और नवीन शिक्षण प्रथाओं के रचना के नए तरीकों की सहायता करता है जो संरक्षण के लिए व्यावहारिक और सामाजिक बदलाव को उत्प्रेरित करते हैं।

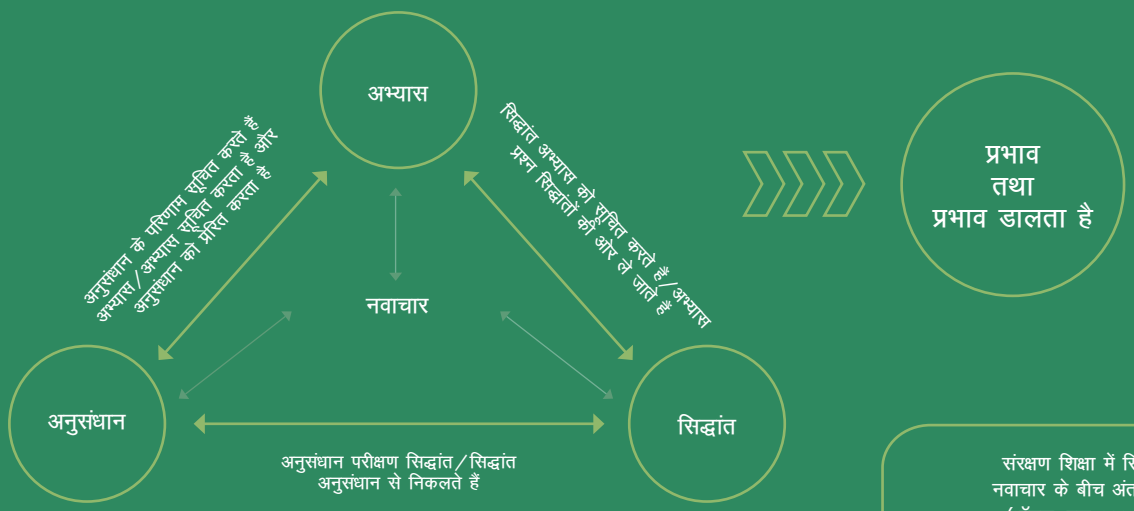

संरक्षण शिक्षा में सिद्धांत, व्यवहार, अनुसंधान और नवाचार के बीच अंतर्संबंध दिखाने के लिए आरेख। (थॉमस, एस 2020–होय, डब्ल्यू.के. और मिस्केल सी.जी. 2013 द्वारा सूचित)

चुनौतियां

संरक्षण के मानवीय और सामाजिक आयाम लगातार बदल रहे हैं। मानव आबादी तेजी से बढ़ रही है और अधिक शहरीकृत हो रही है, नए पर्यावरणीय मुद्दे सामने आ रहे हैं, और तकनीकी विकास उभर रहा है। चिड़ियाघरों और मछलीघरों को लोगों और प्रजातियों के संरक्षण से जुड़े संभावित भावी मुद्दों और चुनौतियों के लिए सामूहिक रूप से जोखिमों को स्कैन करने का प्रयास करना चाहिए। यह भावी फोकस चिड़ियाघरों और मछलीघरों को उभरते परिदृश्यों से निपटने के लिए उनके संरक्षण शिक्षा प्रोग्रामिंग और सामग्री को संशोधित और संरेखित करने में मदद करता है।

अन्य चुनौतियों में शामिल हैं कि दर्शकों की आशा को नष्ट किए बिना गंभीर संरक्षण और पर्यावरणीय संदेशों को कैसे संप्रेषित किया जाए। एक और चुनौती यह है कि दर्शकों के लिए सुखद, सामाजिक अनुभव प्रदान करते हुए संरक्षण शिक्षा के परिणाम कैसे प्राप्त किए जाएं। इन्हें संबोधित करने के लिए, चिड़ियाघरों और मछलीघरों को रचनात्मक रूप से सोचना चाहिए, चतुराई से कार्य करना चाहिए, और अपनी पद्धतियों और विधियों के साथ बहादुर और अभिनव होना चाहिए।

प्रौद्योगिकी का उपयोग एक और चुनौती है और खोजने का एक रोमांचक अवसर है। प्रौद्योगिकी के माध्यम से, दर्शक प्रकृति को नए तरीकों से अनुभव कर सकते हैं, जिससे जटिल संरक्षण और पर्यावरणीय मुद्दों की कल्पना और व्याख्या करने के लिए यह और अधिक सुलभ बन जाएगा। हाल के तकनीकी उन्नतियां उन लोगों के बीच वैश्विक संबंध शुरू करने की क्षमता प्रदान करती हैं जो प्रजातियों और प्राकृतिक दुनिया के लिए आशा, लचीलापन और कार्रवाई की समान परिकल्पना रखते हैं। भावी फोकस के रूप में, चिड़ियाघरों और मछलीघरों को इस बात की जांच करनी चाहिए कि इन डिजिटल बदलावों को कैसे शुरू किया जाए। उन्हें संरक्षण शिक्षा के अनुभवों के हिस्से के रूप में रोजमर्रा की प्रौद्योगिकी का उपयोग करने में दर्शकों की सहायता करनी चाहिए। चिड़ियाघरों और मछलीघरों को उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ नवाचार और प्रयोग करना चाहिए ताकि अभिप्रेत सामाजिक बदलावों और संरक्षण परिणामों की श्रृंखला में और योगदान दे सकें। संरक्षण शिक्षा की पद्धतियों और विधियों पर निर्णय लेने में चुनौतियां दर्शकों में वैश्विक अंतर और भिन्न आंतरिक और बाहरी शासन संरचनाओं से उत्पन्न होती हैं । विश्व स्तर पर समर्थन के स्तर में भिन्नताएं हैं, और कुछ देशों में, विज्ञान आधारित संरक्षण का सक्रिय विरोध किया जाता है। ये संदर्भ पर्यावरणीय और संरक्षण मुद्दों को संप्रेषित करने में समस्या पैदा कर सकते हैं। चिड़ियाघरों और मछलीघरों को, अपने विशिष्ट सांस्कृतिक और सामाजिक संदर्भों के मानकों के भीतर संचार और सहयोग करने का प्रयास करते हुए, इन चुनौतियों को कम करने के लिए अपने दर्शकों के साथ काम करना चाहिए।

अध्याय 5

संरक्षण शिक्षा में पशु देखभाल और कल्याण को एकीकृत करना

हमारी प्रतिबद्धता ऐसा संरक्षण शिक्षा तकनीकें विकसित करने के प्रति है जो पशुओं के प्रति सम्मान और मानव देख-रेख में उन्हें प्राप्त होने वाली देखभाल के उच्च मानकों को प्रदर्शित करती हों।

हमारी प्रतिबद्धता गुणवत्ता संरक्षण शिक्षा के माध्यम से चिड़ियाघरों और मछलीघरों के बारे में दर्शकों की सकारात्मक धारणा को आगे बढ़ाने के प्रति है।

प्राकृतिक दुनिया और इसकी जैव विविधता की रक्षा के लिए सम्मान और इच्छा जगाने के लिए फोस्टर आश्चर्य।
© रिजर्व अफ्रीकाईन डी सिगेना

शिक्षक क्लाउडिया रिचर्ड्स और स्वास्थ्य सुरक्षा सलाहकार लिन लॉरी काम कर रहे हैं ट्रैफिक के साथ अवैध वन्यजीव व्यापार को समाप्त करने के लिए । © वेलिंगटन चिड़ियाघर

सिफारिशें

- चिड़ियाघर या मछलीघर को पशु-आगंतुक इंटरैक्शन्स पर **WAZA** या क्षेत्रीय दिशानिर्देशों का पालन करना चाहिए।
- चिड़ियाघर या मछलीघर को दर्शकों को पशुओं की देखभाल के सिद्धांतों से जोड़ना चाहिए, और यह दिखाना चाहिए कि उनका संगठन उनकी देख-रेख में रह रही प्रजातियों के लिए उच्च देखभाल मानक कैसे हासिल करते हैं।

परिचय

चिड़ियाघर और मछलीघर पिंजरा-शैली के संग्रह के शरुआती दिनों से तेजी से विकसित हुए हैं। अब, चिड़ियाघर और मछलीघर अपने आप को संरक्षण संगठनों के रूप में स्थान देते हैं जो प्रजातियों की देखभाल, पशु कल्याण, संरक्षण विज्ञान, संरक्षण शिक्षा, शोध और सततता में उत्कृष्टता प्रदर्शित करते हैं।

चिड़ियाघरों और मछलीघरों के निरंतर प्रयासों के बावजूद, चिड़ियाघर और मछलीघर क्या करते हैं, इसके बारे में दर्शकों की समझ में मूलभूत अंतराल हैं। संरक्षण शिक्षा को इन ज्ञान अंतरालों को भरना चाहिए, और चिड़ियाघरों और मछलीघर के शक्तिशाली अधिवक्ता बनने में दर्शकों का समर्थन करना चाहिए। संरक्षण शिक्षा पशुओं के स्वास्थ्य, देखभाल और कल्याण से संबंधित प्रणालियों, ढांचों, विधायी अनुपालन और संचालन प्रक्रियाओं को समझने में दर्शकों की मदद कर सकती है। इसके अतिरिक्त, यह चिड़ियाघर और मछलीघर-आधारित प्रजातियों के संरक्षण के सिद्धांतों को और प्न्ब्छ की वन प्लान पद्धति जैसी पहलों के माध्यम से इन सीटू और एक्स सीटू संरक्षण के सामान्य लक्ष्य कैसे हैं, समझा सकती है।

इस अध्याय में संरक्षण शिक्षा से जुड़े पशु देखभाल और कल्याण के दो पहलुओं पर चर्चा की गई है। पहला संरक्षण शिक्षा कार्यक्रमों, गतिविधियों और दर्शकों के साथ बातचीत में पशुओं को शामिल करने के विभिन्न तरीकों को कवर करता है। दूसरा कवर करता है कि वे तरीके कैसे बताएं जिनसे चिड़ियाघर और मछलीघर पशुओं की देखभाल करते हैं और प्रजातियों के संरक्षण में योगदान देते हैं।

पशु और परस्पर संवादात्मक संरक्षण शिक्षा अनुभव

जिस तरीके से पशुओं को आगंतुकों और समुदायों के साथ निकट संपर्क अनुभवों में शामिल किया जाता है, वह दुनिया भर में व्यापक रूप से भिन्न होता है। इन इंटरैक्शन्स के लिए एक मानकीकृत दृष्टिकोण सुझाना इस रणनीति के दायरे से परे है। लेकिन, सभी मामलों में, चिड़ियाघरों और मछलीघरों को सावधानीपूर्वक जांच करनी चाहिए कि उनके दर्शक उनकी देख-रेख में रह रही प्रजातियों के साथ कैसे बात करते हैं। उन्हें यह प्रदर्शित करने में सक्षम होना चाहिए कि दी गई संरक्षण शिक्षा की परवाह किए बिना, पशु कल्याण हमेशा एक प्रमुख चिंता का विषय है, और यह कि पशु फल-फूल रहे हैं। संरक्षण कल्याण एक शब्द है जिसका उपयोग **WAZA** की केयरिंग फॉर वाइल्डलाइफ रणनीति में किया जाता है जो सकारात्मक पशु-कल्याण राज्यों का समर्थन करता है और साथ ही संरक्षण उद्देश्यों को हासिल करता है। यहां एक नये शब्द षशिक्षा कल्याणष को एक ढ़ाचे के रूप में पेश किया गया है जो संरक्षण शिक्षा परिणामों को हासिल करते हुए सकारात्मक पशु कल्याण राज्यों का समर्थन करता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि शिक्षा कल्याण हासिल किया जाए, संरक्षण शिक्षा को अपनी गतिविधियों में उपयुक्त पशु कल्याण मूल्यांकन ढांचों को शामिल करने की आवश्यकता है। पशु-आगंतुक के इंटरैक्शन्स के लिए **2020 WAZA** दिशानिर्देश मौजूदा क्षेत्रीय पशु-आगंतुक नीतियों के पूरक हैं और इन अनुभवों के लिए अच्छी प्रथाओं के लिए अधिक विवरण और सिफारिशें देते हैं।

कैपुचिन के सामने हैप्पी एनिमल्स क्यूब्स की तस्वीर बंदर निवास।
© वेलिंगटन चिड़ियाघर

केस स्टडी

खुश पशुः पशु कल्याण के पांच कार्यक्षेत्रों में आगंतुकों को शामिल करना

वेलिंगटन चिड़ियाघर, न्यूजीलैंड पशु कल्याण के पांच कार्यक्षेत्र लागू करता है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनके पशु स्वस्थ और खुश हैं। यह मॉडल पशुओं के व्यवहार और शारीरिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पशुओं की शारीरिक सेहत और उनकी भावनात्मक और मानसिक स्थिति का भी आकलन करता है। वेलिंगटन चिड़ियाघर चाहता है कि आगंतुक यह समझें कि पशु कल्याण चिड़ियाघर की सर्वोच्च प्राथमिकता है और वे चिड़ियाघर से यह महसूस करते हुए जाएं कि पशुओं को सबसे अच्छी देखभाल मिल रही है। त्रि-आयामी क्यूब्स को पांच डोमेन के आधार पर डिजाइन और स्थापित किया गया था और पूरे चिड़ियाघर में पशुओं की देखभाल के काम को विशिष्ट रूप से दर्शाता है। ये रंगीन क्यूब्स हमारे आगंतुकों को उनके साथ बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। आगंतुकों को यह सूचित करने के लिए कि चिड़ियाघर उनकी देख-रेख में रहने वाले पशुओं को फलने-फूलने में कैसे मदद करता है, विशिष्ट पशु आवासों के स्थानों में लघु वीडियोज के साथ पशु कल्याण के आगंतुक अनुभव को बढ़ाया गया है।

मेहमान ष्फ़ीड द चिकन्सष कार्यक्रम में भाग लेते हैं शिकागो में लिंकन पार्क चिड़ियाघर
© अमांडा बर्लिंस्की

केस स्टडी

चयन, नियंत्रण, और घर में रहने का विकल्प एक राजदूत पशु कार्यक्रम में कल्याण को बनाए रखता है

लिंकन पार्क चिड़ियाघर, **USA** पशुओं से जुड़े सभी संरक्षण शिक्षा कार्यक्रमों में पशु कल्याण को प्राथमिकता देता है। ऐसा करने के लिए, कार्यक्रमों के दौरान पशु अपने प्राथमिक आवास में ही रहते हैं और उन्हें भाग लेने का विकल्प दिया जाता है। **2019** में, चिड़ियाघर ने, ऐसे नए कार्यक्रमों को शुरू करते हुए जो इसको पूरा करते थे, उन सभी कार्यक्रमों को हटा दिया था जो इन मानदंडों को पूरा नहीं करते थे। एक नया कार्यक्रम था ''चूजों को खिलाएं'' इस कार्यक्रम के दौरान, अधिकतम **15** मेहमानों को चिकन यार्ड के बाहर के क्षेत्र में आने अनुमति दी जाती है और विशेष फीडरों का उपयोग करके चूजों को खिलाने के लिए आमंत्रित किया जाता है जिन्हें यार्ड के बाड़े में पोर्ट्स में रखा जा सकता है। चिड़ियाघर के पशु कल्याण विज्ञान कार्यक्रम के वैज्ञानिकों ने चूजों की सेहत का आकलन किया और पाया कि कार्यक्रम पेश करना सेहत के व्यावहारिक संकेतकों में बदलाव से जुड़ा नहीं था। यह इस विचार का समर्थन करता है कि ऐसे कार्यक्रम जो पशुओं के चयन को प्राथमिकता देते हैं और किसी पशु के आवास में होते हैं, वे सेहत से संभवतः कम समझौता करते हैं।

पशु प्रबंधन, स्वास्थ्य, देखभाल और कल्याण के बारे में संरक्षण शिक्षा

संरक्षण शिक्षा के लिए एक प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि चिड़ियाघर और मछलीघर, उनकी देख-रेख में रह रहे पशुओं और वनों में प्रजातियों के संरक्षण दोनों के लिए जो काम करते हैं, उसके प्रति दर्शकों के ज्ञान, समझ, और सकारात्मक दृष्टिकोण निर्मित करें। चिड़ियाघरों और मछलीघरों को दर्शकों को पशु स्वास्थ्य, पालन, व्यवहार और प्रशिक्षण में शामिल विज्ञान और शोध से जोड़ना चाहिए। यह पशुओं की देखभाल की आकर्षक कहानियाँ शामिल करके हासिल किया जा सकता है - जैसे कि वे उनकी देख-रेख में रह रहे पशुओं को कैसे आश्रय देते हैं, चारा खिलाते हैं, परिवहन करते हैं, समृद्ध करते हैं, प्रशिक्षित करते हैं, और देखभाल करते हैं।

दर्शकों को चिड़ियाघरों और मछलीघरों में पशुओं से संबंधित कल्याण, नैतिकता और अधिकारों के दायरे और अंतर को समझने के लिए सहायता की आवश्यकता हो सकती है। सक्रिय और साक्ष्य-आधारित जानकारी प्रस्तुत करना, और चर्चा के लिए उपयुक्त और पारदर्शी मंच बनाना, चिड़ियाघरों और मछलीघरों के इन तत्वों के बारे में दर्शकों की समझ और सकारात्मक दृष्टिकोण को प्रोत्साहन देने में मदद कर सकता है, जिन्हें कभी-कभी विवादास्पद माना जाता है।

कल्याण और प्रबंधन प्रक्रियाओं के साथ पशुओं की जरूरतों को समझाकर, चिड़ियाघर और मछलीघर दर्शकों के पशुओं और प्राकृतिक दुनिया के प्रति सम्मान, सहानुभूति और सकारात्मक संबंधों को सहज कर सकते हैं। पशु कल्याण के पांच कार्यक्षेत्र, जैसा कि **WAZA** की केयरिंग फॉर वाइल्डलाइफ रणनीति में उल्लिखित है, पशु कल्याण का आकलन करने के लिए एक विज्ञान-आधारित ढांचा है, जो यह मानता है कि पशु, नकारात्मक से लेकर सकारात्मक तक, सभी भावनाएं अनुभव कर सकते हैं। पहले चार कार्यक्षेत्र, पोषण, वातावरण, स्वास्थ्य और व्यवहार मानसिक स्थिति सेहत के पांचवें कार्यक्षेत्र में सकारात्मक अनुभव हो रहे हैं इसका आकलन करने, सूचित करने और यह दिखाने में योगदान करने के लिए मानदंडों के एक सेट का उपयोग करते हैं। चिड़ियाघरों और मछलीघरों को अपनी संरक्षण शिक्षा में इस ढांचे का उपयोग करना चाहिए क्योंकि यह वे तरीके दिखाता है जिससे कल्याण का मुल्यांकन किया जाता है यह सुनिश्चित करने के लिए कि पशुओं की जरूरतें पूरा हो रही हैं और यह कि वे मानव देखभाल में फूल-फलते हैं।

रामत गण इज़राइल © रमत गण सफारी

संरक्षण शिक्षा और प्रजाति कार्य योजना

संस्थागत ष्संग्रह योजनाष में किस प्रजाति को शामिल करना है, इसकी योजना बनाना आवश्यक है। संरक्षण शिक्षा एक अनिवार्य भूमिका निभाती है, क्योंकि कई प्रजातियों को एक चिड़ियाघर या मछलीघर के भीतर होने के शैक्षिक कारण के साथ टैग किया जाता है। लेकिन, चिड़ियाघरों और मछलीघरों को अपनी संग्रह योजनाओं के भीतर "शिक्षा" शब्द के मोनोटाइपिक उपयोग से आगे बढ़ना चाहिए। एक अधिक उपयोगी पद्ध ति है संरक्षण शिक्षा के लिए कई उद्देश्यों को प्रतिबिंबित करने वाली कई उपश्रेणियां बनाना। श्रेणियों में ऐसी प्रजातियां शामिल हैं, लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं हैं, जो दर्शकों के ज्ञान और समझ का समर्थन करती हैं, संवेदना बढ़ाती हैं, व्यावहारिक और व्यक्तिगत कौशल विकास को बढ़ावा देती हैं, संरक्षण कहानी बताने का समर्थन करती हैं, और पर्यावरण-समर्थक व्यवहार और सततता को प्रोत्साहित करती हैं। संग्रह योजना में कई प्रकार की संरक्षण शिक्षा श्रेणियों का उपयोग करने से उन विविध प्रकार के संरक्षण शैक्षिक भूमिकाओं को मजबूत करने और आगे समझाने में मदद मिलती है जो चिड़ियाघर और मछलीघर के संदर्भ में प्रजातियों द्व ारा निभाई जा सकती हैं। महत्वपूर्ण रूप से, संरक्षण शिक्षा में विशेषज्ञता वाले कर्मचारियों को, संग्रह योजना के शैक्षिक घटकों को विकसित करने के लिए प्रजातियों के विशेषज्ञों के साथ सहयोगात्मक रूप से काम करते हुए, योजना प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल किया जाना चाहिए।

चिड़ियाघर और मछलीघर जो काम करते हैं उसे प्रदर्शित करने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा पशु कल्याण और प्रजातियों के संरक्षण के लिए एक्स सीटू और इन सीटू प्रयासों के बीच की कड़ियां है। संरक्षण नियोजन विशेषज्ञ समूह **(CPSG)** का काम और **IUCN** की वन प्लान पद्धति संरक्षण नियोजन के ओर एक एकीकृत पद्धति बनाने का प्रयास करता है। यह विभिन्न प्रजातियों के लिए व्यापक संरक्षण योजनाएं प्रदान करता है और इन सीटू और एक्स सीटू प्रबंधन के बीच की खाई को पाटने में मदद करता है। संरक्षण शिक्षा के माध्यम से, चिड़ियाघरों और मछलीघरों को उन लोगों के बीच संबंधों को प्रदर्शित और प्रशंसा करनी चाहिए जो चिड़ियाघर और मछलीघर के भीतर प्रजातियों के साथ काम करते हैं और जो सीधे जंगली आबादी के साथ काम करते हैं। मैसेजिंग में यह वर्णन होना चाहिए कि चिड़ियाघर और मछलीघर कैसे सहकारी अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय एक्स सीटू जनसंख्या प्रबंधन कार्यक्रमों में ऐसी व्यवहार्य आबादी बनाने के लिए भाग लेते हैं जो इन सीटू संरक्षण प्रयासों में लाभान्वित हो सकें।

© **WAZA** की वन्यजीव रणनीति की देखभाल

केस स्टडी

पशु कल्याण के पांच कार्यक्षेत्रों का डायग्राम

शारीरिक कार्यात्मक और मानसिक घटकों में विभाजित, पशु कल्याण को समझने के लिए पांच कार्यक्षेत्रों वाला मॉडल, उदाहरण प्रदान करता है कि कैसे आंतरिक और बाहरी स्थितियां नकारात्मक (प्रतिकूल) और सकारात्मक (सुखद) व्यक्तिपरक अनुभवों को जन्म देती हैं, जिसके एकीकृत प्रभाव एक पशु की कल्याण स्थिति को जन्म देते हैं।

केस स्टडी

पशुओं के लिए सीखें, सोचें, चर्चा करें और काम करें : समृद्ध अनुभव गतिविधि

जापान मंकी सेंटर के पशु कल्याण सुधार प्रयासों के हिस्से के रूप में, उनके संरक्षण शिक्षा गतिविधियों में पर्यावरण संवर्धन का उपयोग किया जाता है। इन गतिविधियों में, प्रतिभागी लक्षित पशुओं का निरीक्षण करते हैं, जंगल में पशुओं की पारिस्थितिकी के बारे में सीखते हैं, और चर्चा करते हैं कि वे अपने बंदी वातावरण को कैसे समृद्ध कर सकते हैं। यदि विचार सुरक्षित होते हैं और रखवालों द्वारा अनुमति दी जाती है, तो प्रतिभागी उन्हें लागू करने के लिए मिलकर काम करते हैं। प्रतिभागियों द्वारा पहले से ही कई विचार सिद्ध किये जा चुके हैं। उदाहरण के लिए, लीमर्स के लिए कीट फीडर बनाना, लंगूरों के लिए फीडर्स को ऊँचे स्थान पर सेट करना और गोरिल्ला के लिए बांस की घंटी बनाना। इन पूरी गतिविधियों के दौरान, प्रतिभागी सक्रिय रूप से पशुओं के प्रति संवेदना और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना सीखते हैं। वे एक चिड़ियाघर की भूमिकाओं और अच्छे पशु कल्याण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता की बेहतर समझ हासिल करते हैं।

प्रतिभागियों द्वारा बनाए गए फीडर रिंग-टेल्ड लेमर्स को दिए जाते हैं
© जापान बंदर केंद्र

निशाचर जानवरों की आदतों की खोज।
© बेलो होरिज़ोंटे चिड़ियाघर

ब्राज़ीलियाई साही
© बेलो होरिज़ोंटे चिड़ियाघर

केस स्टडी

शैक्षिक गतिविधि आगंतुको को चिड़ियाघर के पशु कल्याण कार्यक्रम के बारे में सिखाते हैं

"उल्लू अभियान" बेलो होरिजोंटे चिड़ियाघर, ब्राजील की एक शैक्षिक गतिविधि है जो आगंतुकों के समूह को रात के पशुओं, जैसे कि बिल्ली (बाघ, शेर और जगुआर), भेड़िये, टेपिर, चिंटी खानेवाले और ब्राजील के साही से मिलाने के लिए ले जाती है। इन रात्रिकालीन यात्राओं के दौरान, संस्था द्वारा विकसित पशु कल्याण कार्यक्रम के माध्यम से चिड़ियाघर के पशुओं को दी जाने वाली देखभाल के बारे में जानना संभव है। लक्षित दर्शक परिवार और छात्र होते हैं। इस गतिविधि के दौरान, वे पशुओं को पर्यावरण ीय शैक्षिक गतिविधि के साथ परस्पर क्रिया करते हुए देखते हैं जो आगंतुक उस रात पशुओं के लिए तैयार किए गए चिड़ियाघर पशु कल्याण कार्यक्रम संवर्धन वस्तुओं के बारे में सीखते हैं। यह गतिविधि ज्यादातर पूर्णिमा के सप्ताह में होती है। यह जीवविज्ञानी या पशु चिकित्सकों, चिड़ियाघर की देख-भाल करनेवाले और शिक्षकों द्वारा संचालित की जाती है। इसके कार्यान्वयन के बाद से, प्रत्येक वर्ष 300 लोगों ने इस गतिविधि में भाग लिया है, और मूल्यांकन पशुओं की देखभाल और कल्याण के बारे में संतुष्टि और शिक्षण का बहुत उच्च स्तर दर्शाता है। सभी ने दी गई जानकारी को एक बहुत अच्छा शिक्षण अनुभव माना और इस गतिविधि की दोस्तों से सिफारिश की।

चुनौतियां

चिड़ियाघर और मछलीघर पशुओं की देखभाल और कल्याण, संरक्षण, और शैक्षिक, वैज्ञानिक और सततता परिणामों को आगे बढ़ाने के लिए लगातार काम करते हैं। इन योगदानों के बावजूद, चिड़ियाघर और मछलीघर क्या करते हैं, बनाम उनके दर्शकों को क्या लगाता हैं कि वे क्या करते हैं, इनके बीच अभी भी एक स्पष्ट डिस्कनेक्ट है। कुछ व्यक्ति जो चिड़ियाघर और मछलीघर के बारे में नकारात्मक महसूस करते हैं, उन्हें प्रजातियों की देखभाल, पशु कल्याण, संरक्षण, सततता और संरक्षण शिक्षा में चिड़ियाघरों और मछलीघरों की भूमिका के बारे में पर्याप्त साक्ष्य दिए जाने पर वे अधिक सकारात्मक दृष्टिकोण में स्थानांतरित हो सकते हैं। हालांकि, साक्ष्य देने से जरूरी नहीं है कि दूसरों के विचार बदल जाएं।

चिड़ियाघर और मछलीघर की सार्वजनिक धारणा एक महत्वपूर्ण चुनौती है और संरक्षण शिक्षा के लिए एक अवसर है। भावी फोकस के रूप में, चिड़ियाघर और मछलीघर को इस बारे में और अधिक समझने की आवश्यकता है कि दर्शक मानव देखभाल में रह रहे पशुओं के बारे में, और अधिक आम तौर पर चिड़ियाघरों और मछलीघरों के बारे में कैसा सोचते हैं और महसूस करते हैं। दर्शकों की धारणाओं और उन धारणाओं के आधार की बेहतर समझ गलत ध ारणाओं को दूर करने के लिए चिड़ियाघर और मछलीघर को सूचित अवसर प्रदान कर सकती है।

चिड़ियाघर और मछलीघर जैव विविधता संरक्षण के लिए अपने आपको शक्तिशाली, उत्पादक और अग्रणी संगठनों के रूप में फिर से ढाल कर सकते हैं। ऐसा करने के लिए, उन्हें पशु कल्याण को आगे बढ़ाने और इन सीटू और एक्स सीटू संरक्षण में अपने भारी योगदान के बारे में अधिक सक्रिय रूप से बात करने की आवश्यकता है। चिड़ियाघरों और मछलीघरों को बहादुर होना चाहिए और मानव देखभाल में रह रही प्रजातियों की सार्वजनिक धारणाओं को व्यावहारिक, पारदर्शी और तर्कयुक्त संदेशों के साथ बदलने के लिए बातचीतों का बढ़ाना चाहिए- जिसमें वर्तमान और संभावित दर्शकों की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ चर्चा शामिल है। उन्हें एक "अच्छे" चिड़ियाघर या मछलीघर की विशेषताओं के बारे में साहसपूर्वक, विविध और प्रभावी ढंग से बात करके सार्वजनिक दृष्टिकोण को प्रभावित करने के लिए पद्धतियाँ विकसित करनी चाहिए। उन्हें यह प्रदर्शित करना चाहिए कि प्रजातियों, पारिस्थितिक तंत्रों और समाज के लिए स्थायी भविष्य का निर्माण करने के लिए चिड़ियाघरों और मछलीघरों का वैश्विक समुदाय कैसे सामूहिक रूप से संरक्षण में सामाजिक बदलाव के लिए, एक प्रमुख शक्ति है।

अध्याय 6

संरक्षण शिक्षा में संरक्षण और स्थिरता को प्राथमिकता देना

हमारी प्रतिबद्धता चिड़ियाघर और मछलीघर के दर्शको को कार्य करने के लिए सुविधाजनक बनाने, प्रेरित करने और संगठित करने की है और जैव विविधता, पर्यावरण और संरक्षण से सम्बंधित मुद्दों की वकालत करते है ।

चिड़ियाघर के मेहमानों के साथ वन्यजीव-बचत संदेश साझा करने वाले चिड़ियाघर क्रू किशोर © ह्यूस्टन चिड़ियाघर

LONG-DISTANCE
FLYERS
VOLADORAS DE
LARGA DISTANC

कुछ पर्यावरण और संरक्षण के मुद्दे नीचे सूचीबद्ध हैं जो चिड़ियाघर और मछलीघर के लिए प्रासंगिक हैं। इनमें शामिल हैं, लेकिन इन तक सीमित नहीं हैं।

जैव विविधता की हानि
जैसे बड़े पैमाने पर विलुप्ति, जनसंख्या में गिरावट, अवैध और कानूनी वन्यजीव व्यापार, शिकार और अवैध शिकार, बुशमीट व्यापार, पालतू पुशओं का अवैध व्यापार, परागणकों, आक्रामक प्रजातियों और पारंपरिक दवाओं की हानि।

जलवायु आपात स्थिति
जैसे कि वे तरीके जिनसे बदलता जलवायु लोगों, वन्यजीवों और वन्य जगहों को प्रभावित करता हैय वैश्विक तापन का विज्ञानय और जलवायु आपात स्थिति से इनकार करने वाले।

प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग और अति उपयोग
जैसे अत्यधिक मछली पकड़ना और बड़े पैमाने पर मांस उत्पादन।

समुद्री और मीठे पानी का संरक्षण
जैसे कि समुद्री संरक्षित क्षेत्रों का महत्व, और महासागर का अम्लीकरण। महासागर और मीठे पानी का स्वास्थ्य प्रजातियों और मानव स्वास्थ्य दोनों के लिए महत्वपूर्ण है।

प्रदूषण
जैसे प्लास्टिक, कूड़ा, गुब्बारे, माइक्रोप्लास्टिक और जल प्रदूषण।

वनों की कटाई
जैसे कि स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों तरह के आवासों का नुकसानय कृषि और मोनोकल्चर जैसे प्रजातियों और आवासों पर ताड़ के तेल के प्रभाव।

मानव स्वास्थ्य और अधिकार
जैसे कि परिवार नियोजन और स्वैच्छिक जनसंख्या नियंत्रण, जूनोटिक रोग (जूनोज), मानवाधिकार और उपनिवेशवादी संरक्षण।

वन्य जीवन और पर्यावरण के साथ मानव संपर्क
जैसे कि मानव-वन्यजीव टकराव, जिम्मेदार पारिस्थितिक पर्यटन, लोगों द्वारा जंगली पशुओं का शोषण (जैसे फोटो प्रॉप्स के रूप में प्राइमेट्स), और घरेलू और वन्यजीव टकराव (जैसे घरेलू बिल्लियों और कुत्तों का वन्य जीवन पर प्रभाव)।

स्थायी समाधान
जैसे कि वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत, मांस की खपत को कम करना, स्थायी मत्स्याखेट, खाद उदपादन, कम करना, पुनरू उपयोग करना, रीसायकल करना, परिवहन आदतें बदलना, पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं।

सिफारिशें

- चिड़ियाघरों और मछलीघरों में संरक्षण शिक्षा को संरक्षण के मुद्दों को दर्शकों के अपने जीवन के लिए प्रासंगिक बनाने की आकांक्षा रखनी चाहिए और लोगों को प्रजातियों, पारिस्थितिक तंत्रों और समुदायों के लिए सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कार्य करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

- चिड़ियाघर या मछलीघर को अपने दर्शकों को अपने स्वयं के संरक्षण और निरंतरता कार्य के बारे में यह प्रदर्शित करके शिक्षित करना चाहिए कि उनका संगठन कैसे संरक्षण में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष योगदान देता है।

परिचय

संरक्षण और पर्यावरणीय मुद्दे विज्ञान, नीति, अर्थशास्त्र और मानव घटकों का मिश्रण हैं। वैसे ही, वे उतना ही लोगों और उनके कार्यों के बारे में हैं जितना वे प्रजातियों और पारिस्थितिक तंत्रों के बारे में हैं। संरक्षण शिक्षा को उन सामाजिक आंदोलनों को उत्प्रेरित करने के अवसरों को प्राथमिकता देनी चाहिए जो तत्काल और जटिल संरक्षण और पर्यावरणीय मुद्दों के व्यवहारिक समाधान संचालित करते हैं। पर्यावरण समर्थक व्यवहारों को अपनाने के लिए दर्शकों में सामाजिक बदलाव को प्रोत्साहित और संगठित करना, उन्हें संरक्षण अधिवक्ता बनने के लिए सशक्त करना और तेजी से बदलते पर्यावरण में आशावादी बने रहने में उनकी सहायता करना संरक्षण शिक्षा के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है।

संरक्षण शिक्षा के प्रयासों से, चिड़ियाघर और मछलीघर को दर्शकों को वर्तमान में प्रजातियों, पर्यावरण और समाज के सामने मौजूद कुछ जटिल मुद्दों के बारे में और जानना और समझना चाहिए। उन्हें इन मुद्दों की परवाह करनी चाहिए और उनसे जुड़ाव महसूस करना चाहिए, और पर्यावरण-समर्थक व्यवहारों को अपनाने के लिए, और साथ ही व्यापक रूप से फैली संरक्षण वकालत और सामूहिक कार्रवाई का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित और तैयार होना चाहिए। उन्हें संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों और वे प्रजातियों, पारिस्थितिक तंत्रों और समुदायों के लिए स्थायी भविष्य के निर्माण में कैसे शामिल हो सकते हैं, इसके बारे में पता होना चाहिए। उन्हें संरक्षण और पर्यावरणीय मुद्दों के सामाजिक और सांस्कृतिक पहलुओं से, और इस बात से भी अवगत होना चाहिए कि संस्कृति की विविधता का संरक्षण जैव विविधता के संरक्षण से जुड़ता है।

अफ्रीका से IZE कार्यशाला के प्रतिभागी मकानागा वेटलैंड का दौरा कर रहे हैं और उनका मार्गदर्शन कर रहे हैं। © यूडब्ल्यूईसी

संरक्षण और पर्यावरणीय मुद्दे

प्रजातियों, पारिस्थितिक तंत्रों या समुदायों को प्रभावित करने वाले कई मुद्दे जटिल और काल्पनिक होते हैं। संबंध बनाना और संरक्षण को प्रासंगिक बनाना दर्शकों कि यह समझने में मदद करता है कि प्रत्येक मुद्दा उनके लिए कैसे प्रासंगिक हो सकता है। हितधारकों और विशिष्ट परियोजनाओं जैसे मुद्दों के पीछे की कहानियों सचित्र समझाना, दर्शकों की कनेक्शन्स खोजने, अर्थ बनाने और मुद्दों और समाधानों को उनकी अपनी दुनिया के संदर्भों में रखने में मदद करता है। ऐसे कई संरक्षण या पर्यावरणीय मुद्दे हैं जिन पर एक चिड़ियाघर या मछलीघर अपनी संरक्षण शिक्षा के माध्यम से ध्यान केंद्रित कर सकता है। चिड़ियाघर और मछलीघर किस पर ध्यान केंद्रित करने का निर्णय लेते हैं, यह बात स्थान, संस्कृति, दर्शकों और प्रत्येक मुद्दे की उनके संगठनात्मक संदर्भों की प्रासंगिकता पर निर्भर करता है।

केस स्टडी

संरक्षण शिक्षा के माध्यम से एक्स सीटू और इन सीटू लिंक को सशक्त करना

युगांडा वन्यजीव संरक्षण शिक्षा केंद्र (UWEC) मकानागा वेटलैंड प्रणाली में जैव विविधता संरक्षण और जागरूकता कार्यक्रम लागू कर रहा है। यह आर्द्रभूमि, जो मानव अतिक्रमण से खतरे में थी, विक्टोरिया झील, युगांडा से सटे विशाल आर्द्रभूमि प्रणाली का हिस्सा है। यह विलुप्त होने वाले शूबिल स्टङ्गॅर्क (Balaeniceps re) का घर है। अन्य मुख्य प्रजातियों में शामिल हैं य ग्रे क्राउन क्रेन (Balearica regulorum), सैडल-बिल्ड स्टॉर्क (Ephippiorhynchus senegalensis), चित्तेदार ऊदबिलाव (Hydrictismaculicollis), सिवेट कैट (Civettictiscivetta) और सीतातुंगा (Tragelaphus spekii)।

2013 में जैव विविधता संरक्षण और जागरूकता कार्यक्रम की स्थापना के बाद से, आर्द्रभूमि का अवक्रमण कम हुआ है, इसकी अखंडता को बहाल किया गया है और वन्यजीव समुदाय के साथ सामंजस्यपूर्ण रूप से रहते हैं। कार्यक्रम ने सामुदायिक जागरूकता फैलाई है, प्रबंधन योजनाएं विकसित की हैं और टूरगाइड्स को प्रशिक्षित किया है। इसने पारिस्थितिक पर्यटन उद्यमों, स्कूल वन्यजीव क्लबों और पुनरू हरियाली परियोजनाओं का संचालन सक्षम किया है। स्थानीय खजानों का दस्तावेजीकरण किया गया है, शैक्षिक सामग्री वितरित की गई है, और कुछ प्रजातियों को UWEC में पुनर्वासित किया गया था और आर्द्रभूमि में वापस छोड़ दिया गया था।

केस स्टडी

बुलबुले न की गुब्बारेः वन्यजीवों के लिए एक जटिल समस्या से निपटने में मदद करने का एक सरल कार्य

जब गुब्बारे उड़ते हैं एक सहयोगी अभियान है, जिसका लक्ष्य गुब्बारे के कचरे का वन्यजीवों पर प्रभाव समाप्त करने में मदद करने के लिए समुदायों को सक्रिय करना है। शोध ने गुब्बारों को समुद्री पक्षियों के लिए समुद्री मलबे का सबसे घातक रूप पाया है। जूज विक्टोरिया, ऑस्ट्रेलिया का उद्देश्य परिवारों में, और साथ ही व्यवसायों, स्कूलों और स्थानीय परिषदों के साथ एक सामाजिक आंदोलन बनाना है। 2017 से, 230,000 से अधिक आगंतुकों ने बाहर के गुब्बारों के बजाय बुलबुलों का उपयोग करने का सार्वजनिक वादा किया है, और 300 से अधिक स्थानीय व्यवसायों ने बाहर गुब्बारों का उपयोग न करने की प्रतिबद्धता ली है। यह अभियान प्लास्टिक की बड़ी समस्या के बारे में इस तरह से चर्चा शुरू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है जो सुलभ और मनोरंजक हो। यह अभियान एक ऐसा प्लैटफॉर्म है जिसका उपयोग समुदायों को जूज विक्टोरिया की निरंतरता यात्रा पर साथ लाने के लिए किया जा सकता है। जूज विक्टोरिया एक जीरो-वेस्ट संगठन है और इसने संगठन से सभी संभावित एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक को हटा दिया है।

मेलबर्न चिड़ियाघर के आगंतुकों को अपने बाहरी कार्यक्रमों में गुब्बारे नहीं बुलबुले का उपयोग करने का सार्वजनिक वादा लिखने के लिए आमंत्रित किया जाता है। © चिड़ियाघर विक्टोरिया

संरक्षण शिक्षा और निरंतरता

चिड़ियाघरों और मछलीघरों के लिए एक भावी प्राथमिकता संरक्षण शिक्षा को वैश्विक जैव विविधता लक्ष्यों, जैसे संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों, और **WAZA** की हमारे ग्रह की रक्षा करना रणनीति के भीतर प्रासंगिक सिफारिशों कों पूरा करने के लिए संरेखित करना है। सतत विकास के लिए शिक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाने, जीवन जीने का अधिक सतत तरीका अपनाने का प्रयास करने के लिए सभी को प्रेरित करने और पर्यावरण समर्थक व्यवहारों को संरक्षण परिणामों से जोड़ने की एक मूलभूत आवश्यकता है। संरक्षण शिक्षा में स्थानीय से व्यापक वैश्विक संदर्भ में सततता के विषय शामिल होने चाहिए। इसमें सीफूड, ताड़ के तेल, परिवहन, प्लास्टिक और अन्य दैनिक संसाधन उपयोग पर उपभोक्ता के व्यवहार चयनों से संबंधित मुद्दों को संबोधित करना शामिल है। इसे इस जानकारी के साथ संतुलित किया जाना चाहिए कि दर्शक सतत भविष्य के लिए शक्तिशाली सामूहिक सामाजिक आंदोलन कैसे बना सकते हैं। ये पद्धतियां बेहतर दैनिक चयनों और सामूहिक सामाजिक स्थायी सक्रियता के माध्यम से दर्शकों के जीवन में सततता के तत्वों को एकीकृत करने में उनके मदद करते हैं।

चिड़ियाघरों और मछलीघरों को "बात पर चलना चाहिए।" यदि वे दर्शकों को अधिक सतत जीवन शैली अपनाने और निरंतरता का समर्थन करने हेतु बेहतर निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, तो चिड़ियाघरों और मछलीघरों को अपने स्वयं के सततता मुद्दों को संबोधित करके - और जितना संभव हो सके उतना सतत बनकर नेतृत्व करना चाहिए। कई पद्ध तियों के माध्यम से, चिड़ियाघरों और मछलीघरों को यह प्रदर्शित करने का प्रयास करना चाहिए कि प्रजातियों के अस्तित्व और सामाजिक भविष्यों के लिए स्थिरता कितनी महत्वपूर्ण है।

केस स्टडी

संरक्षण जल संरक्षकः गॉडालाजारा, मेक्सिको के ग्रामीण और शहरी समुदायों में जल संरक्षण पर शैक्षिक कार्यक्रम

"संरक्षण जल संरक्षक बैठक" एक समावेशी शैक्षिक कार्यक्रम है जो 14 वर्षों से चल रहा है, जिसमें 1000 से अधिक छात्र भाग लेते रहे हैं। वे बच्चे जो जल संसाधन प्राप्त करने के लिए 10 किमी चलते हैं, अन्य बच्चे जिनके शहरों में पानी है लेकिन वह प्रदूषित है, और वे बच्चे जो अपने घरों में आसानी से नल खोलकर साफ पानी प्राप्त करते हैं, वे हर साल एक सप्ताह के लिए एक साथ आते हैं। 40 ग्रामीण समुदायों, शहरी क्षेत्रों के प्राथमिक विद्यालय के बच्चे, और जलिस्को राज्य की दृष्टिबाधित आबादी, गॉडालाजारा चिड़ियाघर, कार्यक्रम के दौरान मेक्सिको में रहते हैं। वे जल संरक्षण वैज्ञानिकों से मिलते हैं और गंभीर समस्याओं पर बहस करते हैं, उनके समुदाय के जल संरक्षण के लिए व्यवहार्य समाधानों का विश्लेषण करते हैं, चर्चा करते हैं और प्रस्तावित करते हैं। यह मौलिक कंटेन्ट पर केंद्रित है जो मानव की दैनिक गतिविधियों, आवश्यक पारिस्थितिक तंत्र सेवाओं, और साथ-साथ प्रजातियों की जैविक प्रक्रियाओं को जोड़ता है। यह कार्यक्रम गॉडालाजारा चिड़ियाघर और मेक्सिको के प्राथमिकता संरक्षण लक्ष्यों को सुदृढ़ करने के लिए संरक्षण शिक्षा, शोध विधियों और कर्मचारियों और समुदायों के साथ बातचीत को जोड़ता है।

© मिर्का कैमाचो/जल संरक्षण संरक्षक बैठक कार्यक्रम के समन्वयक और आर्टुरो शावेज वेरा, शिक्षा विभाग, जूलोगिको गुआडालाजारा।

चिड़ियाघर के जल उपचार संयंत्र का दौरा
© साओ पाउलो चिड़ियाघर

केस स्टडी

प्लांटिंग द फ्यूचरः चिड़ियाघरों में सततता पर चर्चा के लिए एक मार्ग

NBR ISO 14.001 द्वारा प्रमाणित, अपनी पर्यावरणीय प्रबंधन प्रणाली **(EMS)** के आधार पर, साओ पाउलो चिड़ियाघर (ब्राजील) दो प्रकार के निर्देशित दौरे विकासित करता है। पहला वाला तकनीकी या उच्च शिक्षा के छात्रों के लिए होता है, और यह पर्यावरणीय प्रबंधन से संबंधित कई अवधारणाओं और प्रथाओं को संबोधित करता है। प्राथमिक और हाई स्कूल के छात्रों के लिए "प्लांटिंग द फ्यूचर" का दौरा, चिड़ियाघर को एक "मॉडल सिटी" के रूप में चित्रित करता है, जो इसके पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने की कोशिश करता है। इस पूरे दौरे के दौरान, प्रतिभागी एक मॉडल के पुरजे जोड़ते हैं जो शहरी विकास की नकल करता है, चिड़ियाघर के सीवेज और जल प्रशोधन संयंत्रों और कुछ पशुओं के बाड़ों में अपनाई गई सफाई प्रक्रियाओं के बारे में सीखते हैं। इस प्रकार, उन्हें आधुनिक शहरों में आम समस्याओं और उनके कार्यों से निपटने के लिए अधिक उपयुक्त विकल्पों पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। ऐसी गतिविधियों से पता चलता है कि **EMS** में, चिड़ियाघर के पारिस्थितिक पदचिह्न को कम करने के अलावा, सततता पर चर्चा की भी काफी संभावनाएं हैं।

जंगल पर गतिविधि के दौरान नदी के किनारे
"भविष्य का रोपण" © साओ पाउलो चिड़ियाघर

केस स्टडी

सीटू कार्यक्रमों में सीधे सूचित करने वाले एक ऑनलाइन नागरिक विज्ञान प्लैटफॉर्म के माध्यम से संरक्षण शोध में शिक्षकों और छात्रों को शामिल करना

सैन डिएगो जू ग्लोबल (SDZG), USA में जनसंख्या सततता और सामुदायिक जुड़ाव में विशेषज्ञों ने उत्तरी केन्या, अफ्रीका में 100 से अधिक गति-सक्रिय ट्रेल कैमरों की एक प्रणाली द्वारा कैप्चर किए गए पशुओं की पहचान करने और उन्हें गिनने के लिए पूरे उत्तरी अमेरिका के शिक्षकों और छात्रों की मदद ली। ये महत्वपूर्ण डेटा SDZG शोधकर्ताओं की यह समझने में मदद करते हैं कि विभिन्न प्रजातियां (जंगली और पशुधन दोनों) वर्ष के विभिन्न समय अवधियों में विभिन्न आवासों का उपयोग कैसे करती हैं, और जमीनी प्रबंधन रणनीतियों को आगे सूचित करता है। संरक्षण विज्ञान में SDZG के शिक्षक कार्यशालाओं के पूर्व छात्रों के पूल से शिक्षकों को इस ऑनलाइन नागरिक विज्ञान वाइल्ड वॉच कीन्या स्कूल चुनौती के लिए आमंत्रित किया गया था। ये कार्यशालाएं तीन-दिवसीय, दो-रात्रि पेशेवर विकास अनुभव हैं जो शिक्षकों को संरक्षण विज्ञान को अपने घरेलू परिसरों में लाने में मदद करती हैं।

स्थानीय हाई स्कूल के छात्र वाइल्डव२च केन्या स्कूल चौलेंज के हिस्से के रूप में उत्तरी केन्या में कैप्चर की गई कैमरा ट्रैप छवियों को वर्गीकृत करके सैन डिएगो चिड़ियाघर वैश्विक संरक्षण शोधकर्ताओं के काम में सहायता करते हैं।
© सैन डिएगो चिड़ियाघर ग्लोबल

चुनौतियां

चिड़ियाघर और मछलीघर की संरक्षण शिक्षा में संरक्षण और व्यापक पर्यावरणीय मुद्दों के बारे में कंटेन्ट को एकीकृत करना कभी-कभी समस्याग्रस्त हो सकता है। अधिकांश मुद्दे जटिल होते हैं, जिससे संरक्षण शिक्षा देने वालों के लिए अपने दर्शकों को आकर्षक, उपयुक्त और भय उत्पन्न न करनेवाले तरीके से शामिल करना मुश्किल हो जाता है। मुद्दों को, एक समाधान और आशावादी ढ़ाचे के साथ मिलकर, स्पष्ट संदेशों में विभाजित किया जाना चाहिए जो दर्शकों को ठोस कार्यवाइयां प्रदान करते हैं जो एक बदलाव ला सकती हैं - जैसे एक नागरिक विज्ञान पद्धति के माध्यम से।

कई संरक्षण और पर्यावरणीय मुद्दे चिड़ियाघरों और मछलीघरों के लिए प्रासंगिक हैं। यह तय करना कठिन हो सकता है कि किन मुद्दों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, कितने मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए, और लक्षित दर्शकों के साथ कौन सी संचार तकनीकों को नियोजित किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, कुछ चिड़ियाघर और मछलीघर, अन्य वैज्ञानिक और संरक्षण संगठनों की तरह, संरक्षण के लिए सामाजिक बदलाव लाने के लिए सक्रियता-आधारित पद्धतियों में स्थानांतरित होने में संकोच करते हैं। भविष्य के चिड़ियाघरों और मछलीघरों को जटिल संरक्षण विषयों जैसे कि चल रही जलवायु आपात स्थिति, वैश्विक तापन, और प्रजातियों के संरक्षण और स्वस्थ समुदायों से पर्यावरणीय और सामाजिक न्याय कनेक्शन्स के लिए एक मजबूत वकालती –ख अपनाने से नहीं कतराना चाहिए।

प्रकृति में अनुभव - उत्तेजक संबंध।
© पाउलो गिल साओ पाउलो जू

केस स्टडी

युवा स्वयंसेवकों को जलवायु बदलाव के अनुवादकों के रूप में सशक्त करना

हाई स्कूल के स्वयंसेवकों को जलवायु अनुवादकों के रूप में उपयोग करने से न केवल छात्रों को स्वयं लाभ होता है, बल्कि पशुओं और लोगों दोनों के सामने एक प्रमुख संरक्षण मुद्दे के बारे में समुदायों के लिए एक अतिरिक्त आवाज और परिप्रेक्ष्य प्रदान करता है। सॉसालिटो, कैलिफोर्निया, USA में स्थित समुद्री स्तनधारियों के अस्पताल और शिक्षा फसिलिटी, द मरीन मैमल सेंटर के हाई स्कूल छात्रों का जलवायु बदलाव विज्ञान से परिचय कराया गया था और वैज्ञानिक रूप से परीक्षित संचार रणनीतियों में प्रशिक्षित किया गया था। इस ज्ञान और कौशल का उपयोग करते हुए, उन्होंने मेहमानों को समुद्री स्तनधारियों पर जलवायु बदलाव के प्रभावों और जलवायु शमन समाधानों के बारे में व्याख्यात्मक स्टेशनों में व्यस्त रखा।

युवा स्वयंसेवक जिन्हें अपने सार्वजनिक बोलने के कौशल का अभ्यास करने और जलवायु विज्ञान और संचार में विशेषज्ञता का अवसर मिला, उन्होंने जलवायु विज्ञान और स्वयं-रिपोर्ट किए गए पर्यावरणीय व्यवहारों की समझ में महत्वपूर्ण लाभ का अनुभव किया। फोरविजिटर्स, इन नए व्याख्यात्मक स्टेशनों ने व्यावहारिक गतिविधियाँ प्रदान कीं जो विज्ञान और जलवायु बदलाव की कहानियों को उनकी यात्रा में सबसे आगे लाए और इसके परिणामस्वरूप नए जलवायु-अनुकूल व्यवहारों को अपनाया गया।

इज़ी, एक युवा क्रू जलवायु दुभाषिया, समुद्री स्तनपायी केंद्र में जलवायु परिवर्तन के बारे में एक परिवार को संलग्न करता है।
© एडम रत्नेर

अध्याय 7

संरक्षण शिक्षा में प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास को अनुकूलित करना

हमारी प्रतिबद्धता संरक्षण शिक्षा में प्रशिक्षण और पेशेवर विकास के लिए कई प्रकार की अवसर पेश करने और उनका समर्थन करने के प्रति है।

संरक्षण को संबोधित करने के लिए अन्य भाषाओं की खोज - चिड़ियाघर में एक नाट्य प्रस्तुति।
© पाउलो गिल साओ पाउलो जू

संरक्षण को संबोधित करने के लिए अन्य भाषाओं की खोज - चिड़ियाघर में एक नाट्य प्रस्तुति।
© पाउलो गिल साओ पाउलो जू

स्वयंसेवी प्रशिक्षण कार्यक्रम सीपीआर पार्के जूलोगिको नैशनल ला औरोरा
© Parque Zoológico
नैशनल ला औरोरा

सिफारिशें

- चिड़ियाघर या मछलीघर में उनकी संरक्षण शिक्षा योजना का नेतृत्व और कार्यान्वयन करने के लिए जिम्मेदार कम से कम स्टाफ का एक ऐसा सदस्य होना चाहिए जिसके पास आवश्यक अनुभव और योग्यता हो।

- चिड़ियाघर या मछलीघर को स्थानीय, राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय संरक्षण शिक्षा नेटवर्क्स और बैठकों में सक्रिय रूप से शामिल होने के लिए संरक्षण शिक्षा में शामिल कर्मचारियों और स्वयंसेवकों का समर्थन करना चाहिए।

- चिड़ियाघर या मछलीघर को संरक्षण शिक्षा में शामिल कर्मचारियों और स्वयंसेवकों का उनकी संरक्षण शिक्षा योजना के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए उचित सतत व्यावसायिक विकास और प्रशिक्षण के साथ समर्थन करना चाहिए।

परिचय

संरक्षण शिक्षा में शामिल लोगों में क्षमता निर्माण करना चिड़ियाघर और मछलीघर की एक मौलिक जिम्मेदारी है। इस रणनीति के भीतर के विषयों और सिफारिशों का समर्थन करने हेतु, सभी कर्मचारियों और स्वयंसेवकों के लिए उपयुक्त व्यावसायिक विकास में निवेश करने के लिए उच्चतम स्तर से प्रतिबद्धता होनी चाहिए। पूरे संगठन के व्यक्ति सभी विकास के ऐसे अवसरों से लाभान्वित हो सकते हैं जो संरक्षण शिक्षा को डिजाइन करने, डिलिवर करने और मूल्यांकन करने में ज्ञान बढ़ाते हैं, कौशल विकसित करते हैं, और आत्मविश्वास बढ़ाते हैं।

कर्मचारियों और स्वयंसेवकों के साथ, चिड़ियाघरों और मछलीघरों को सक्रिय संरक्षण अधिवक्ता बनने के लिए अपने दर्शकों की क्षमता बढ़ाने के अवसरों का समर्थन करना चाहिए। यह समर्थन ऐसे लोगों में, जो पशुओं, पौधों और प्रजातियों के संरक्षण के साथ काम करते हुए एक करियर बनाना चाहते हैं, संरक्षण विज्ञान क्षमता बढ़ाने से लेकर ऐसे व्यक्तियों और समुदायों के लिए प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करने तक होता है जो अपने स्थानीय वन्यजीवों, समुदायों, और प्राकृतिक दुनिया के लिए ष्अपने हिस्से का कार्यष करना चाहते हैं।

केस स्टडी

वयस्कों के लिए संरक्षण शिक्षा प्रशिक्षण के साधन के रूप में स्वयंसेवी कॉर्प्स

ऐसे शिक्षकों के रूप में जिन्हें संरक्षण की चिंता है, हम जानते हैं कि अधिकांश कार्यक्रम आमतौर पर बच्चों पर लक्षित होते हैं। हम यह भी जानते हैं कि आमतौर पर एक बच्चे को कार्रवाई करने का अधिकार हासिल करने में लगभग 10 साल लगते हैं। क्या हम संरक्षण के प्रयासों के लिए 10 साल के बिना काम किये चला सकते हैं?

ला औरोरा चिड़ियाघर, ग्वाटेमाला का स्वयंसेवी कार्यक्रम युवा वयस्कों और उससे ज्यादा उम्र (16 वर्ष से वरिष्ठ लोगों तक) को लक्षित करता है। इसमें प्राकृतिक इतिहास, चिड़ियाघरों का महत्व, संरक्षण और व्याख्या कौशल जैसे क्षेत्रों में 21 घंटे का प्रशिक्षण शामिल है। स्वयंसेवक कार्यक्रम शिक्षा विभाग का हिस्सा है, और उनका लक्ष्य आगंतुकों को पशुओं से जोड़ना है। प्रति वर्ष लगभग 200 स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित किया जाता है। 40: छह महीने से अधिक समय तक कार्यक्रम में रहते हैं और कुछ कई सालों तक। इन सालों के दौरान, इन सीटू क्षेत्र अनुभव और प्रशिक्षण को कार्यक्रम में जोड़ा गया है। इसमें समुद्र तट की सफाई, संरक्षण शोध कार्यक्रमों के बारे में जानना, और वन्यजीव संरक्षण पहलों में भाग लेना शामिल है। यह कार्यक्रम अधिकार को सुरक्षित करने के लिए उपकरण और ज्ञान प्रदान करता है जिसकी वयस्कों को कार्रवाई करने के लिए आवश्यकता होती है।

संरक्षण सफलता के लिए क्षमता निर्मित करना

संरक्षण शिक्षा के दायरे में एक हालिया प्रतिमान बदलाव अब लोगों और उनके कार्यों दोनों को सभी संरक्षण और पर्यावरणीय मुद्दों के लिए बदलाव के संचालकों और एजेंट्स के रूप में स्वीकार करता है। इसके परिणाम स्वरूप, चिड़ियाघर और मछलीघर को कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को उनके दर्शकों को इन जटिल मुद्दों के बारे में समझाने और जोड़ने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और आत्मविश्वास से सज्जित करने हेतु तदनुसार स्थानांतरित करना चाहिए। इसमें शामिल है वन्यजीवों के प्रति संवेदना विकसित करना सीखना, पारिस्थितिक और सामाजिक बदलाव को बढ़ावा देने के लिए, और उनके संरक्षण शिक्षा प्रयासों के प्रभावों को मापने के लिए कार्यक्रम तैयार करना। ऐसा करने के लिए, चिड़ियाघरों और मछलीघरों को अपने कर्मचारियों और स्वयंसेवकों का ऐसी कई प्रकार की गतिविधियों, पाठ्यक्रमों और पेशेवर कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहन और समर्थन करना चाहिए, जिनके प्रतिभागियों और उनके संगठनों दोनों की जरूरतों को पूरा करने के लिए स्पष्ट विकासात्मक परिणाम होते हैं।

लिस्बन चिड़ियाघर की संरक्षण शिक्षा टीम। © लिस्बन चिड़ियाघर

केस स्टडी

सक्रिय संरक्षण अधिवक्ता टीमों का निर्माण

लिस्बन चिड़ियाघर, पुर्तगाल में संरक्षण शिक्षा की ताकत टीमों की गुणवत्ता और क्षमता पर निर्भर करती है, और यह प्रशिक्षण के साथ शुरू होती है। प्रशिक्षण यह सुनिश्चित करता है कि वैज्ञानिक ज्ञान, प्रतिबद्धता, शैक्षणिक रणनीतियाँ और संचार चिड़ियाघर के दृष्टिकोण और मिशन के अनुसार हों। लिस्बन चिड़ियाघर प्रारंभिक और निरंतर प्रशिक्षण दोनों में प्रशिक्षण-अनुप्रयोग-मूल्यांकन कार्य पद्धति को लागू करता है। विषयों को जूलॉजिकल, वैज्ञानिक, शैक्षणिक सामग्री, संचार रणनीतियां और कौशल, प्रश्नवाचक वार्ता, कहानी सुनाना, नाट अभिव्यक्ति, मुखर और शरीर से अभिव्यक्ति, विभिन्न दर्शकों के साथ बातचीत और भाषा अनुकूलन में विभाजित किया गया है। सभी विषयों में मूल्यांकन पैरामीटर (0 से 5 तक का पैमाना) का उपयोग किया जाता है। निरंतर सुधार को प्रोत्साहित करने के लिए टीम के सभी सदस्यों के साथ मापदंडों पर हमेशा चर्चा की जाती है और सम्मिलित किया जाता है। 2019 में, टीम ने सभी मापदंडों पर 4.6 का औसत निकाला। दर्शकों के साथ बातचीत सबसे अच्छा था (4.8) और सबसे आवश्यक सुधार वार्ता संरचना (4.1) में था। यह लिस्बन चिड़ियाघर को मापने योग्य अग्रिम, कुशल टीमें और मजबूत, सक्रिय संरक्षण अधिवक्ता देता है।

विविध विकास पथ

यह रणनीति गुणवत्ता संरक्षण शिक्षा के लिए स्पष्ट सिफारिशें प्रदान करती है। एक चिड़ियाघर या मछलीघर अपने कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को इन सिफारिशों को पूरा करने के लिए कैसे तैयार करता है, यह संगठनात्मक, देश और सांस्कृतिक संदर्भ के कारण अलग-अलग होगा। महत्वपूर्ण रूप से, सभी रणनीति सिफारिशों को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता बनाने का कोई एक तरीका नहीं है। इसके बजाय, यहां औपचारिक रूप से सिखाए गए कार्यक्रमों से लेकर अधिक अनौपचारिक निरंतर शिक्षण या "ऑन-द-जॉब" विकास अवसरों तक विकल्पों का व्यापक स्पेक्ट्रम पेश किये जाते हैं।

तृतीयक शिक्षा संस्थानों के माध्यम से प्रदान किए गए, कई औपचारिक रूप से डिलिवर्ड कोर्सिस, संरक्षण शिक्षा के तत्वों से जुड़ते हैं। ये कई विषयों पर ध्यान केंद्रित करते हैं जिनमें शामिल हैं, लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं हैं, शैक्षणिक कौशल, जैव विविधता संरक्षण के मानव और सामाजिक आयाम, व्यवहारिक बदलाव प्रेरित करना, संरक्षण मनोविज्ञान, महासागर साक्षरता, सतत विकास के लिए शिक्षा, सामुदाय को सम्मिलित करना, सामाजिक शोध और मूल्यांकन। इसके अलावा, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय चिड़ियाघर और मछलीघर संघ कई प्रकार के संरचित संरक्षण शिक्षा कोर्सिस प्रदान करते हैं। उदाहरण के लिए, **IZE** संरक्षण कई प्रकार के शिक्षा विषयों पर विकास के लिए सबसे बड़ी आवश्यकता पर पेशेवरों को देश में प्रशिक्षण प्रदान करता है।

अन्य अनौपचारिक अवसरों में अन्य चिड़ियाघरों, मछलीघरों और संरक्षण शिक्षा संगठनों में जाना या "नौकरी छायांकन" शामिल है। **IZE** का जॉब एक्सपीरियंस प्रोग्राम **(JEP)** है जो दुनिया भर के सहकर्मियों से सीधे सीखने का अवसर देता है। मेजबान और प्रतिभागी दोनों के लिए, इसका उद्देश्य चिड़ियाघर और मछलीघर के शिक्षकों के वैश्विक नेटवर्क को मजबूत करना और नए विचारों को साझा करना और नवाचार को प्रेरित करना है।

सम्मेलन और अन्य पेशेवर कार्यक्रम प्रशिक्षण और विकास के लिए मिश्रित पद्धतियों के लिए उत्कृष्ट अवसर प्रदान करते हैं। वार्ताओं, प्रस्तुतियों और कार्यशालाओं के माध्यम से, प्रतिनिधि सीखते हैं, विचारों को साझा करते हैं, और अन्य संरक्षण शिक्षा पेशेवरों के साथ नेटवर्क बनाते हैं। आकर भाग लेने में असमर्थ लोगों के लिए, कई चिड़ियाघर और मछलीघर सम्मेलनों में इन कार्यक्रमों की पहुंच और भागीदारी को बढ़ाने के लिए उनके सोशल मीडिया चौनलों के माध्यम से "लाइवस्ट्रीमिंग" के विकल्प होते हैं। उदाहरण के लिए, **IZE** के आभासी सम्मेलन और वेबिनार्स कई प्रकार के ऑनलाइन व्यावसायिक विकास अवसर प्रदान करते हैं।

ऑनलाइन फोरम्स संरक्षण शिक्षा पेशेवरों को

केस स्टडी

डिजिटल चिड़ियाघर आधारित व्यावसायिक विकास कार्यशालाएं शिक्षकों के लिए चिड़ियाघर से जुड़ने हेतु ऑनलाइन शिक्षण के अवसर पैदा करती हैं

वन्यजीव संरक्षण सोसायटी **(WCS), USA** व्यावसायिक विकास कार्यशालाएं पेश करके हर साल 1,700 से अधिक शिक्षकों के साथ काम करती है। ये शिक्षक कोर्सिस शिक्षक सामग्री ज्ञान को बढ़ाने और इस सामग्री को अपने छात्रों के लिए अपनी कक्षाओं में लाने हेतु शिक्षकों को तैयार करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। डिजिटल कार्यक्रमों में, शिक्षक तुल्यकालिक और अतुल्यकालिक दोनों तरह के शिक्षण अनुभव करते हैं। लाइव पढ़ाते समय, **WCS** प्रशिक्षक प्रदर्शनी स्थानों से लाइव-स्ट्रीम करते हैं और पशु और शोध कर्मचारियों की विशेषज्ञता लाते हैं। शिक्षकों को, आपने घर पर सुरक्षित रहते हुए, दूर से **WCS** की सुविधाएँ का दौरा करने और पशुओं से पास से मिलने का मौका मिलता है। फिर शिक्षक अतुल्यकालिक, मानक-संरेखित गतिविधियों के माध्यम से अपने शिक्षण को गति देते हैं जो चिड़ियाघर के डिजिटल संसाधनों, जैसे कि क्षेत्र या लाइव वेबकैम से फुटेज, का लाभ उठाती हैं। शिक्षक इन कोर्सिस का भरपूर आनंद लेते हैं, जिनमें से 90: से अधिक उन्हें गुणवत्ता में उत्कृष्ट या श्रेष्ठ के रूप में रेटिंग देते हैं और 95: से अधिक ने संकेत देते है कि जो कुछ उन्होंने सीखा उसे वे अपने स्कूलों के अपने पाठ्यक्रमों में शामिल करने का इरादा रखते हैं।

न्यू यॉर्क एक्वेरियम के कर्मचारी सी क्लिफ्स से लाइव-स्ट्रीम एक पेशेवर विकास कार्यशाला में दूरस्थ शिक्षकों को प्रदर्शित करते हैं। © शिनारा सुंदरलाल, डब्ल्यूसीएस शिक्षा

और विकसित करने के लिए उत्कृष्ट संदर्भ प्रदान करते हैं। ये डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पीयर-टू-पीयर शिक्षण अनुभव करने के लिए दुनिया भर के सहयोगियों का समर्थन करते हैं। वे संरक्षण शिक्षा में शामिल लोगों को सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने, प्रश्न पूछने और चर्चाओं में भाग लेने में सक्षम बनाते हैं। सक्रिय सोशल मीडिया पेजों और समूहों के उदाहरण ों में **IZE** का फेसबुक पेज, **EAZA** संरक्षण शिक्षा फेसबुक ग्रुप और **AZA** सदस्यों के शिक्षा फोरम्स शामिल हैं। सैन डिएगो जू ग्लोबल एकेडमी और नेशनल ज्योग्राफिक जैसे ऑनलाइन प्रशिक्षण पोर्टल कई प्रकार के आत्मकेंद्रित कोर्सिस प्रदान करते हैं जो ऐसे व्यक्तियों की सहायता करते हैं जो संरक्षण शिक्षा में अपनी क्षमता बढ़ाना चाहते हैं।

चुनौतियां

व्यावसायिक विकास को जारी रखने के लिए आम तौर पर उद्धृत की गई चुनौतियां अपर्याप्त वित्तीय संसाधन और उचित प्रशिक्षण और गतिविधियों को शुरू करने के लिए समय की कमी हैं। सौभाग्य से, ऑनलाइन अवसरों और वित्त पोषित कोर्सिस के माध्यम से, चिड़ियाघर और मछलीघर पेशेवरों के लिए कई प्रकार के हमेशा बढ़ते न्यायोचित विकल्प उपलब्ध है।

दुनिया भर में चिड़ियाघरों और मछलीघरों में संरक्षण शिक्षा के दीर्घकालिक उन्नति के लिए प्रशिक्षण और पेशेवर विकास आवश्यक है। संरक्षण के लिए सफल सामाजिक बदलाव के लिए बड़ी संख्या में लोगों को बदलाव के एजेंट के रूप में कार्य करने की आवश्यकता होती है। पारिस्थितिक और सामाजिक बदलाव का समर्थन करने और उसे उत्प्रेरित करने के लिए कई कुशल संरक्षण शिक्षा पेशेवरों की आवश्यकता होगी। यह चिड़ियाघरों और मछलीघरों की ओर से अपने कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को इन आवश्यक दक्षताओं के लिए प्रशिक्षित और विकसित करने के स्पष्ट स्वीकृति और प्रतिबद्धता के बिना नहीं होगा। अपने आप, उन्हें समय को प्रथमिकता देनी चाहिए और उन कर्मचारियों और स्वयंसेवकों का समर्थन करने के लिए आवश्यक संसाधनों को भेजना चाहिए जो स्थानीय, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय नेटवर्क्स, बैठकों और प्रशिक्षण अवसरों में शामिल होंगे।

प्रशिक्षण और पेशेवर संवर्धन कैसे किया जाता है और समर्थन कैसे किया जाता है इन में व्यवस्थित बदलाव संरक्षण शिक्षा प्रदान करने के सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों पहलुओं को सुधार सकते हैं। इसके परिणामस्वरूप मापने योग्य प्रगति होगी - ऐसे व्यक्तियों में जो अपना काम बेहतर ढंग से करेंगे, ऐसे संगठनों में जो अपने मिशन को बेहतर ढंग से पूरा करेंगे, और व्यापक रूप से चिड़ियाघर और मछलीघर समुदाय पर, जो कार्रवाई और समाधान-केंद्रित पद्धतियों के लिए एक ज्यादा मजबूत नेतृत्व स्थिति में होगा।

केस स्टडी

उत्तरी वियतनाम में संरक्षण शिक्षा क्षमता का निर्माण

हा गियांग शिक्षक छात्रों के साथ प्रकृति अन्वेषण की सुविधा प्रदान करते हैं।
© किशा ब्लैंटन डेनवर चिड़ियाघर

उत्तरी वियतनाम में संरक्षण शिक्षा क्षमता का निर्माण
टोंकिन स्नब-नोज्ड बंदर **(Rhinopithecus avunculus)** दुनिया के सबसे लुप्तप्राय प्राइमेट्स में से एक हैं, जिनमें **250** से अधिक बंदर बचे नहीं हैं। सबसे बड़ी जीवित आबादी वियतनाम के हा जियांग प्रांत के सुदूर पहाड़ों में रहती है। समुदाय-आधारित पद्धति लगाते हुए, डेनवर चिड़ियाघर, **USA** इस दुर्लभ प्राइमेट की रक्षा करने हेतु रणनीति विकसित करने के लिए हा जियांग के स्थानीय हितधारकों के साथ काम करता है। स्थानीय भागीदारों को शामिल करने और उनमें क्षमता निर्माण करने पर ध्यान केंद्रित करके, इस कार्यक्रम की सततता बढ़ जाती है। संरक्षण शिक्षा सशक्तिकरण रणनीतियों में शिक्षक पेशेवर विकास कार्यक्रम शामिल हैं जो स्थानीय शिक्षकों में परिणाम-आधारित पर्यावरण शिक्षा को विकसित करने और वितरित करने की क्षमता का निर्माण करता है। शिक्षकों को शिक्षार्थी-केंद्रित कार्यक्रम प्रदान करने के लिए प्रशिक्षण और परामर्श दिया जाता है जो छात्रों को प्रकृति और वन्य जीवन की अधिक गहरी समझ हासिल करने के लिए आवश्यक गंभीर सोच कौशल प्रदान करते हैं। कार्यक्रम की दीर्घकालिक सततता और टोंकिन स्नब-नोज्ड मंकी के जीवित रहने के लिए स्थानीय शिक्षक की भागीदारी महत्वपूर्ण है।

अध्याय 8

चिड़ियाघरों और मछलीघरों के संरक्षण शिक्षा मूल्य के साक्ष्य को मजबूत करना

हमारी प्रतिबद्धता चिड़ियाघरों और मछलीघरों में निगरानी, मूल्यांकन और सामाजिक शोध के माध्यम से संरक्षण शिक्षा के असरों और प्रभावों के लिए अवसरों को अधिकतम करने और उनके साक्ष्य बनाने के प्रति है।

बच्चे नेपियर घास काटना सीखते हैं। © ताइपे चिड़ियाघर

सिफारिशें

- चिड़ियाघर या मछलीघर को यह प्रदर्शित करने के लिए कई प्रकार के साक्ष्य एकत्र और साझा करने चाहिए कि वह अपनी संरक्षण शिक्षा योजना को कैसे पूरा कर रहा है।
- चिड़ियाघर या मछलीघर को उचित तरीकों का उपयोग करके कई चरणों में अपने संरक्षण शिक्षा कार्यक्रमों का मूल्यांकन करना चाहिए।
- चिड़ियाघर या मछलीघर को उन प्रभावों को प्रदर्शित करने के लिए कई प्रकार के साक्ष्य-आधारित शोध करने की आकांक्षा होनी चाहिए जो चिड़ियाघर और मछलीघर में संरक्षण शिक्षा प्राकृतिक दुनिया के प्रति लोगों के ज्ञान, दृष्टिकोण और व्यवहार पर डालती है।
- चिड़ियाघर या मछलीघर को सामाजिक शोध और मूल्यांकन परियोजनाओं के संचालन के लिए बाहरी संगठनों और शैक्षणिक संस्थानों के साथ भागीदारी में सम्मिलित होने की आकांक्षा होनी चाहिए।

परिचय

चिड़ियाघरों और मछलीघरों को, कई प्रकार के साक्ष्य एकत्र, विश्लेषण और साझा करने के उपयुक्त तरीकों का उपयोग करके, अपनी संरक्षण शिक्षा में गुणवत्ता और प्रभावकारिता प्रदर्शित करने में सक्षम होना चाहिए। उन्हें, साक्ष्य-आधारित शोध के माध्यम से, प्रजातियों और प्राकृतिक दुनिया के प्रति दर्शकों के ज्ञान, दृष्टिकोण, और व्यवहार पर उनकी संरक्षण शिक्षा के प्रभावों को प्रदर्शित करने की आकांक्षा होनी चाहिए। ऐसा करने के लिए नियोजन, कार्यान्वयन और मूल्यांकन हेतु व्यवस्थित और रणनीतिक पद्धतियों की आवश्यकता होती है। इसमें उचित मात्रात्मक और गुणात्मक डेटा एकत्र करने के लिए सैद्धांतिक ढांचे, दृढ़ डिजाइन और मजबूत नमूना चयन तकनीकों का उपयोग करना शामिल है। इसे ऐसे परिणाम उत्पन्न करने के लिए डेटा के सावधानीपूर्वक विश्लेषण और संश्लेषण की आवश्यकता होती है जो चिड़ियाघरों और मछलीघरों में संरक्षण शिक्षा के कारण हुए सामूहिक प्रभावों, उपलब्धियों, लाभों और बदलावों को प्रदर्शित करने के लिए सार्थक रूप से उपयोग किए जा सकें।

चिड़ियाघर और मछलीघर को संरक्षण शिक्षा की रणनीतिक योजनाओं और ऑपरेशन्स में शोध (निगरानी, मूल्यांकन और सामाजिक शोध) को शामिल

केस स्टडी

ऑनसाइट संरक्षण शिक्षा आउटरीच कार्यक्रम वियतनामी समुदायों को प्राकृतिक दुनिया से जोड़ने में मदद करता है।

वैल्युइंग नेचर इन चाइल्डहुड कार्यक्रम वियतनाम में किंडरगार्टन के बच्चों के लिए पहला संरक्षण शिक्षा कार्यक्रम है। यह सेव वियतनाम वाइल्डलाइफ द्वारा संचालित कुक फुओंग नेशनल पार्क, निन्ह बिन्ह में होता है। यह कार्यक्रम प्रकृति के प्रति उनके प्रेम और प्रशंसा को बढ़ावा देने के लिए, प्री-स्कूलर्स, माता-पिता और शिक्षकों को स्थानीय जंगल और बचाए गए, अविश्वसनीय वन्यजीवों को जोड़ता है। 2019 तक, 236 एक दिवसीय प्रकृति विवेचन दौरे दिये गए की गई थीं, जिसमें 5897 बच्चें और 1078 वयस्क शामिल थे, जिनमें से कई चिड़ियाघर के दौरों को सक्षम करने में आर्थिक, पहुंच और सांस्कृतिक बाधाओं का सामना करते हैं। मूल्यांकन पूर्व और बाद की प्रश्नावली के माध्यम से किया गया था और इसमें प्रतिभागियों की जागरूकता, ज्ञान और प्रकृति संरक्षण के प्रति दृष्टिकोणों में सकारात्मक बदलाव दिखा था। उदाहरण के लिए, दौरे से पहले केवल 18: की तुलना में कार्यक्रम के बाद 80: बच्चों ने पैंगोलिन की सही पहचान की। इसके अतिरिक्त, 95: बच्चों ने प्रकृति और वन्य जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण और व्यवहारिक इरादे दिखाए। वियतनाम में इस कार्यक्रम का समर्थन और विस्तार करने के लिए कार्यक्रम में रणनीतिक रूप से स्थानीय समुदायों, धर्मार्थ संगठनों, सरकारी और निजी क्षेत्रों को भी शामिल किया गया था।

सेव वियतनाम के वन्यजीव शिक्षक ने स्थानीय प्री-स्कूलर्स, माता-पिता और शिक्षकों को होई एन से मिलवाया, जो यात्रा के दौरान शिक्षा केंद्र में एक अप्रकाशित बिंटुरॉन्ग (आर्क्टिटिस बिंटुरोंग) है। © फुओंग थी थू वु/ वियतनाम के वन्यजीवों को बचाएं

करने का प्रयास करना चाहिए। यह व्यवस्थित पद्धति उनके दर्शकों और व्यापक दुनिया पर उनके संरक्षण शिक्षा के असरों और प्रभावों की श्रृंखला को प्रदर्शित करने में मदद करेगी। इसके अतिरिक्त, परिणाम संरक्षण शिक्षा की गुणवत्ता और प्रभावकारिता को प्रभावित करने और सुधारने के लिए हो सकते हैं।

नियोजन

नियोजन प्रभावी निगरानी, मूल्यांकन और सामाजिक शोध प्रथा का एक अभिन्न अंग है। किसी संरक्षण शिक्षा कार्यक्रम या गतिविधि के लिए योजनाएं बनाते समय, बदलाव मार्गों में स्पष्ट और मापने योग्य उद्देश्य और परिणाम तैयार किये जाने चाहिए। ये प्रत्याशित बदलावों का वर्णन करने और उन उपकरणों की पहचान करने में मदद करते हैं जो अपेक्षित और अनपेक्षित परिणामों को मापने में मदद कर सकते हैं। डिलिवरी और मूल्यांकन चरणों को एकीकृत करने का अर्थ है कि निगरानी नियमित रूप से की जा सकती है। सहमत संकेतकों के खिलाफ डेटा एकत्र किया जा सकता हैय और प्रभावों को मापने और सुधार के सुझाव देने के लिए मूल्यांकन का उपयोग किया जा सकता है। उन शोध प्रश्नों को संबोधित करने के लिए केंद्रित सामाजिक शोध नियोजित किया जा सकता है जिन्हें योजना में एकीकृत किया जाता है।

रणनीतिक नियोजन पद्धति के भाग के रूप में, चिड़ियाघरों और मछलीघरों को भविष्य-केंद्रित सामाजिक शोध एजेंडा बनाने का उद्देश्य रखना चाहिए। यह संबंधित शोध प्रश्नों के साथ प्रमुख संरक्षण शिक्षा विषयों को विशिष्ट रूप से दर्शाएगा। यह चिड़ियाघरों और मछलीघरों, और साथ-साथ बाहरी शोध भागीदारों की, निगरानी, शोध और मूल्यांकन के लिए भविष्य के दायरे, प्राथमिकताओं, दर्शकों और इनर्सेक्शन्स की स्पष्ट समझ पाने में मदद करता है।

शोध विषयों और प्रश्नों के इस रोडमैप के होने से उन संगठनों के सामूहिक योगदान की कल्पना करने में मदद मिलती है जो चिड़ियाघर और मछलीघर में संरक्षण शिक्षा के मूल्य और प्रभाव के साक्ष्य को सुदृढ़ करते हैं।

केस स्टडी

एक सामाजिक विज्ञान शोध एजेंडा बनाना – चिड़ियाघरों और मछलीघरों का संघ (AZA)

AZA 2020 सामाजिक विज्ञान शोध एजेंडा में पांच प्रमुख शोध प्रश्न, जुड़े हुए उप-प्रश्न, और कार्यान्वयन रणनीतियों के साथ एक कार्य योजना शामिल है। बदलते सामाजिक माहौल और ध्यान देने के लिए उभरते मुद्दों को संबोधित करते हुए चिड़ियाघरों और मछलीघर में सामाजिक विज्ञान शोध के लिए **2010** ढांचे के कार्य का एजेंडा तैयार करता है। इस एजेंडा को, कई महीनों के दौरान चिकित्सकों, शिक्षाविदों और शोध कर्ताओं के एक क्रॉस-सेक्शन को शामिल करते हुए, एक पुनरावृत्त प्रक्रिया के माध्यम से बनाया गया था। यह प्रभाव को परिभाषित करने (और प्रदर्शित करने), समाज में उनकी भूमिका को समझने, संरक्षण लक्ष्यों को सफलतापूर्वक पूरा करने और अंततः मिशन पर सफल होने की **AZA** सदस्यों की कोशिश में उनका मार्गदर्शन करने हेतु एक कम्पास के रूप में काम करता है। हालांकि एजेंडा **AZA** सदस्यों के लिए तैयार किया गया था, ये प्रश्न विश्व स्तर पर प्रयोज्य हैं, और अन्य क्षेत्रों के चिड़ियाघरों और मछलीघरों को भी इन शोध अध्ययनों और इनके निष्कर्षों से लाभ होगा।

प्रमुख शोध प्रश्न

1. चिड़ियाघर और मछलीघर अपने आंतरिक ऑपरेशन्स, संस्कृति और संचार पर गंभीर चिन्तन के माध्यम से एक अधिक न्यायसंगत समाज बनाने में कैसे मदद कर सकते हैं? चिड़ियाघर और मछलीघर की विविधता, इक्विटी, पहुंच और समावेशन **(DEAI)** प्रयास इसका समर्थन कैसे कर सकते हैं?
2. पर्यावरणीय और सामाजिक न्याय के लिए प्रयास करने के संदर्भ में सहित, समुदायों में चिड़ियाघरों और मछलीघरों की क्या भूमिका है?
3. संरक्षण की ओर सामाजिक बदलाव में योगदान देने में चिड़ियाघरों और मछलीघर की क्या भूमिका है?
4. किसी व्यक्ति की बौद्धिक, सामाजिक-भावनात्मक और शारीरिक सेहत के विकास में योगदान देने में चिड़ियाघरों और मछलीघरों की क्या भूमिका है?
5. चिड़ियाघर और मछलीघर संरक्षण पर अपने प्रणालीगत प्रभाव को अधिकतम कैसे कर सकते हैं?

बदलाव को मापना

अधिकतर संरक्षण शिक्षा का उद्देश्य जैव विविधता संरक्षण परिणामों का समर्थन करने के लिए दर्शकों में सामाजिक बदलावों को उत्प्रेरित करना होता है। इनमें ज्ञान और समझ, दृष्टिकोण और मूल्यों, कार्यों और व्यवहारों, और व्यावहारिक, वैज्ञानिक और व्यक्तिगत कौशल में बदलाव शामिल हैं, लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं हैं। यह देखते हुए कि चिड़ियाघर और मछलीघर जटिल शिक्षण स्थान होते हैं, ऐसे शोध को, जो इन वास्तविक दुनिया के संदर्भों में बदलावों को मापता है, करने के लिए एक व्यावहारिक लेकिन कठोर पद्धति होनी चाहिए। लोग प्रजातियों और प्राकृतिक दुनिया के बारे में अनुभवों के एक जटिल नक्षत्र से सीखते हैं। प्रत्येक व्यक्ति में, प्राकृतिक दुनिया के बारे में वे कैसे सोचता है, महसूस करता है और कार्य करता है, इसका एक अनोखा ष्संरक्षण नक्षत्रष होता है। यह शिक्षण अनुभवों से बना होता है। औपचारिक शिक्षा और प्रशिक्षणय परिवार, दोस्तों और साथियों के माध्यम से सीखनाय मीडिया के माध्यम से सीखनाय रोजमर्रा के शिक्षण के माध्यम सेय और अनौपचारिक शिक्षण वातावरणों, जैसे कि चिड़ियाघर और मछलीघर। प्रजातियों और प्राकृतिक दुनिया के बारे में शिक्षण आजीवन चलता रहता है और जैसे-जैसे लोग अपने संरक्षण नक्षत्र के भीतर नए संदर्भ बिंदु बनाते हैं, समय के साथ बदल रहता है।

इस जटिल नेटवर्क के उत्तर में, चिड़ियाघर और मछलीघर नियंत्रित या नियोजित संरक्षण शिक्षा हस्तक्षेपों के बीच स्पष्ट, कारणात्मक लिंक्स पहचानने के प्रयास से दूर जा सकते हैं। दर्शक प्रजातियों और प्राकृतिक दुनिया के बारे में क्या सोचते हैं, महसूस करते हैं और कार्य करते हैं इसमें उनको प्रेरित और प्रभावित करने वाले ढेर सारे अनुभवों के कारण, इस वास्तविक दुनिया की परिस्थिति में अधिकार की स्पष्ट रेखाएं स्थापित करना चुनौतीपूर्ण है। सामाजिक शोध को शामिल करना, जो - केवल एट्रिब्यूशनल प्रभावों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय - योगदान और प्रभावों का पता लगाने पर केंद्रित है, चिड़ियाघरों और मछलीघरों की अपने शोध और मूल्यांकन में और ज्यादा खुला, तटस्थ और खोजपूर्ण रुख अपनाने में मदद करता है।

केस स्टडी

SAAMBR में पेंगुइन वादेः "हमें आपका पैसा नहीं चाहिए, हमें आपका प्यार चाहिए।"

उशाका सी वर्ल्ड, डरबन दक्षिण अफ्रीका का एक आगंतुक पूरा कर रहा है एक पेंगुइन वादा पोस्टकार्ड। © साम्ब्रे

SAAMBR आगंतुकों को उनके दौरे के बाद पर्यावरणीय रूप से जिम्मेदार निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। उन्होंने आगंतुकों को घर पर पर्यावरणीय रूप से जिम्मेदार व्यवहार करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु एक व्यवहार बदलाव अभियान तैयार किया। यूशाका सी वर्ल्ड, डरबन, दक्षिण अफ्रीका के आगंतुकों को ष्पेंगुइन से एक वादा करनेष के लिए प्रोत्साहित किया गया। एक आगंतुक का वादा, पर्यावरणीय रूप से अधिक जिम्मेदार बनने के लिए अपने दैनिक जीवन में एक बदलाव लाने की उनकी प्रतिबद्ध ता है। आगंतुकों ने पोस्टकार्ड पर हाथ से अपना वादा लिखा और इसे ऑनसाइट पोस्ट किया। शोध ने इस अभियान की प्रभावकारिता का प्रमाण प्रदान किया। पोस्टकार्ड पूरा करने वाले आगंतुकों से उनके दौरे के एक साल या उससे अधिक समय बाद संपर्क किया गया। परिणाम (एन=316) ने दिखाया कि **49.9**: उत्तरदाता किसी ऐसी सकारात्मक चीज का उदाहरण दे पाए जो उन्होंने पर्यावरण के लिए की थी, जिसका श्रेय उन्होंने अभियान को दिया। शोध से पता चला कि आगंतुकों को वादे करने और अपना वादा निभाने के लिए किस चीज ने प्रोत्साहित किया। इन महत्वपूर्ण सिद्धांतों को चिड़ियाघरों और मछलीघरों के भावी पर्यावरण व्यवहार बदलाव अभियानों के डिजाइन में ध्यान में रखा जाना चाहिए।

चिड़ियाघरों और मछलीघरों के संरक्षण शिक्षा मूल्य प्रदर्शित करना

विभिन्न प्रकार के शोधों (निगरानी, मूल्यांकन और सामाजिक शोध) के माध्यम से, चिड़ियाघर और मछलीघर अपने दर्शकों के बारे में और समझ सकते हैं। वे, लोग प्राकृतिक दुनिया के बारे में क्या सोचते हैं, महसूस करते हैं और कार्य करते हैं, इस पर उनकी संरक्षण शिक्षा के प्रभावों के बारे में भी और समझ सकते हैं। चिड़ियाघरों और मछलीघरों के लिए संरक्षण शिक्षा के मूल्य के प्रमाण को मजबूत करना आवश्यक है।

साक्ष्य यह प्रदर्शित करने में मदद कर सकते हैं कि, व्यक्तिगत रूप से, चिड़ियाघर और मछलीघर कैसे अपने मिशन और परिकल्पना को पूरा करते हैं, और भविष्य की संरक्षण शिक्षा गतिविधियों और संबंधित शोध को आगे बढ़ाने और मार्गदर्शित करने में मदद करता हैं। यह फंडिंग और समर्थन का लाभ उठाने में भी मदद करता है, और दुनिया भर के चिड़ियाघरों और मछलीघरों की संरक्षण शिक्षा के सामूहिक प्रभाव आगे प्रदर्शित करता है।

पद्धतियां और विधियां

संरक्षण शिक्षा की निगरानी, मूल्यांकन और शोध के लिए कई पद्धतियों और विधियों का उपयोग किया जा सकता है। इन सभी पद्धतियों का विस्तार से पता लगाना इस रणनीति के दायरे से बाहर है। मूल रूप से, चिड़ियाघरों और मछलीघरों को उपलब्ध पद्धतियों और विधियों के प्रकारों को समझने का प्रयास करना चाहिए। यह उनकी संरक्षण शिक्षा की गुणवत्ता और प्रभावकारिता के परीक्षण, अन्वेषण और मापन के लिए सही उपकरण चुनने, विकसित करने और लागू करने पर निर्णय लेने में मदद करेगा।

निगरानी, मूल्यांकन और सामाजिक शोध परियोजनाएं डिजाइन करने में निर्णय लेना और स्पष्ट और कठोर तर्गसंगतता के साथ उनका समर्थन करना शामिल है। सर्वेक्षण, प्रश्नावली, प्रमुख मुखबिर साक्षात्कार, चित्रों और अवलोकनों सहित एकल या मिश्रित-विधि पद्धतियों का उपयोग करके गुणात्मक औरध्या मात्रात्मक डेटा एकत्र करने के विभिन्न तरीके हैं। शोध प्रश्नों के उत्तर देने के लिए किस प्रकार की नमूना तकनीक का उपयोग करना है और कैसे डेटा एकत्र करना है, यह तय करना एक महत्वपूर्ण कदम है, जैसे लक्षित दर्शक निर्धारित करना है। क्या यह शोध एक परिकल्पना का परीक्षण कर रहा है, या कोई अधिक आधारभूत खोजपूर्ण पद्धति अपना रहा है? क्या यह तात्कालिक, अल्पकालिक या दीर्घकालिक प्रभावों को मापने की कोशिश कर रहा है?

निगरानी पूरे संरक्षण शिक्षा कार्यक्रम के दौरान हो सकती है। उपयोग किए जा रहे मूल्यांकन प्रकार के आधार पर, मूल्यांकन संरक्षण शिक्षा गतिविधि के कई चरणों में हो सकता है। इनमें रचनात्मक, योगात्मक, प्रक्रिया, परिणाम और प्रभाव मूल्यांकन शामिल हैं। ये मूल्यांकन पद्धतियां कई प्रकार की संरक्षण शिक्षा के बारे में विभिन्न प्रश्नों के उत्तर देने के लिए अलग-अलग डेटा प्रदान कर सकती हैं। केंद्रित शोध डेटा संग्रह प्रश्नों और चयनित पद्धति को रेखांकित करने वाले सिद्धांत दोनों पर निर्भर करता है। एक बार डेटा एकत्र हो जाने के बाद, डेटा का विश्लेषण, और परिणामों को उत्पाद रिपोर्ट या प्रकाशन में संश्लेषित कैसे किया जाएगा इसके बारे में निर्णय लेने की आवश्यकता होती है। अंत में, उपयोग और उपयोगिता, जिसका अर्थ है कि संगठन शोध या मूल्यांकन के निकले परिणामों का उपयोग और उसकी प्रतिक्रिया कैसे देती है, शोध प्रक्रिया जितने ही महत्वपूर्ण होते हैं। चिड़ियाघरों और मछलीघर को उनकी निगरानी, शोध और मूल्यांकन से निकाले गए निष्कर्षों के परिणामस्वरूप उनकी संरक्षण शिक्षा प्रथाओं में सुधार, संशोधन या बदलाव करने के लिए तैयार होना चाहिए।

प्रकृति को फिर से खोजना - अटलांटिक फ़्रेस्ट से गुज़रना।
© पाउलो गिल साओ पाउलो जू

केस स्टडी

सामाजिक शोधः संरक्षण व्यवहार बदलाव कार्यक्रमों को अधिकतम लाभ उठाना और मापना

यह सुनिश्चित करने के लिए कि उनके व्यवहार बदलाव कार्यक्रम प्रभावी हैं, जूज विक्टोरिया, ऑस्ट्रेलिया, सामाजिक शोध को विकास और कार्यान्वयन चरणों में शामिल करता है। विश्वविद्यालय भागीदारों के साथ काम करने से इस शोध को करने की क्षमता बढ़ जाती है। सेफ कैट, सेफ वाइल्डलाइफ प्रोग्राम के लिए, जो बिल्ली मालिकों को अपनी बिल्लियों को पूरी तरह से समाहित रखने के लिए प्रोत्साहित करता है, जूज विक्टोरिया ने बिल्ली को समाहित रखने के पीछे की उनकी प्रेरणा और विश्वासों को समझने हेतु बिल्ली मालिकों का सर्वेक्षण करने के लिए एक विश्वविद्यालय के छात्र के साथ मिलकर काम किया। इससे अभियान के वर्णन को आकार देने और कॉल टू एक्शन में बिल्ली मालिकों को शामिल करने वाली सामग्री बनाने में मदद मिली। इन कार्यक्रमों का मूल्यांकन करना उनके प्रभाव को समझने के लिए महत्वपूर्ण है। वेन बलून्स फ्लाए **(WBF)** कार्यक्रम, जिसका उद्देश्य गुब्बारे के अपशिष्ट से होने वाले प्रदूषण को कम करना था, के लिए पहले-बाद-नियंत्रण-हस्तक्षेप मूल्यांकन का उपयोग किया गया था। **WBF** शुरू होने से पहले और बाद में चिड़ियाघर के आगंतुकों (हस्तक्षेप समूह) और व्यापक समुदाय (नियंत्रण समूह) का सर्वेक्षण करके वे संदेश के संपर्क में आने वाले लोगों के नजरिये और व्यवहार पर **WBF** के सकारात्मक प्रभाव को मापने में सक्षम हो पाए थे।

सेफ कैट, सेफ वाइल्डलाइफ प्रोग्राम बिल्ली मालिकों को उनकी पालतू बिल्लियों को रखने में मदद करता है, उन्हें और हमारे मूल वन्यजीवों को सुरक्षित रखता है। © चिड़ियाघर विक्टोरिया

मेलबर्न चिड़ियाघर में बुलबुले के साथ ऑस्ट्रेलियाई लिटिल पेंगुइन (यूडिप्टुला माइनर)।
© जेम्मा ऑर्टलिप, चिड़ियाघर विक्टोरिया

नैतिकता

किए गए शोध के प्रकार की परवाह किये बिना, डेटा संग्रह शुरू करने से पहले सभी नैतिक प्रभावों पर विचार करना आवश्यक है। उनकी संरक्षण शिक्षा योजना के हिस्से के रूप में, संगठनों के पास एक शासन ढांचा तैयार होना चाहिए। इसमें लोगों को शामिल करने वाली सभी शोध परियोजनाओं के लिए नैतिक सिद्धांतों और व्यवस्थित समीक्षा प्रक्रियाओं का एक सेट शामिल होना चाहिए। सावधान परियोजना नियोजन, लोगों को उनके अधिकारों के बारे में सूचित करके और शोध में उनकी भूमिका और डेटा के बारे में पहले से स्पष्ट जानकारी देकर नुकसान के जोखिम को कम से कम किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, चिड़ियाघरों और मछलीघरों को, जहाँ आवश्यक हो, सूचित सहमति प्राप्त करनी चाहिए, गोपनीयता बनाए रखनी चाहिए, धोखा देने से बचना चाहिए, बाद में प्रश्न-उत्तर करना चाहिए, और अपने सभी सामाजिक शोध और मूल्यांकन प्रथाओं में "कोई हानि न पहुंचाए" नीति को अपनाना चाहिए।

चुनौतियाँ

चिड़ियाघरों और मछलीघरों में सामाजिक शोध और मूल्यांकन के लिए कई चुनौतियाँ हैं। चिड़ियाघर और मछलीघर के सामने आने वाली मुख्य चुनौतियों में से एक है निगरानी, सामाजिक शोध और मूल्यांकन के लिए व्यवस्थित प्रक्रियाओं को डिजाइन और कार्यान्वित करने के तरीके पर ज्ञान, कौशल और आत्मविश्वास की अक्सर मूलभूत कमी। संरक्षण शिक्षा के प्रभावों के प्रकारों और मूल्य को प्रदर्शित करने के लिए चिड़ियाघरों और मछलीघरों में सामाजिक शोध और मूल्यांकन को कैसे वित्त पोषित, संचालित और समर्थित किया जाता है इसमें महत्वपूर्ण बदलावों की आवश्यकता है। ऐसा करने के लिए, पूरे संगठन में मूल्यांकन और शोध प्रथाओं का समर्थन करने के लिए क्षमता निर्माण में निवेश करने के लिए उच्च-स्तरीय प्रतिबद्धताओं की आवश्यकता है। चिड़ियाघरों और मछलीघरों को वास्तव में, लोग प्रजातियों और प्राकृतिक दुनिया के बारे में क्या सोचते हैं, महसूस करते हैं और कार्य करते हैं इसमें उनके व्यक्तिगत और सामूहिक योगदान को प्रदर्शित करने का प्रयास करना चाहिए। ऐसा करने के लिए, गुणवत्ता प्रणालीगत शोध प्रथाओं का महत्व और आवश्यकता भविष्य की प्राथमिकता होनी चाहिए। इसे बेहतर सहयोग और समन्वय से हासिल किया जा सकता है, जिसमें ज्ञान, संसाधन, रिपोर्ट, शोध उपकरण साझा करना और सफलताओं के साथ-साथ, जहां पद्धतियां अपेक्षित रूप से काम नहीं कर पाईं, वहां की रिपोर्ट करना शामिल है। अंतर-संगठनात्मक प्रशिक्षण, सहयोगी बहु-संस्थागत परियोजनाओं और अनुदैर्ध्य अध्ययनों के लिए अधिक प्रतिबद्धताओं को निगरानी, मूल्यांकन और सामाजिक शोध में विश्व स्तर पर चिड़ियाघरों और मछलीघरों की सामूहिक क्षमताओं को बेहतर करने में उनकी मदद करनी चाहिए। अन्य चिड़ियाघरों और मछलीघरों के साथ मिलकर काम करने के अलावा, संगठनों को प्रासंगिक गैर-लाभकारी संगठनों, विशेषज्ञ शोधकर्ताओं और शैक्षणिक संस्थानों के साथ भागीदारी करनी चाहिए।

ग्रंथसूची

एजेन, आई. (1985)
फ्रॉम इंटेशन्स टू एक्शन्सः अ थ्योरी ऑफ प्लैन्ड बिहेवियर. इन एक्शन कंट्रोल (पीपी. 11-39): स्प्रिंगर।

आर्डोइन, एन. एम., बावर्स, ए. डब्लू., एंड गेल्लार्ड, ई. (2020)
एनवायर्नमेंटल एजुकेशन आउटकम्स फॉर कन्जर्वेशनः ए सिस्टेमेटिक रिव्यु. बायोलॉजिकल कन्सेर्वेशन, 241

आर्मस्ट्रांग, ए. के., क्रैसनी, एम. ई., एंड शल्ड, जे. पी. (2018)
कम्युनिकेटिंग क्लाइमेट चेंजः अ गाइड फॉर एडुकेटर्स. कर्नस्टॉक पब्लिशिंग एसोसिएट्स

बैलनटाइन, आर., एंड पैकर, जे. (2005)
प्रमोटिंग एनवीरोंमेन्टली सस्टेनेबल एटीटयुड्सएंड बेहेवियर थ फ्री.चॉइस लार्निंग एक्सपिरिएंसिजः व्हाट इस द स्टेट ऑफ द गेम? एनवायर्नमेंटल एजुकेशन रिसर्च, 11(3), 281-295

बैलनटाइन, आर., एंड पैकर, जे. (2016)
विजिटर्स पर्सेप्शन्स ऑफ द कन्जर्वेशन एजुकेशन रोल ऑफ जूज एंड एक्वेरियम्सः इम्प्लिकेशन्स फॉर द प्रोविजन्स ऑफ लर्निंग एक्सपिरिएंसिज. विजिटर स्टडीज, 19(2), 193-210

बैलनटाइन, आर., पैकर, जे. ह्युग्स, के., एंड डैर्किंग, एल. (2007)
कन्जर्वेशन लर्निंग इन वाइल्डलाइफ टूरिज्म सेटिंग्सः लेसंस फ्रॉम रिसर्च इन जूज एंड एक्वेरियम्स. एनवायर्नमेंटल एजुकेशन रिसर्च, 13(3), 367-383

बल्लार्ड, एच. एल., रॉबिंसन, एल. डी., यंग, ए. एन., पॉली, जी. बी., हिग्गिन्स, एल. एम., जॉनसन, आर. एफ., एंड ट्वटल, जे. सी. (2017)
कंट्रिब्यूशंस टू कन्जर्वेशन आउटकम्स बाए नेचुरल हिस्ट्री म्यूजियम-लेड सिटीजन साइंसः एक्सैमिनिंग एविडेंस एंड नेक्स्ट स्टेप्स. बायोलॉजिकल कन्जर्वेशन, 208, 87-97.

बारोंगी, आर., फिस्केन, एफ. ए., पार्कर, एम., एंड गजेट, एम. (2015)
कमिटिंग टू कन्जर्वेशनः द वर्ल्ड जू एंड एक्वेरियम कन्जर्वेशन स्ट्रेटेजी. ग्लैंड, स्विट्जरलैंडः **WAZA** एग्जिक्यूटिव ऑफिस.

बेचटेल, आर. बी., एंड चर्चमेन, ए. (एड्स.). (2002)
हैंडबुक ऑफ एनवायर्नमेंटल साइकोलॉजी. न्यू यॉर्कः जॉन वाइली एंड संस इन्क

बेल, पी. लेविनस्टन, बी., शाउज, ए एंड फेडर, एम. (एड्स.). (2009)
लर्निंग साइंस इन इनफॉरमल एनवायरमेंटः पीपल, प्लेसिस एंड परस्यूट्स. वॉशिंगटन डीसीः नेशनल एकेडमिक प्रेस

बिकफोर्ड, डी., पोजा, एम. आर. सी., की, एल., कैंपोस-आरसीज, ए., एंड कुडावीडानेज, ई. पी. (2012)
साइंस कम्युनिकेशन फॉर बायोडायवर्सिटी कन्जर्वेशन. बायोलॉजिकल कन्जर्वेशन, 151(1), 74-76

ब्लैकमोर, ई., अंडरहिल, आर., मेककिलकिन, जे., लीच, आर., एंड होम्स, टी. (2013)
कॉमन कॉज फॉर नेचरः अ प्रैक्टिकल गाइड टू वैल्यूज एंड फ्रेम्स इन कन्जर्वेशन. पब्लिक इंटरेस्ट रिसर्च सेंटर.

ब्रैग, आर., और एटकिंस, जी. (2016)
अ रिव्यू ऑफ नेचर-बेस्ड इंटरवेंशन्स फॉर मेंटल हेल्थ केयर. नेचुरल इंग्लैंड कमिशन्ड रिपोर्ट, 204

ब्रॉस, जे., एडी, जे., आर्डोइन, एन., कोलमैन, जे., फोर्ड, एम., ग्रिम, के., हेमलिच, जे., हॉपकिंस, एम., जेपसेन, जी., मान, एल., मेरिक, सी., मिलर, एफ., पेटी, बी., और स्लेविन जेड. (एड्स.) (2011)
टूल्स ऑफ इंगेजमेंटः ए टूलकिट फॉर इंगेजिंग पीपल इन कन्जर्वेशन. नेशनल ऑडूबॉन सोसाइटी

ब्रॉड, एस., स्मिथ, एल., और वीलर, बी. (2008)
क्लोजर एग्जामिनेशन ऑफ द इंपैक्ट ऑफ विजिट्स ऑन विजिटर बिहेवियर. जनरल ऑफ सस्टेनेबल टूरिज्म 16(5) 544-562

ब्रसार्ड, पी. एफ., और टुल, जे. सी. (2007)
कन्जर्वेशन बायोलॉजी एंड फॉर टाइप्स ऑफ एडवोकेसी. कन्जर्वेशन बायोलॉजी, 12(1), 21-24

बायर्स, ओ., लीज, सी., विल्केन, जे., और श्विट्जर, सी. (2013)
द वन प्लान अप्रोचः द फिलॉसफी एंड इंप्लीमेंटेशन ऑफ सीबीएसजी अप्रोच टू इंटीग्रेटेड स्पीशीज कन्जर्वेशन प्लानिंग.**WAZA** मैगजीन, 14, 2-5

सेवॉबलोज, जी., एहर्लिच, पी. आर., और डिर्जो, आर. (2017)
बायोलॉजिकल एनीहिलेशन वाय द ओंगोइंग 6जी मास एक्सटिंक्शन सिग्नल्ड बाए वर्टीब्रेट पापुलेशन लॉसेस एंड डिक्लाइन्स. प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस

चार्ल्स, सी., कीनलेसाइड, के., चौपल, आर., किलबर्न, बी., सैलाह वैन डर लीस्ट, पी., एलन, डी., रिचर्डसन, एम., गिउस्टी, एम., फ्रैंकलिन, एल., हाब्री, एम. और विल्सन, आर. (2018)
होम टू अस ऑलः हाउ कनेक्टिंग विद नेचर हेल्प्स अस केयर फॉर आरसेफ्ल्स एंड द अर्थ, आईयूसीएन

चावला, एल., (2007)
चाइल्डहुड एक्सपीरियंस एसोसिएटेड विद केयर फॉर द नेचुरल वर्ल्डः अ थियोरेटिकल फ्रेमवर्क फॉर एंपायरिकल रिजल्ट्स

चावला, एल., (2009)
ग्रोइंग अप ग्रीनः बिकमिंग ऐन एजेंट ऑफ केयर फॉर द नेचुरल वर्ल्ड. द जर्नल ऑफ डेवलपमेंटल प्रोसेसिस, 4(1), 6-23

चावला, एल., (2015)
बेनिफिट्स ऑफ नेचर कॉन्टैक्ट फॉर चिल्ड्रन, जर्नल ऑफ प्लानिंग लिटरेचर 30(4) 433-452

क्लाविजो, के., और खलील, के. (2020)
प्रैक्टिकल इवैल्यूएशन फॉर कन्जर्वेशन एजुकेशन - एसेसिंग इंपैक्ट्स एंड एनहैनसिंग इफेक्टिवनेस. लैनहम, मैरीलैंडः रॉमन एंड लिटिलफील्ड

क्लेटन, एस., और डक, ए. (2005)
कैन साइकोलॉजी हेल्प सेव द वर्ल्ड? अ मॉडल फॉर कन्जर्वेशन साइकोलॉजी. एनालाइज ऑफ सोशल इशूज एंड पब्लिक पॉलिसी 5(1), 87-102

क्लेटन, एस., फ्रेजर, जे., और बर्गेस, सी. (2011)
द रोल ऑफ जूज इन फस्टरिंग एनवायर्मेंटल आईडेंटिटी. इकोसाइकोलॉजी, 3(2), 87-96

क्लेटन, एस., फ्रेजर, जे., और सॉन्डर्स, सी. डी. (2009)
जूज एक्सपिरियन्सिसः कन्जर्वेशन्स, कनेक्शन्स एंड कंसर्न फॉर एनिमल्स. जूज बायोलॉजी 28(5) 377-397

क्लेटन, एस., और मायर्स, जी. (2015)
कन्जर्वेशन साइकोलॉजीः अंडरस्टैंडिंग एंड प्रमोटिंग ह्यूमन केयर फॉर नेचरः जॉन वाइली एंड संस

क्लेटन, एस., प्रेवो, ए.सी., जर्मेन, एल., और सेंट.जाल्मे, एम. (2017)
पब्लिक सपोर्ट फॉर बायोडायवर्सिटी आफ्टर अ जू विजिटः एनवायरमेंटल कंसर्न, कन्जर्वेशन नॉलेज एंड सेल्फ.एफीकेसी क्यूरेटरः द म्यूजियम जर्नल 60(1), 87-100

कोए, जे.सी. (1987)
व्हाट्स द मीनिंग? एक्जीबिट डिजाइन फॉर एजुकेशन. पेपर **AAZPA** नॉर्थ ईस्टर्न रीजनल कॉन्फ्रेंस प्रोसीडिंग्स, व्हीलिंग, वेस्ट वर्जिनिया में प्रस्तुत किया गया

कोहेन, एल., मैनियन, एल., और मॉरिसन, के. (2013)
रिसर्च मेथड्स इन एजुकेशनः :टलेज

कोलिन्स, सी., कॉर्करी, आई., मैककिओन, एस., मैकस्वीनी, एल., फ्लैनेरी, के., कैनेडी, डी., और ओशरियोर्डन, आर. (2020)
ऐन एजुकेशनल इंटरवेंशन चिड़ियाघर या मछलीघर के विजिट के दौरान बच्चों के शिक्षण को अधिकतस कर देता है. द जर्नल ऑफ एनवायरमेंटल एजुकेशन

कंसोर्ट-मैकक्रिया, ए., फर्नांडीस, ए., बेनब्रिज, ए., मॉस, ए., प्रेवो, ए.-सी., क्लेटन, एस., ग्लिकमैन, जे.ए., जोहानसन, एम., लोपेज-बाओ, जे.वी., बाथ, ए.जे., फ्रैंक, बी. (2019)
लार्ज कार्नीवोर्स एंड जूज ऐज कैटालिस्ट्स फॉर इंगेजिंग द पब्लिक इन द प्रोटेक्शन ऑफ बायोडायवर्सिटी. नेशनल कन्जर्वेशन, 37, 133-150

कॉनवे, डब्ल्यू. जी. (1973)
हाउ टू एग्जिबिट ए बुलफ्रॉगः ए बेडटाइम स्टोरी फॉर जू मेन. इंटरनेशनल जू इयरबुक 13(1), 221-226

कॉर्बेट, जे.बी. (2006)
कम्युनिकेटिंग नेचरः हाउ वी क्रिएट एंड अंडरस्टैंड एनवायरनमेंटल मैसेजेसः आईलैंड प्रेस

कॉर्नेल, जे.बी. (2018)
डीप नेचर प्लेः ए गाइड टू होलनेस, अलाइवनेस, क्रिएटिविटी एंड इंस्पायर्ड लिर्निंग. क्रिस्टल क्लेरिटी पब्लिकेशन्स

काउंसल, जी., मून, ए., लिटिलहेल्स, सी., डक्स, एच., ब्रिज, ई., और मॉस, ए. (2020)
इवेलुएटिंग ऐन इन-स्कूल एजुकेशन प्रोग्रामः ऐन एनालिसिस ऑफ एटीटयूड्स एंड लर्निंगः

इवैल्यूएशन ऑफ जू एजुकेशन. जनरल ऑफ जू एंड एक्वेरियम रिसर्च 8(2), 99-106

क्रैकनेल, डी. (2019)
बाय द सीः थैरेपीयूटिक बेनिफिट्स ऑफ बींग इन, ऑन एंड बाय द वाटर. ऐस्टर

क्रेसवेल, जे. डब्ल्यू., और क्लार्क, वी. एल. पी. (2017)
डिजाइनिंग एंड कंडक्टिंग मिक्स्ड मेथड्स रिसर्च. सेज पब्लिकेशन्स

डेवी, जी. (2006)
विजिटर बिहेवियर इन जूजः अ रिव्यू. एनथ्रोजूज 19(2), 143-157

डॉसन, ई. (2014)
इक्विटी इन इनफॉरमल साइंस एजुकेशनः डेवलपिंग ऐन एक्सेस एंड इक्विटी फ्रेमवर्क फॉर साइंस म्यूजियम्स एंड साइंस सेंटर्स. स्टडीज इन साइंस एजुकेशन, 50(2), 209-247

डॉन, एन. बी (2013)
अपर सेकेंडरी स्टूडेंट्स सिचुएशनल इंटरेस्टः अ स्टडी ऑफ द रोल ऑफ अ जू विजिट इन अ बायोलॉजी क्लास. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एजुकेशन, 35(16), 2732-2751

डोव, टी. और बायरन, जे. (2014)
डू जू विजिटर्स नीड जूलॉजी नॉलेज टू अंडरस्टैंड कन्जर्वेशन मैसेजिज? ऐन एक्सप्लोरेशन ऑफ द पब्लिक अंडरस्टैंडिंग ऑफ एनिमल बायोलॉजी एंड ऑफ द कन्जर्वेशन आफ बायोडायवर्सिटी इन अ जू सेटिंग. इंटरनेशनल जर्नल आफ साइंस एजुकेशन, पार्ट बी, 4(4), 323-342

WAZA (2016)
WAZA कन्जर्वेशन एजुकेशन स्टैंडर्ड्स. WAZA एग्जीक्यूटिव ऑफिस

इलियट ए., हॉवेल टी.जे., मैकलियोड ई.एम., और बेनेट पी.सी. (2019)
परसेप्शन्स ऑफ रिस्पांसिबल कैट ओनरशिप बिहेवियर्स अमंग अ कन्वीनियन्स सैंपल ऑफ ऑस्ट्रेलियन्स, एनिमल्स 9:703

एमिली :टमैन एसोसिएट्स (2020)
द CARE कन्जर्वेशन इंगेजमेंट रोडमैप, सैन डियेगो जू ग्लोबल

एसन, एम., और मॉस, ए. (2016)
द चौलेंजिज ऑफ इवैलुएटिंग कन्जर्वेशन एजुकेशन अक्रॉस कल्चर्स. इंटरनेशनल जू ईयरबुक, 50(1), 61-67.

फॉक, जे.एच., रेनहार्ड, ई.एम., वर्नन, सी., ब्रोनेनकांत, के., हेमलिच, जे.ई., और डीन्स, एन.एल. (2007)
वाय जूज एंड एक्वेरियम्स मैटरः एसेसिंग द इंपैक्ट ऑफ अ विजिट टू अ जू और एक्वेरियमः एसोसिएशन ऑफ जूज एंड एक्वेरियम्स सिल्वर स्प्रिंग, एमडी

फॉक, जे.एच., और स्टॉर्क्सडीक, एम. (2010)
साइंस लर्निंग इन अ लेजर सेटिंग. जर्नल ऑफ रिसर्च इन साइंस टीचिंग, 47(2), 194-212

फॉक, जे.एच., और डियरकिंग, एल.डी. (2016)
द म्यूजियम एक्सपीरियंस रिविजिटेड. :टलेज.

फॉक, जे.एच., और डियरकिंग, एल.डी. (2018)
लर्निंग फ्रॉम म्यूजियम्स. रॉमन एंड लिटलफील्ड

फ्रेजर, जे., और सिकलर, जे. (2009)
मेजरिंग द कल्चरल इंपैक्ट ऑफ जूज एंड एक्वेरियम्स, इंटरनेशनल जू ईयरबुक, 43(1), 103-112.

गर्सी, ए. (2015)
स्टोरीटेलिंग फॉर अ ग्रीनर वर्ल्डः हॉथौर्न प्रेस

घिमिर, के.बी., और पिम्बर्ट, एम.पी. (2013)
सोशल चेंज एंड कन्जर्वेशन (वॉल. 16), लंदनः अर्थस्कैन

गिलस्पाए, के.एल., और मेलबर, एल.एम. (2016)
वॉकिंग द टाइट्रोप इन एजुकेशनल रिसर्च एंड इवैल्यूएशनः मेंटेनिंग अ स्ट्रांग रिसर्च एजेंडा वाइल अपहोल्डिंग रिसर्च एथिक्स वाया ऐन ऑनसाइट इंस्टीटयूशनल रिव्यू बोर्ड. इंटरनेशनल जू ईयरबुक, 50(1), 16-22

गोलमैन, डी., बेनेट, एल., और बार्लो, जेड. (2012)
ईकोलिट्रेटः हाउ एजुकेटर्स आर कल्टीवेटिंग इमोशनल, सोशल, एंड ईकोलॉजिकल इंटेलिजेंस. जॉन वाइली एंड संस

ग्राजल, ए., लुएबके, जे.एफ., और केली, एल.ए.डी. (2018)
वाए जूज हेव एनिमल्सः एक्सप्लोरिंग द कॉन्प्लेक्स पाथवे फ्रॉम एक्सपीरियंसिंग एनिमल्स टू प्रो-एनवायरमेंटल बिहेवियर्स. इन जे.एम.बी.ए. मिन्टीर, और जे.पी. कोलिन्स (एड्स.) (एड), द आर्क एंड बियौंडः द एवोल्यूशन ऑफ जू एंड एक्वेरियम कन्जर्वेशन (पीपी. 192-203) शिकागोः शिकागो यूनिवर्सिटी प्रेस

ग्रे, जे. (2017)
जू एथिक्सः द चौलेंजिज ऑफ कंपैशनेट कन्जर्वेशन. सीएसआईआरओ पब्लिशिंग.

गुप्ता, आर., फ्रेजर, जे., रैंक, एस.जे., ब्रकर, जे.एल., और फिलनर, के. (2019)
मल्टी-साइट केस स्टडीज अबाउट जू एंड एक्वेरियम विजिटर्स परसेप्शन्स ऑफ द एसटीईएम लर्निंग इकोलॉजी. विजिटर स्टडीज, 22(2), 127-146

गसेट, एम., और डिक, जी. (2011)
द ग्लोबल रीच ऑफ जूज एंड एक्वेरियम्स इन विजिटर नंबर्स एंड कन्जर्वेशन एक्सपेंडिचर्स. जू बायोलॉजी, 30(5), 566-569

गसेट, एम., और लोरी, आर. (एड्स.) (2014)
टुवर्ड्स इफेक्टिव एनवायरनमेंटल एजुकेशन. WAZA मैगजीन 15

हैरे, एन. (2018)
साइकोलॉजी फॉर अ बेटर वर्ल्डः वर्किंग विद पीपल टू सेव द प्लेनेटः ऑकलैंड यूनिवर्सिटी प्रेस

हेमलिच, जे.ई. (2010)
एनवायरमेंटल एजुकेशन इवैलुएशनः रीइंटरप्रिटिंग एजुकेशन ऐज अ स्ट्रेटजी फॉर मीटिंग मिशन. इवैलुएशन एंड प्रोग्राम प्लानिंग, 33(2), 180-185

हेस, डी., और डु प्लेसिस, सी. (2014)
डिजाइनिंग फॉर होपः पाथवेज टू रीजेनरेटिव सस्टेनेबिलिटीः :टलेज.

हॉवेल, टी.जे., मैकलियोड, ई.एम., और कोलमैन, जी.जे. (2019)
वेन जू विजिटर्स "कनेक्ट" विद अ जू एनिमल, व्हाट डस दैट मीन? जू बायोलॉजी, 38(6), 461-470

होय, डब्ल्यू.के., और मिस्केल, सी.जी. (2013)
एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशनः थ्योरी, रिसर्च, एंड प्रैक्टिस 9जी एडिशन. न्यूयॉर्क मैकग्रॉ-हिल

आईपीबीईएस. (2019)
ग्लोबल एसेसमेंट रिपोर्ट ऑन बायोडायवर्सिटी एंड ईकोसिस्टम सर्विसेज ऑफ द इंटरगवर्नमेंटल साइंस-पॉलिसी प्लेटफॉर्म ऑन बायोडायवर्सिटी एंड ईकोसिस्टम सर्विसेज. ई. एस. ब्रॉन्डिजियो, जे. सेटेल, एस. डियाज, और एच. टी. एनजीओ (संपादक). आईपीबीईएस सेक्रेटेरिएट, बॉन, जर्मनी

आईपीसीसी. (2019)
आईपीसीसी स्पेशल रिपोर्ट ऑन द ओशन एंड क्रायोस्फीयर इन द चेंजिंग क्लाइमेट ख्च.. ओ. पोर्टनर, डी.सी. रॉबर्ट्स, वी. मेसन-डेलमोट, पी. जाई, एम. टिग्नोर, ई. पोलोजांस्का, के. मिन्टेनबेक, ए. एलेग्रिया, एम. निकोलाई, ए. ओकेम, जे. पेटजोल्ड, बी. रामा, एन.एम. वेयर (एड्स.),

जेकबसन, एस., मैकडफ, एम., और मुनरो, एम. (2006)
कन्जर्वेशन एजुकेशन एंड आउटरीच टेक्निक्स (टेक्निक्स इन ईकोलॉजी एंड कन्जर्वेशन), ऑक्सफोर्डः ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस

जेकबसन, एस.के. (2009)
कम्युनिकेशन स्किल्स फॉर कन्जर्वेशन प्रोफेशनल्स. वाशिंगटन डीसीः आईलैंड प्रेस.

जारवेला, एस. (2011)
सोशल एंड इमोशनल ऐस्पेक्ट्स ऑफ लर्निंग. ऑक्सफोर्डः एल्सवियर

जेन्सेन, ई. (2014)
इवैलुएटिंग चिल्ड्रंस कन्जर्वेशन बायोलॉजी लर्निंग ऐट द जू. कन्जर्वेशन बायोलॉजी, 28(4), 1004-1011

जॉनसन, बी., थॉमस, एस., आर्डोइन, एन., और सॉन्डर्स, एम. (2016)
इन्वेस्टिगेटिंग द लॉंग-टर्म इफैक्ट्स ऑफ इनफॉर्मल साइंस लर्निंग ऐट जूज एंड एक्वेरियम्स.

केली, एल.ए.डी., लुएबके, जे.एफ., क्लेटन, एस., सॉन्डर्स, सी.डी., मतियासेक, जे., और ग्राजल, ए. (2014)
क्लाइमेट चेंज एटीटयूड्स ऑफ जू एंड एक्वेरियम विजिटर्स इंप्लीकेशन्स फॉर क्लाइमेट लिटरेसी एजुकेशन. जर्नल ऑफ जियोसाइंस एजुकेशन, 62(3), 502-510.

खलील, के., और आर्डोइन, एन. (2011)
प्रोग्रामैटिक इवैलुएशन इन एसोसिएशन ऑफ जूज एंड एक्वेरियम्स -अक्रेडिटिड जूज एंड एक्वेरियम्सः अ लिटरेचर रिव्यू. अप्लाइड एनवायरमेंटल एजुकेशन एंड कम्युनिकेशन, 10(3), 168-177

कोल, पी. (2017)
रिक्लेमिंग होप इन एक्सटिंक्शन स्टोरीटेलिंग. हेस्टिंग सेंटर रिपोर्ट, 47, S24&S29

क्रास्नी, एम.ई. (2020)
एडवांसिंग एनवायरमेंटल एजुकेशन प्रैक्टिस. यूनाइटेड स्टेट्सः कॉर्नेल यूनिवर्सिटी प्रेस.

लूव, आर. (2008)
लास्ट चाइल्ड इन द वुड्स. न्यू यॉर्कः अल्गोंक्विन बुक्स

लूव, आर. (2019)
आर वाइल्ड कॉलिंगः हाउ कनेक्टिंग विद एनिमल्स कैन ट्रांसफार्म आर लाइव्ज - एंड सेव दैर्ज़ः

अल्गोंक्विन बुक्स

मेलोन, के., और वेट, एस. (2016)
स्टूडेंट आउटकम्स एंड नेचुरल स्कूलिंगः पाथवेज फॉर्म एविडेंस टू इंपैक्ट रिपोर्ट 2016.

मैनफ्रेडो, एम.जे., उर्कीजा-हास, ई.जी., डॉन कार्लोस, ए.डब्ल्यू., ब्रस्कोटर, जे.टी., और डायरच, ए.एम. (2020)
हाउ एंथ्रोपोमॉरफिज्म इज चेंजिंग द सोशल कॉन्टेक्स्ट ऑफ मॉडर्न वाइल्डलाइफ कन्जर्वेशन. बायोलॉजिकल कन्जर्वेशन, 241

मैन.लैंग, जे.बी., बैलेंटाइन, आर., और पैकर, जे. (2016)
डज मोर एजुकेशन मीन लेस फन? अ कंपैरिजन ऑफ टू एनिमल प्रेजेंटेशन्स. इंटरनेशनल जू ईयरबुक, 50(1), 155-164

मैन.लैंग, जे.बी., बैलेंटाइन, आर., और पैकर, जे. (2019)
द रोल ऑफ एक्वेरियम्स एंड जूज इन इनकरेजिंग विजिटर कन्जर्वेशन एक्शन. इन रेफरेंस मॉडयूल इन अर्थ सिस्टम्स एंड एनवायरमेंटल साइंसिसः एल्सवियर

मार्टुसविक, आर. ए., एडमंडसन, जे., और लूपीनासी, जे., (2014)
इको-जस्टिस एजुकेशनः टूवर्ड डायवर्स, डेमोक्रेटिक, एंड सस्टेनेबल कम्युनिटीज. :टलेज.

मैटियासेक, जे., और लुएबके जे.एफ.,
मिशन, मैसेजिज एंड मेजर्सः इंगेजिंग जू एजुकेटर्स इन एनवायरमेंटल एजुकेशन प्रोग्राम इवैलुएशन. स्टडीज इन एजुकेशनल इवैलुएशन, 41, 77-84

मेयर, एफ.एस., और फ्रांत्ज, सी.एम. (2004)
द कनेक्टिडनेस टू नेचर स्केलः अ मेजर ऑफ इंडिविजुअल्स फीलिंग इन कम्युनिटी विद नेचर. जर्नल ऑफ एनवायरमेंटल साइकोलॉजी, 24(4), 503-515

मैकअफी, डी, डबलडे, जेड.ए., गीगर, एन., और कॉनेल, एस.डी. (2019)
एवरीवन लव्स अ सक्सेस स्टोरीः ऑप्टिमिजम इंस्पायर्स कन्जर्वेशन इंगेजमेंट. बायोसाइंस, 69(4), 274-281

मैकलियोड ई.एम., सैंडर्स बी., विल्सन एल. (2018)
ब्लोइंग बबल्स टू सेव सीबीर्डस य अ जू -बेस्ड कम्युनिटी कन्जर्वेशन प्रोग्राम इंटरनेशनल जू एजुकेटर्स एसोसिएशन जर्नल, 54

मैकेंजी-मोहर, डी. (2011)
फोस्टरिंग सस्टेनेबल बिहेवियर : एन इंट्रोडक्शन टू कम्युनिटी -बेस्ड सोशल मार्केटिंग. कनाडा : न्यू सोसाइटी पब्लिशर्स

मेलिश, एस., पियर्सन, ई.एल., मैकलियोड, ई.एम., टकी, एम.आर., और रयान, जे.सी.(2019)
व्हाट गोज उप मस्ट कम डाउन : एन इवैल्यूएशन ऑफ अ जू कन्जर्वेशन -एजुकेशन प्रोग्राम फॉर बैलून लिटर ऑन विजिटर अंडरस्टैंडिंग, एटीट्यूड, एंड बिहेवियर. जर्नल ऑफ सस्टेनेबल टूरिज्म, 27(9), 1393-1415

मेलिश, एस., रयान, जे. सी., पियर्सन, ई. एल., और टकी, एम. आर. (2019)
रिसर्च मेथड्स एंड रिपोर्टिंग प्रैक्टिसेज इन जू एंड एक्वेरियम कन्जर्वेशन -एजुकेशन इवैल्यूएशन. कन्जर्वेशन बायोलॉजी, 33(1), 40-52

मेलर, डी.जे., हंट, एस. और गसेट, एम. (सं.) (2015)
केयरिंग फॉर वाइल्डलाइफ : द वर्ल्ड जू एंड एक्वेरियम एनिमल वेलफेयर स्ट्रेटेजी. ग्लैंड, स्विट्जरलैंड : WAZA एग्जीक्यूटिव ऑफिस, 87 पीपी.

मोनी, पी.आर., और हेमलिच, जे.ई. (2008)
टॉकिंग टू विजिटर्स अबाउट कन्जर्वेशन : एक्सप्लोरिंग मैसेज कम्युनिकेशन : डोसेंट हविजिटर इंटरेक्शन्स एट जूस. विजिटर स्टडीज, 11(2), 151-162

मॉस, ए., और एसन, एम. (2010)
विजिटर इंटरेस्ट इन जू एनिमल्स एंड द इम्प्लिकेशन्स फॉर कलेक्शन प्लानिंग एंड जू एजुकेशन प्रोग्राम्स. जू बायोलॉजी, 29(6), 715-731

मॉस, ए., और एसन, एम. (2013)
द एजुकेशनल क्लेम्स ऑफ जूस : वेयर डू वी गो फ्रॉम हेयर ? जू बायोलॉजी, 32(1),

मॉस, ए., जेन्सेन, ई., और गूसेट, एम. (2014)
कन्जर्वेशन : जू विजिट्स बूस्ट बायोडायवर्सिटी लिट्रेसी. नेचर, 508(7495), 186-186

मॉस, ए., जेन्सेन, ई., और गुसेट, एम. (2015)
इवेलुएटिंग द कंट्रीब्यूशन ऑफ जूस एंड अक्वेरियम्स टू आइची बायोडायवर्सिटी टारगेट 1. कन्जर्वेशन बायोलॉजी, 29(2)

मॉस, ए.जी., और पाविट, बी. (2019)
असेसिंग द इफेक्ट ऑफ जू एक्सिबिट डिजाइन ऑन विजिटर इंगेजमेंट एंड एटीडयूड टुवर्ड कन्जर्वेशन. जर्नल ऑफ जू एंड एक्वेरियम रिसर्च, 7(4), 186-194

मॉस, एस.एम. (2012)
नेचुरल चाइल्डहुड. नेशनल ट्रस्ट, लंदन

मसूरी, टी. (2002)
ए कॉन्टेक्स्ट फॉर द डेवलपमेंट ऑफ लर्निंग आउटकम्स इन म्यूजियम्स, लाइब्रेरीज एंड आर्काइव्ज : रिसोर्स.

ओग्डेन, जे., और हेमलिच, जे.ई. (2009)
व्हाई फोकस ऑन जू एंड एक्वेरियम एजुकेशन ?. जू बायोलॉजी : पब्लिश्ड इन अफिलिएशन विद द अमेरिकन जू एंड एक्वेरियम एसोसिएशन, 28(5), 357-360

ऑर, डी. डब्ल्यू. (2004)
अर्थ इन माइन्ड : ऑन एजुकेशन, एनवायरन्मेंट, एंड द ह्यूमन प्रॉस्पेक्ट : आइलैंड प्रेस

पैकर, जे., और बैलेंटाइन, आर. (2010)
द रोल ऑफ जूस एंड अक्वेरियम्स इन एजुकेशन फॉर अ सस्टेनेबल फ्यूचर. न्यू डायरेक्शंस फॉर अडल्ट एंड कंटीन्यूइंग एजुकेशन, 2010(127), 25-34

पैट्रिक, पी.जी., मैथ्यूज, सी.ई., एयर्स, डी.एफ., और टयूनीक्लिफ, एस.डी. (2007)
कन्जर्वेशन एंड एजुकेशन : प्रोमिनेन्ट थीम्स इन जू मिशन स्टेटमेंट्स. जर्नल ऑफ एनवायर्न्मेंटल एजुकेशन, 38(3), 53-60

पीके, एस., इनेस, पी., और डायर, पी. (2009)
इकोटूरिज्म एंड कन्जर्वेशन : फैक्टर्स इन्फ्लुएंसिंग इफेक्टिव कन्जर्वेशन मेसेजेस. जर्नल ऑफ सस्टेनेबल टूरिज्म, 17(1), 107-127

पियर्सन, ई. एल., लोरी, आर., डोरियन, जे., और लिचफील्ड, सी. ए. (2014)
इवेलुएटिंग द कन्जर्वेशन इम्पैक्ट ऑफ एन इनोवेटिव जू.बेस्ड एजुकेशनल कैंपेन :"डॉन्ट पाम अस ऑफ " फॉर आरंगुटान कन्जर्वेशन. जू बायोलॉजी, 33(3), 184-196

पॉवेल, डी.एम., और बुलक, ई.वी. (2014)
इवैल्यूएशन ऑफ फैक्टर्स अफेक्टिंग इमोशनल रेस्पॉन्सेस इन जू विजिटर्ज एंड द इम्पैक्ट ऑफ इमोशन ऑन कन्जर्वेशन माइनडेडनेस. एन्थ्रोजूज, 27(3), 389-405

रब्ब, जी.बी., और सॉन्डर्स, सी.डी. (2005)
द फ्यूचर ऑफ जूस एंड अक्वेरियम्स : कन्जर्वेशन एंड केयरिंग. इंटरनेशनल जू इयरबुक, 39(1), 1-26.

रॉबसन, सी., और मैककार्टन, के. (2016)
रियल वर्ल्ड रिसर्च. जॉन विलेय एंड संस

रॉस, एस.आर., मेलबर, एल.एम., गिलेस्पी, के.एल., और लुकास, के.ई. (2012)
द इम्पैक्ट ऑफ अ मॉडर्न, नैचुरलिस्टिक एक्सिबिट डिजाइन ऑन विजिटर बिहेवियर : अ क्रॉस -फैसिलिटी कम्पैरिजन. विजिटर स्टडीज, 15(1), 3-15

सॉन्डर्स, सी.डी., ब्क, ए.टी., और यूजीन मायर्स, ओ. (2006)
यूजिंग साइकोलॉजी टू सेव बायोडायवर्सिटी एंड ह्यूमन वेल-बीइंग. कन्जर्वेशन बायोलॉजी, 20(3), 702-705

शुल्त्स, पी.डब्ल्यू. (2011)
कन्जर्वेशन मीन्स बिहेवियर. कन्जर्वेशन बायोलॉजी, 25(6), 1080-1083

शुल्त्स, पी. डब्ल्यू. (2000)
न्यू एनवायर्नमेंटल थ्योरीजः एम्पथाइजिंग विद नेचर : द इफेक्ट्स ऑफ पर्सपेक्टिव टेकिंग ऑन कंसर्न फॉर एनवायर्नमेंटल इश्यूज. जर्नल ऑफ सोशल इश्यूज, 56(3), 391-406

शुल्त्स, पी.डब्ल्यू., श्रीवर, सी., तबानिको, जे.जे., एंड खजियन, ए.एम. (2004)
इम्प्लिसिट कनेक्शंस विद नेचर. जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल साइकोलॉजी, 24(1), 31-42

सेरेल, बी. (2015)
एक्जिबिट लेबल्सः ऐन इंटरप्रेटिव अप्रोच : रोमन एंड लिटिलफील्ड

सिनेक, एस. (2009)
स्टार्ट विद व्हाय : हाउ ग्रेट लीडर्स इनसपायर एवरीवन टू टेक एक्शन : पेंगुइन

स्कीबिन्स, जे.सी., और पॉवेल, आर.बी. (2013)
कन्जर्वेशन केयरिंग : मैजरिंग द इन्फ्लुएंस ऑफ जू विजिटर्स कनेक्शन टू वाइल्डलाइफ ऑन प्रो-कन्जर्वेशन बिहेवियर्स. जू बायोलॉजी, 32(5), 528-540

स्मिथ, एल., और ब्रॉड, एस. (2007)
डू जू विजिटर्स अटेंड टू कन्जर्वेशन मेसजेज? अ केस स्टडी ऑफ ऐन एलीफैंट एक्सिबिट. टूरिज्म रिव्यु इंटरनेशनल, 11(3), 225-235

सॉवर्ड्स, एस. के., तरीन, सी. ए., एंड उप्टन, एस. डी. (2017)
प्लेस-बेस्ड दिआलॉजिक्सः अडाप्टिव कल्चरल एंड इंटरपर्सनल अप्रोचेस तो एनवायर्नमेंटल कन्सेर्वेशन. फ्रंटियर्स इन कम्युनिकेशन, 2, 9.

स्पर्लिंग, ई., एंड बेन्कजे, जे. एल. (2015)
रिइमेजिनिंग नॉन-फॉर्मल साइंस एजुकेशन : अ केस ऑफ ईकोजस्टिस-ओरिएंटेड सिटीजनशिप एजुकेशन. कैनेडियन जर्नल ऑफ साइंस, मैथमेटिक्स एंड टेक्नोलॉजी एजुकेशन, 15(3), 261-275

सेंट जॉन,एफ. ए., कीएन, ए. एम., एंड मिलनेर.गुलंद, ई. जे. (2013)
इफेक्टिव कन्सेर्वेटिव डिपेंडस अपॉन अंडरस्टैंडिंग ह्यूमन बेहेवियर. की टॉपिक्स इन कन्सेर्वेशन बायोलॉजी 2, 344-361

स्टेग, एल. ई., वन देन बर्ग, ए. ई., एंड डी ग्रूट, जे.आई. (2013)
एनवायर्नमेंटल साइकोलॉजीः एन इंट्रोडक्शनः बीपीसी ब्लैकवेल

स्टर्न, एम.जे., पॉवेल, आर.बी., और हिल, डी. (2014)
एनवायर्नमेंटल एजुकेशन प्रोग्राम इवैल्यूएशन इन द नई मिलेनियम : व्हाट डू वी मैजर एंड व्हाट हैव वी लर्नड ? एनवायर्नमेंटल एजुकेशन रिसर्च, 20(5), 581-611

स्वैसगूड, आर.आर., और शेपर्ड, के., जेम्स. (2010)
द कल्चर ऑफ कन्जर्वेशन बाओलॉजिस्ट्स : शो में द होप ! बायोसाइंस, 60(8), 626-630

स्विम, जे., और फ्रेजर, जे. (2014)
जू एंड एक्वेरियम प्रोफेशनल्स कंसर्नस एंड कॉन्फिडेंस अबाउट क्लाइमेट चेंज एजुकेशन. जर्नल ऑफ जियोसाइंस एजुकेशन, 62(3), 495-501

तशक्कोरी, ए., और टेडली, सी. (सं.) (2010)
सेज हैंडबुक ऑफ मिक्स्ड मेथड्स इन सोशल एंड बिहेवियरल रिसर्च. सेज

थॉमस, एस (2020)
सोशल चेंज फॉर कन्जर्वेशनः थे वर्ल्ड जू एंड एक्वेरियम कन्जर्वेशन एजुकेशन स्ट्रेटेजी य बार्सिलोना, स्पेन : **WAZA** एग्जीक्यूटिव ऑफिस, 89पीपी.

थॉमस, एस. (2016)
एडिटोरियल : फ्यूचर पर्सपेक्टिव्स इन कन्जर्वेशन एजुकेशन. इंटरनेशनल जू इयरबुक, 50(1), 9-15

ट्रिलिंग, बी., और फडेल, सी. (2009)
21स्ट सेंचुरी स्किल्स : लर्निंग फॉर लाइफ इन आवर टाइम्स. जॉन विलेय एंड संस.

वैगनर, के., चेसलर, एम., यॉर्क, पी., और रेनोर, जे. (2009)
डेवलपमेंट एंड इम्प्लीमेंटेशन ऑफ एन इवैल्यूएशन स्ट्रेटेजी फॉर मेजरिंग कन्जर्वेशन आउटकम्स. जू बायोलॉजी : पब्लिश्ड इन अफिलिएशन विद द अमेरिकन जू एंड एक्वेरियम एसोसिएशन, 28(5), 473-487

वैगनर, बी., और जेन्सेन, ई. (2010)
साइंस लर्निंग एट द जू : इवैलुएटिंग चिल्ड्रन'स डेवलपिंग अंडरस्टैंडिंग ऑफ एनिमल्स एंड देयर हैबिटैट. साइकोलॉजी एंड सोसाइटी, 3(1), 65-76.

WAZA (2020)
WAZA गाइडलाइन्स फॉर एनिमल -विजिटर इंटरेक्शन्स. WAZA, बार्सिलोना, स्पेन

WAZA (2020)
प्रोटेक्टिंग आवर प्लेनेट : वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ जूज एंड अक्वेरियम्स सस्टेनेबिलिटी स्ट्रेटेजी 2020-2030. बार्सिलोना, स्पेन :ॅ। एग्जीक्यूटिव ऑफिस, 64पीपी

वेल्स, एम., बटलर, बी.एच., और कोक, जे. (2013)
इंटरप्रेटिवे प्लानिंग फॉर म्यूजियम्स : इंटेग्रटिंग विजिटर पर्सपेक्टिव्स इन डिसिशन मेकिंग : लेफ्ट कोस्ट प्रेस

व्हाइटहाउस, जे., वालर, बी.एम., चौनविन, एम., वालेस, ई.के., शेल, ए.एम., पियर्स, के., मिशेल, एच., मैक्री, ए. एंड स्लोकोम्बे, के. (2014)
इवैल्यूएशन ऑफ पब्लिक इंगेजमेंट एक्टिविटीज टू प्रमोट साइंस इन अ जू एनवायरनमेंट. प्लस वन, 9(11).

विलियम्स, एफ. (2017)
द नेचर फिक्स : व्हाय नेचर मेक्स अस हैप्पियर, हेल्दियर, एंड मोर क्रिएटिव : डब्ल्यूडब्ल्यू नॉर्टन एंड कंपनी

विल्सन, ई. (1984)
बायोफिलियाः द ह्यूमन बॉन्ड विद अदर स्पीशीज. कैम्ब्रिजः हार्वर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस

डब्ल्यूडब्ल्यूएफ (2018)
लिविंग प्लैनेट रिपोर्ट - 2018ः एमिंग हायर. ग्रोटेन, एम. और आलमंड, आर.ई.ए.(सं.). डब्ल्यूडब्ल्यूएफ, ग्लैंड, स्विटजरलैंड

यंग, ए., खलील, के.ए., और व्हार्टन, जे. (2018)
एम्पथी फॉर एनिमल्स : अ रिव्यु ऑफ द एक्सिस्टिंग लिटरेचर. क्यूरेटर : द म्यूजियम जर्नल, 61(2), 327-343

एक्रोनिम्स और वेबसाइट्स

ALPZA
एसोसिएशन लैटिनोअमेरिकाना डे पार्क्स जूलोगिकोस और एक्वारियोस

AZA
चिड़ियाघर और मछलीघर संघ

CBD
जैविक विविधता सम्मेलन

CPSG
संरक्षण नियोजन विशेषज्ञ समूह

EAZA
चिड़ियाघर और मछलीघर यूरोपीय संघ

IPBES
जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं पर अंतर सरकारी विज्ञान-नीति प्लैटफॉर्म

IPCC
जलवायु बदलाव पर अंतर सरकारी पैनल

IUCN
प्रकृति संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ

IUCN CEC
संचार और शिक्षा के लिए IUCN आयोग

IZE
अंतर्राष्ट्रीय चिड़ियाघर शिक्षक संघ

JEP
जॉब एक्सचेंज प्रोग्राम

PAAZA
चिड़ियाघरों और मछलीघरों का पैन-अफ्रीकन संघ

SEAZA
चिड़ियाघरों और मछलीघरों का दक्षिण पूर्व एशियाई संघ

UN SDG
संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य

WAZA
चिड़ियाघरों और मछलीघरों का विश्व संघ

WZACES
विश्व चिड़ियाघर और मछलीघर संरक्षण शिक्षा रणनीति

ZAA
चिड़ियाघर और मछलीघर संघ ऑस्ट्रेलिया

पारिभाषिक शब्दावली

इस रणनीति का संदर्भ यहां दी गई परिभाषाओं को निर्धारित करता है। इन परिभाषाओं का लक्ष्य इस दस्तावेज में दिये गए अर्थ के बारे में स्पष्टता और विश्वास प्रदान करना है।

21वीं सदी के कौशल
वे कौशल, योग्यताएं और सीखने की प्रवृत्तियां जिन्हें 21वीं सदी के समाज में सफलता के लिए आवश्यक के रूप में पहचाना गया है। कौशल को तीन मुख्य क्षेत्रों में बांटा गया है:
1. शिक्षण और नवाचार कौशलरू आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान, संचार और सहयोग, रचनात्मकता और नवाचार।
2. डिजिटल साक्षरता कौशलरू जानकारी साक्षरता, मीडिया साक्षरता, सूचना और संचार प्रौद्योगिकियां (ICT) साक्षरता।
3. करियर और जीवन कौशलरू लचीलापन और अनुकूलनशीलता, पहल और आत्म-निर्देशन, सामाजिक और क्रॉस-सांस्कृतिक अतः क्रिया, उत्पादकता और जवाबदेही।

सुलभ
मानवीय क्षमता और अनुभव की निरंतरता के साथ सभी का स्वागत करने और उन्हें उचित पहुंच प्रदान करने की क्षमता।

वकालत
किसी विशेष लक्ष्य या कार्यक्रम के लिए जागरूकता, राजनीतिक प्रतिबद्धता, नीति समर्थन, सामाजिक स्वीकृति, और सिस्टम्स का समर्थन प्राप्त करने के लिए डिजाइन किए गए व्यक्तिगत और सामाजिक कार्यों का संयोजन।

पशु कल्याण
पशु कल्याण एक ऐसी स्थिति को संदर्भित करता है जो प्रत्येक विशेष पशु के लिए विशिष्ट होती हैय पशु उस प्रजाति के लिए विशिष्ट सुखद अनुभवों जैसे कि प्राणशक्ति, स्नेह, सुरक्षा, और उत्तेजना या बुरे अनुभवों जैसे दर्द, भूख, भय, ऊब, अकेलापन, या निराशा के साथ अपने संबंध से अपनी दुनिया और जीवन को कैसे अनुभव करता है। (वाजा परिभाषा 2020)

एंथ्रोपोसिन
वर्तमान युग से संबंधित, उस अवधि के रूप में देखा जाता है जिसके दौरान मानव गतिविधि का जलवायु और पर्यावरण पर सबसे अधिक प्रभाव पड़ा है।

मछलीघर
जीवित वन्यजीवों और अन्य प्रजातियों वाली स्थायी रूप से स्थित फसिलिटी जो मुख्य रूप से आने वाली जनता के लिए खुली और प्रशासित होती है।

दर्शक
व्यक्ति या समूह जो किसी चिड़ियाघर या मछलीघर से ऑनसाइट, ऑफसाइट या ऑनलाइन जुड़ते हैं।

जैव विविधता
सभी स्रोतों से जीवित जीवों के बीच परिवर्तनशीलता, जिनमें अन्य बातों के साथ, स्थलीय, समुद्री और अन्य जलीय पारिस्थितिक तंत्रों, और पारिस्थितिक परिसर शामिल हैं जिनका वे हिस्सा हैंय इसमें प्रजातियों के भीतर, प्रजातियों के बीच और पारिस्थितिक तंत्र की विविधता (CBD परिभाषा) शामिल है।

बायोफिलिया
प्राकृतिक दुनिया के साथ मनुष्य की एक सहज और आनुवंशिक रूप से निर्धारित आत्मीयता।

व्यवहार
(मनुष्यों के संबंध में) मनुष्यों द्वारा प्रदर्शित शारीरिक या मानसिक, सीखे गए या स्वाभाविक, सचेत या अचेत, अभ्यस्त या नियोजित व्यवहार के प्रकार।

व्यवहार में बदलाव
समन्वित हस्तक्षेप गतिविधियों, और पद्धतियों की एक विस्तृत श्रृंखला जो विशिष्ट व्यवहार पैटर्न को प्रेरित और प्रभावित करने के लिए व्यक्ति, समुदाय और पर्यावरण पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

क्षमता निर्माण
एक प्रक्रिया जिसके द्वारा व्यक्ति और समूह समस्याओं को हल करने और बदलाव लागू करने के लिए आवश्यक कौशल, ज्ञान, उपकरण और अनुभव प्राप्त करते हैं, सुधारते हैं और बनाए रखते हैं।

जलवायु संकट
दुनिया के मौसम में बदलाव के कारण होने वाली गंभीर समस्याएंय विशेष रूप से मानव गतिविधि के परिणामस्वरूप दुनिया और गर्म होने के कारण वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड के स्तर में वृद्धि।

जलवायु आपात स्थिति
ऐसी स्थिति जिसमें तेजी से बदलते जलवायु को कम करने या रोकने और संभवतः अपरिवर्तनीय पर्यावरणीय क्षति से बचने के लिए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता होती है।

समुदाय
व्यक्तियों का एक समूह जो भूगोल, नीति, कानून, —चियों, ज्ञान, विशेषताओं, रिश्तेदारी, इतिहास, सामाजिक संरचना, अर्थशास्त्र, राजनीति, या अन्य प्रकार के बंधनों के किसी भी मिश्रण से जुड़े हुए होते हैं।

सामुदाय को शामिल करना
एक सहयोगी दो-तरफा प्रक्रिया, जिसमें पारस्परिक लाभ, कनेक्शन्स और संबंध उत्पन्न करने के लक्ष्य से सम्मानजनक और उत्तरदायी गतिविधियों, बातचीतों और समुदायों (व्यक्तियों, समूहों और संगठनों) को ध्यान सुनना शामिल है।

संरक्षण की वकालत
जैव विविधता के संरक्षण के लिए जागरूकता, राजनीतिक प्रतिबद्धता, नीति समर्थन, सामाजिक स्वीकृति, और सिस्टम्स का समर्थन बढ़ाने के लिए डिजाइन किए गए व्यक्तिगत और सामाजिक कार्य।

संरक्षण शिक्षा
जैव विविधता के संरक्षण के बारे में लोगों के नजरिये, भावनाओं, ज्ञान और व्यवहारों को प्रभावित करने की प्रक्रिया।

संरक्षण मनोविज्ञान
प्राकृतिक दुनिया के संरक्षण को प्रोत्साहित करने के तरीके पर विशेष ध्यान देते हुए, मनुष्यों और बाकी प्रकृति के बीच पारस्परिक संबंधों का वैज्ञानिक अध्ययन

संरक्षण
लंबी अवधि (WAZA परिभाषा) के लिए प्राकृतिक आवासों में प्रजातियों की आबादी को सुरक्षित करना।

संरक्षण कहानी सुनाना
घटनाओं के अनुक्रम को संदर्भ देने, रौशनी डलने और अर्थ व्यक्त करने, इतिहास और परंपरा को प्रसारित करने, मनोरंजन करने, संवेदना और समुदाय का निर्माण करने और लोगों को संरक्षण कार्य करने के लिए प्रेरित करने के लिए दिया गया वर्णनात्मक आकार।

संरक्षण कल्याण
संरक्षण उद्देश्यों, जैसे वन्यजीव-शोध गतिविधियां या रीलीज-टू-द-वाइल्ड कार्यक्रम, को हासिल करने का उद्देश्य रखते हुए, साथ ही सकारात्मक पशु-कल्याण स्थितियाँ सुनिश्चित करना। (अध्याय 6 देखें- WAZA का कैयरिंग फॉर वाइल्डलाइफ।)

क्रॉस-करिकुलर पद्धति
शिक्षा और शिक्षण के भीतर उपयोग किए जाने वाले विषयों, शैक्षणिक शास्त्रों, और कौशल दक्षताओं शिक्षण शैलियों को सीखने का एक अंतःविषय और गतिशील मिश्रण।

विविधता
व्यक्तिगत और सामूहिक उपलब्धि को प्रोत्साहित करने और प्रशंसा करने वाले वातावरण में व्यक्तियों को अद्वितीय बनाने वाली विशेषताओं की विविधता की पहचान और प्रशंसा।

आलोचनात्मक सोच
आलोचनात्मक सोच विचारों के बीच तार्किक संबंध को समझते हुए, स्पष्ट और तर्कसंगत रूप से सोचने की क्षमता होती है।

पारिस्थितिक सोच
एक समझ है कि दुनिया मूल रूप से आपस में जुड़ी हुई और आपस में निर्भर है। पारिस्थितिक दृष्टिकोण से, मनुष्य प्रकृति से अलग नहीं हैं, लेकिन "जीवन के जाल" में गहराई से अंतर्निहित हैं।

पारिस्थितिकी तंत्र
इंटरैक्ट करते जीवों और उनके भौतिक वातावरण का एक जैविक समुदाय।

पर्यावरणीय नागरिक
जो लोग समकालीन पर्यावरणीय मुद्दों को हल करने, नए पर्यावरणीय मुद्दों की उत्पति को रोकने, सततता हासिल करने और साथ-साथ प्रकृति के साथ एक स्वस्थ संबंध विकसित करने की दिशा में, व्यक्तिगत और सामूहिक कार्यों के माध्यम से, स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर निजी और सार्वजनिक क्षेत्र में बदलाव के एजेंट्स के रूप में समाज में कार्य करते हैं और भाग लेते हैं।

सतत विकास के लिए शिक्षा
सीखने की एक पद्धति जो शिक्षार्थियों को सांस्कृतिक विविधता का सम्मान करते हुए, वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लिए, पर्यावरणीय अखंडता, आर्थिक व्यवहार्यता और एक न्यायपूर्ण समाज के लिए सूचित निर्णय लेने और जिम्मेदार कार्य करने के लिए सशक्त बनाती है।

सततता के लिए शिक्षा
एक आजीवन सीखने की प्रक्रिया जो रचनात्मक समस्या को सुलझाने के कौशल, वैज्ञानिक और सामाजिक साक्षरता, और जम्मेदार व्यक्तिगत और सहकारी कार्यों में संलग्न होने की प्रतिबद्धता वाले एक सूचित और भागीदार नागरिक की ओर ले जाती है।

शिक्षा कल्याण
जहां संरक्षण शिक्षा के उद्देश्यों को पूरे करते हुए, सकारात्मक पशु कल्याण स्थितियां सुनिश्चित की जाती हैं।

संवेदना
संवेदना एक उत्तेजित भावनात्मक स्थिति होती है जो किसी अन्य व्यक्ति या पशु के अनुभवों या दृष्टिकोणों को देखने, समझने और उनकी परवाह करने की क्षमता पर निर्भर करती है।

संलग्न होना
ध्यान, जिज्ञासा, —चि, आशावाद और जुनून की डिग्री जो व्यक्ति दिखाते हैं, जो उस प्रेरणा के स्तर तक बढ़ जाती है जिसे उन्हें सीखना और आगे बढ़ना होता है।

समानता
समानता इस बात को ध्यान में रखती है कि उत्पीड़न और विशेषाधिकार की प्रणाली के कारण लोगों की संसाधनों तक अलग-अलग पहुंच होती है। समानता उस अंतर को संतुलित करने का प्रयास करती है। एक समान वातावरण में, किसी व्यक्ति या समूह को वह दिया जाएगा जो उन्हें समान लाभ

प्रदान करने के लिए आवश्यक था। यह जरूरी नहीं कि दूसरों को जो मिल रहा था, उसके बराबर हो। यह अधिक या अलग हो सकता है। समानता एक आदर्श और लक्ष्य है, प्रक्रिया नहीं। समान का अर्थ है समता होना।

मूल्यांकन
किसी चल रहे या पूरी हो गई परियोजना, कार्यक्रम या नीति के डिजाइन, कार्यान्वयन और परिणामों के गुणात्मक और मात्रात्मक डेटा का उपयोग करके एक व्यवस्थित और निष्पक्ष आकलन।

सक्ष्य-आधारित पर
एक पद्धति जो सर्वोश्रेष्ठ उपलब्ध वर्तमान शोध के निष्कर्षों के व्यावहारिक अनुप्रयोग पर जोर देती है।

प्रदर्शनी डिजाइन
प्रजातियों, पशुओं की देखभाल करने वाले कर्मचारियों और आगंतुकों के लिए स्थान और अनुभव सृजन करने की प्रक्रिया।

एक्स सीटू संरक्षण
उनके प्राकृतिक आवास के बाहर प्रजातियों का संरक्षण।

क्षेत्र संरक्षण
प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्रों और आवासों में प्रजातियों के दीर्घकालिक जीवन में प्रत्यक्ष रूप से योगदान करना।

रचनात्मक मूल्यांकन
शुरूआती संशोधन और सुधार करने, और डिजाइन निर्णयों को प्रभावित करने के लिए, आमतौर पर संरक्षण शिक्षा गतिविधियों के विकास के दौरान होता है।

वैश्विक हीटिंग
संपूर्ण पृथ्वी प्रणाली के तेजी से गर्म होने पर और अधिक जोर का संकेत देता हैरू वायुमंडल, क्रायोस्फीयर और महासागर प्रणाली।

संरक्षकता
ऐसे व्यक्ति और समूह जो सक्रिय रूप से किसी चीज से जुड़ते हैं, उसकी रक्षा करते हैं और उसकी देखभाल करते हैं जैसे कि पर्यावरण।

प्रभाव का मूल्यांकन
संरक्षण शिक्षा गतिविधियों, दोनों सकारात्मक और नकारात्मक, और अपेक्षित और अनपेक्षित, के परिणाम के रूप में दीर्घकालिक, सतत बदलावों का मूल्यांकन करने पर ध्यान केंद्रित करता है।

समावेश
सभी व्यक्तियों और समूहों की ताकत को, और यह सुनिश्चित करने के लिए चल रहे प्रयासों को वास्तविक और स्वेच्छा से गले लगाना, लाभ उठाना और प्रशंसा करना, कि विविध व्यक्ति पूरी तरह से भाग लें और किसी संगठन या समुदाय के सम्मानित सदस्यों के रूप में उनकी कदर की जाएं।

इन सीटू संरक्षण
उनके प्राकृतिक आवासों के भीतर प्रजातियों का संरक्षण - जो कि है "जंगल में"।

अंत:विषयक
दो या दो से अधिक अकादमिक विषयों या अध्ययन क्षेत्रों से ज्ञान और सोचने के तरीकों को जोड़ना या शामिल करना, जिसके परिणामस्वरूप एक संश्लेषित पद्धति मिलती है।

व्याख्यात्मक नियोजन
अनौपचारिक शिक्षण-आधारित संस्थानों जैसे चिड़ियाघरों और मछलीघरों के लिए नियोजन और डिजाइन प्रक्रिया में एक प्रारंभिक चरण, जहां संदेशों, कहानियों, जानकारियों और अनुभवों को संचारित करने के लिए व्याख्या का उपयोग किया जाता है। यह एक निर्णय लेने की प्रक्रिया है जो किसी लक्षित दर्शकों को संदेश संचारित करने की सबसे प्रभावी तरीका निर्धारित करने के लिए प्रबंधन की जरूरतों और संसाधन के विचारों को आगंतुक की जरूरतों और इच्छाओं के साथ मिलाता है।

तर्क मॉडल्स
एक ग्राफिक जो एक कार्यक्रम के लक्ष्यों, उद्देश्यों और सफलता के संकेतक प्रदर्शित करता है। इसे अक्सर एक मैट्रिक्स के रूप में प्रस्तुत किया जाता है जो उन विशिष्ट गतिविधियों, अपेक्षित परिणामों और सफलता के मापों को प्रदर्शित करता है। एक तर्क मॉडल का उद्देश्य किसी कार्यक्रम के निष्पादन का मार्गदर्शन करने वाले तर्क का एक संक्षिप्त प्रदर्शन प्रदान करना होता है, और यह आपके बदलाव के सिद्धांत को समझाने का एक उपकरण है।

मापने योग्य शिक्षण परिणाम
किसी संरक्षण शिक्षा गतिविधि, इवेंट, या कार्यक्रम के परिणामस्वरूप एक व्यक्ति, समूह से क्या करने, जानने और मानने में सक्षम होने की अपेक्षा की जाती है, और उनसे उन परिणामों को कितने अच्छी तरह से हासिल करने की अपेक्षा की जानी चाहिए, उसका एक **SMART** (विशिष्ट, मापने योग्य, हासिल करने योग्य, प्रासंगिक, समयबद्ध) वक्तव्य। यह शिक्षण का सार और उसकी प्राप्ति को कैसे प्रदर्शित करना है, दोनों बताता है।

निगरानी
संरक्षण शिक्षा के लक्ष्यों और परिणामों की दिशा में प्रगति को जांचने के लिए विशिष्ट संकेत कों के सहारे डेटा का निरंतर और व्यवस्थित संग्रह और विश्लेषण।

तंत्रिका विविधता
एक अवधारणा जो सारी न्यूरोलॉजिकल विशिष्टता, न्यूरोडेवलपमेंट की सभी लयों, और सभी रूपों को पहचानती है, सम्मान करती है और गले लगाती है जिसके द्वारा मनुष्य अपने आपको व्यक्त कर सकते हैं और अपनी दुनिया में योगदान दे सकते हैं।

महासागर साक्षरता
समुद्र पर व्यक्तिगत और सामूहिक प्रभाव और लोगों के जीवन और सेहत पर इसके प्रभाव की समझ।

वन हेल्थ
लोगों, पशुओं, पौधों और उनके द्वारा साझा पर्यावरण के बीच अंतर्संबंध को पहचानते हुए, इष्टतम स्वास्थ्य परिणाम हासिल करने के लक्ष्य के साथ स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर काम करने वाली, एक सहयोगी, बहुक्षेत्रीय और ट्रांसडिसिप्लिनरी पद्धति। (**CDC**, वन हेल्थ आयोग)

वन प्लैन पद्धति
एकीकृत प्रजाति संरक्षण नियोजन जो सभी प्रबंधन स्थितियों में प्रजातियों की सभी आबादियों (प्राकृतिक सीमा के अंदर और बाहर) का ध्यान रखता है, और संरक्षण योजना पहल की शु—आत से सभी जिम्मेदार पार्टियों और संसाधनों को शामिल करता है।

परिणाम मूल्यांकन
संरक्षण शिक्षा गतिविधियों के परिणामस्वरूप ज्ञान, दृष्टिकोण, व्यवहारों और प्रथाओं (या अन्य वर्णित परिणामों) में आए बदलावों (लघु और दीर्घकालिक परिणाम दोनों) के मूल्यांकन पर ध्यान केंद्रित करता है।

शैक्षणिक पद्धति
शिक्षण शैली, शिक्षण सिद्धांत, प्रतिक्रिया और मूल्यांकन सहित शिक्षण की विधि और प्रथा।

प्रक्रिया मूल्यांकन
किसी संरक्षण शिक्षा कार्यक्रम की गतिविधियों, उसकी गुणवत्ता, वह किस तक पहुंच रहा है, और उसे कैसे लागू किया जाता है, इसके मूल्यांकन पर केंद्रित होता है। क्या होना चाहिए था उसकी तुलना वास्तव में क्या हो रहा है उससे करता है।

गुणवत्ता ढांचा
गुणवत्ता संरक्षण शिक्षा में अच्छी प्रथा के सिद्धांतों को शामिल करके गुणवत्ता प्रक्रियाओं की रचना करने के लिए एक वैचारिक ढांचा।

छठा सामूहिक विलोपन
पृथ्वी के भूविज्ञान और पारिस्थितिक तंत्र पर उल्लेखनीय मानव प्रभाव के प्रारंभ से शुरू एक प्रस्तावित भूवैज्ञानिक युग, जिसमें मानव-जनित जलवायु आपात स्थिति शामिल है, लेकिन इसी तक सीमित नहीं है।

सामाजिक बदलाव
समाज, समुदाय या संदर्भ को चिह्नित करने वाले सामान्य नजरिए और व्यवहार में बदलाव जिसमें सामाजिक प्रक्रियाओं, पैटर्न्स, इंटरैक्शन्स, संबंधों और संस्कृतियों में बदलाव शामिल है।

संरक्षण के लिए सामाजिक बदलाव
नजरिए, व्यवहारों, प्रणालियों और संस्कृति में बदलाव जो प्रजातियों के संरक्षण और समाज को लाभ पहुंचाते हैं।

सामाजिक न्याय
एक अवधारणा कि हर किसी को जाति, सामाजिक आर्थिक स्थिति, लिंग या अन्य विशेषताओं की परवाह किये बिना समान आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक अधिकारों के लाभ उठाने का हक है।

सामाजिक लाइसेंस
स्थानीय समुदाय और किसी दिए गए इलाके या क्षेत्र में सामाजिक रूप से स्वीकार्य या वैध के रूप में संचालित होने वाली किसी परियोजना, कंपनी या उद्योग के अन्य हितधारकों के भीतर चल रहा अनुमोदन या व्यापक स्वीकृति।

सामाजिक शोध
सामाजिक जीवन के बारे में वैज्ञानिक रूप से पता लगाने, विश्लेषण करने और अवधारणा बनाने की तार्किक और व्यवस्थित विधि।

सामाजिक-पारिस्थितिक तंत्र का सिद्धांत
एक सैद्धांतिक अवधारणा है कि मनुष्य प्रकृति से अलग नहीं, बल्कि एक हिस्सा हैं।

योगात्मक मूल्यांकन
यह निर्धारित करने के लिए कि प्रत्याशित परिणाम किस हद तक उत्पन्न हुए थे, किसी संरक्षण शिक्षा कार्यक्रम (या उस कार्यक्रम का एक चरण) के अंत में किए गए मूल्यांकन पर ध्यान केंद्रित करता है। यह कार्यक्रम की विशेषता या मूल्य के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है।

सततता
विकास जो अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए भविष्य की पीढ़ियों की क्षमता से समझौता किए बिना वर्तमान की जरूरतों को पूरा करता है।

सतत विकास लक्ष्य
2015 में संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य राज्यों द्वारा गरीबी को समाप्त करने, ग्रह की रक्षा करने और 2030 तक सभी लोग को शांति और समृद्धि मिलेयह सुनिश्चित करने के लिए एक सार्वभौमिक आह्वान के रूप में अपनाया गया 17 लक्ष्यों का एक सेट

सिस्टम्स सिद्धांत
जटिल प्रणालियों की प्रकृति से संबंधित विज्ञान का एक अंत:विषयक क्षेत्र, चाहे वे भौतिक हों या प्राकृतिक हों, या विशुद्ध रूप से गणितीय हों।

बदलाव का सिद्धांत
किसी विशेष संदर्भ में वांछित बदलाव कैसे और क्यों होने की उम्मीद है, इसका विवरण और वर्णन करने का एक तरीका।

ट्रांसडिसिप्लिनरी
एक परियोजना जो एक समग्र पद्धति बनाने के लिए कई अनुशासनात्मक सीमाओं को पार करती है।

योगदान देने वाले संगठन

अर्जेंटीना
ईकोपार्क Bs-As Proyect
फंडासिओन टेमाइकें
मुंदो मैरिनो

ऑस्ट्रेलिया
एलेक्जेंड्रा पार्क चिड़ियाघर
पशु कल्याण इकाई, एनएसडब्ल्यू विभाग
प्राथमिक उद्योग
कु–म्बिन वन्यजीव पशुविहार
फ्लिंडर्स विश्वविद्यालय
लोन पाइन कोआला पशुविहार
पर्थ का चिड़ियाघर
तारोंगा संरक्षण सोसायटी
चिड़ियाघर और मछलीघर एसोसिएशन
चिड़ियाघर दक्षिण ऑस्ट्रेलिया
चिड़ियाघर विक्टोरिया

ब्राजिल
एक्वारियो डी उबातुबा
''फंडासाओ द पार्क म्युनिसिपे ए जूबोटैनिका''
से बेलो होरिजोंटे चिड़ियाघर
जार्डिम जूलोजिको दे बेलो होरिजोंटे- मिनास
गेरैस ह ब्राजील
म्यूजू दे हिस्टोरिया नेचुरल दो कोलेजियो डांटे
अलीगेहरी
म्यूजू दे हिस्टोरिया नेचुरलध्एक्वारियो
म्युनिसिपल
दे कैम्पिनास
पार्के दा अव्स
साओ पाउलो मछलीघर
साओ पाउलो चिड़ियाघर
सोरोकाबा चिड़ियाघर
जूलोजिको दे सैंटो आंद्रे - सबीना एस्कोला
पार्क दो कॉहेसिमेंटो
जूलोजिको दो रियो डी जनेरियो
जूलोजिको म्युनिसिपल लुइज गोंजागा डी
एमीदो कैम्पोस

कनाडा
कैलगरी चिड़ियाघर

चिली
बुइन चिड़ियाघर
जूलोजिको नैशनल डी चिली

चीन
ओशन पार्क हांगकांग

कोलंबिया
कॉर्पोरासियों ऑटोनोमा रिजनाल द
कुंडिनमार्का
फंडासाओ बोटैनिका इ जूलोजिका द
बैरेंक्विला
जूलोजिको द कैलि

क्रोएशिया
जाग्रेब का जूलॉजिकल उद्यान

एल साल्वादोर
पार्क जूलोजिको नैशनल द एल साल्वादोर

एस्तोनिया
तेलिन चिड़ियाघर

फिनलैंड
हेलसिंकी चिड़ियाघर

फ्रांस
अफ्रीकी सफारी
लियोन का मछलीघर
मारिनलैंड एंटिबेज
पार्क जूलॉजिक ए फॉरेस्टियर
रिजर्व अफ्रीकेन द सिगेन
जू द जर्क

जर्मनी
बर्लिन चिड़ियाघर
कोलोन चिड़ियाघर
गोर्लिट्ज चिड़ियाघर
न्यूरेमबर्ग चिड़ियाघर
ओपल चिड़ियाघर
टियरपार्क हेगनबेक
जू होयर्सवर्डा

घाना
पश्चिम अफ्रीकी प्राइमेट संरक्षण कार्रवाई

ग्वाटेमाला
पार्क जूलोजिको नैशनल द ऑरोरा
सेमिलास डेल ओसियानो, ओएनजीई

होंडुरस
सॉन्ट्रो नैशिनल द कनसर्वासियो इ रेसकेट द
लक्समबर्ग
पार्क मरवइयोज बेटमबॉर्ग

मेक्सिको
जूलोजिको ग्वाडालाजारा

नीदरलैंड
एरेस VMBO अल्मेर
चिड़ियाघर और मछलीघर का यूरोपीय संघ
सफारीपार्क बीकसे बर्गन

न्यूजीलैंड
ऑकलैंड चिड़ियाघर
हैमिल्टन चिड़ियाघर
वेलिंगटन चिड़ियाघर
जीलैंडिया पारिस्थितिकी पशुविहार

पोलैंड
लेजनी पार्क कुल्टरी और वाइपोकजिनकु
माइलेसिनेक
पॉज्नन चिड़ियाघर
वारसॉ जूलॉजिकल उद्यान
व्रोक्लॉ चिड़ियाघर

पुर्तगाल
लिस्बन चिड़ियाघर

रूसी संघ
मॉस्को चिड़ियाघर

रवांडा
डियान फॉसी गोरिल्ला फंड इंटरनेशनल

सिंगापुर
वन्यजीव पशुविहार सिंगापुर

स्लोवेनिया
जुब्लजाना चिड़ियाघर

दक्षिण अफ्रीका
पूर्वी लंदन चिड़ियाघर
जोहान्सबर्ग चिड़ियाघर
दक्षिण अफ्रीकी समुद्री संघ
जैविक अनुसंधान
स्पेन
बार्सिलोना चिड़ियाघर

स्वीडन
बोरस चिड़ियाघर
कोलमर्डेन चिड़ियाघर
नॉर्डेंस अर्क
स्कैन्सन फाउंडेशन

स्विट्जरलैंड
चिड़ियाघर बेसेलिया

ताइवान
ताइपे चिड़ियाघर

थाईलैंड
प्राणी उद्यान संगठन

युगांडा
युगांडा वन्यजीव शिक्षा केंद्र
संयुक्त अरब अमीरात
अल ऐन चिड़ियाघर

ग्रेट ब्रिटेन और उत्तरी यूनाइटेड किंगडम आयरलैंड
अ–डेल (वाइल्डफाउल और वेटलैंड ट्रस्ट)
बेद की जूलॉजिकल सोसायटी
बेलफास्ट जूलॉजिकल उद्यान
बर्डवर्ल्ड

चिड़ियाघरों और मछलीघरों के ब्रिटिश और आयरिश संघ
काल्डेरग्लेन चिड़ियाघर
कैंटरबरी अकादमी, IUCN ASG
चेस्टर चिड़ियाघर
कोलचेस्टर चिड़ियाघर
दुनिया के मगरमच्छ
पर्यावरण एजेंसी
राजहंस भूमि
हैनवेल चिड़ियाघर
शिकारी पक्षियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय केंद्र
आइल ऑफ वाइट चिड़ियाघर
मारवेल वन्यजीव
मायर्सकॉफ कॉलेज
राष्ट्रीय समुद्री मछलीघर
महासागर संरक्षण ट्रस्ट
पैराडाइज वाइल्डलाइफ पार्क
पेंटन चिड़ियाघर
रीजहीथ चिड़ियाघर
RZSS एडिनबर्ग चिड़ियाघर
RZSS हाइलैंड वाइल्डलाइफ पार्क
सी लाइफ यूके
स्पार्शोल्ट कॉलेज
द डीप
ट्विक्रॉस चिड़ियाघर
वेस्ट मिडलैंड सफारी पार्क
वाइल्डफाउल और वेटलैंड्स ट्रस्ट
यॉर्कशायर वन्यजीव पार्क
लंदन जूलॉजिकल सोसायटी
जूस्टीफन

संयुक्त राज्य अमेरिका

अमेरिका का शिक्षण चिड़ियाघर
चिड़ियाघरों और मछलीघर का संघ
अमेरिकाध्ऑडयूबोन के ऑडबोन मछलीघर
प्रकृति संस्थान
ऑडबोन चिड़ियाघर
बैटन रूज चिड़ियाघर
बीकन कॉलेज
बीज नीज क्रिएटिव
ब्—कफील्ड चिड़ियाघर
चेयेन माउंटेन चिड़ियाघर
चट्टानूगा चिड़ियाघर
क्लीवलैंड मेट्रोपार्क चिड़ियाघर
कोलंबस चिड़ियाघर
डैलस चिड़ियाघर
डेट्रॉइट जूलॉजिकल सोसायटी
डेनवर चिड़ियाघर
फ्रेस्नो चाफी चिड़ियाघर
राष्ट्रीय चिड़ियाघर के मित्र (स्मिथसोनियन राष्ट्रीय चिड़ियाघर)
ह्यूस्टन चिड़ियाघर
लिंकन पार्क चिड़ियाघर
लॉस एंजिलिस चिड़ियाघर
मिनिसोटा चिड़ियाघर
नेपल्स चिड़ियाघर
नेचर अवैर पत्रिका
उत्तर कैरोलिना चिड़ियाघर
ओकलैंड चिड़ियाघर
पाम बीच चिड़ियाघर और संरक्षण सोसायटी
फीनिक्स चिड़ियाघर
रीड पार्क चिड़ियाघर
रिवरबैंक्स चिड़ियाघर और उद्यान
सेंट लुइस चिड़ियाघर
सैन डिएगो चिड़ियाघर
सैन डिएगो चिड़ियाघर सफारी पार्क
सेनेका पार्क चिड़ियाघर सोसायटी
स्पीशीज360
टेरी ओ'कॉनर परामर्श
टेक्सास स्टेट मछलीघर
समुद्री स्तनपायी केंद्र
टर्टल बैक चिड़ियाघर
वर्जीनिया चिड़ियाघर
न्यूपोर्ट मछलीघर में वेव फाउंडेशन, केंटकी
वन्यजीव संरक्षण सोसायटी

वियतनाम

वियतनाम के वन्यजीवों को बचाएं

अंतराष्ट्रीय चिड़ियाघर शिक्षक संघ का बोर्ड

डेबरा एरिकसनकृराष्ट्रपति
सैन डिएगो चिड़ियाघर ग्लोबल, यूएसए

इसाबेल लीकृपिछली राष्ट्रपति
ओशन पार्क हांगकांग, हांगकांग

जूडी मानकृचुनाव राष्ट्रपति
एसएएमबीआर, दक्षिण अफ्रीका

रेचल बर्ग्रेन
समुद्री स्तनपायी केंद्र, यूएसए

अकाने हटाई
लोन पाइन कोआला पशुविहार, ऑस्ट्रेलिया

किम्बर्ली हूरमैन
सेंट लुइस चिड़ियाघर, यूएसए

लियैन विल्सन
चिड़ियाघर विक्टोरिया, ऑस्ट्रेलिया

हिरोयुकी ताकाहाशी
चिबा जूलॉजिकल पार्क, जापान

रेबेका नेलिस
कोलंबस चिड़ियाघर, यूएसए

बृज किशोर गुप्ता
रिलायंस फाउंडेशन, भारत

एमी ह्यूग्स
वेलिंगटन चिड़ियाघर, न्यूजीलैंड

वाजा परिषद

थियो पगेल
कोलोन चिड़ियाघर, जर्मनी

क्लेमेंट लैंथियर
कैलगरी चिड़ियाघर, कनाडा

जेनी ग्रे
चिड़ियाघर विक्टोरिया, ऑस्ट्रेलिया

बॉब चौस्टेन
चेयेन माउंटेन चिड़ियाघर, यूएसए

जॉन फ्रॉली
मिनेसोटा चिड़ियाघर. यूएसए

पेट्रीशिया सिमंस
उत्तरी कैरोलिना चिड़ियाघर, यूएसए

जेम्स क्रेटनी
मारवेल वाइल्डलाइफ, यूके

रादोलसॉ रतजस्ज्जाक
ब्रोक्लॉ चिड़ियाघर, पोलैंड

थॉमस कॉफेल्स
ओपल चिड़ियाघर, जर्मनी

करेन फिफील्ड
वेलिंगटन चिड़ियाघर, न्यूजीलैंड

मारिया क्लारा दोमिंगुएज
कैली चिड़ियाघर, कोलम्बिया

माइक बार्कले
वन्यजीव पशुविहार सिंगापुर, सिंगापुर

क्रेग हूवर
चिड़ियाघर और मछलीघर एसोसिएशन (।।)

मायफैनवी ग्रिफिथ
चिड़ियाघर और मछलीघर का यूरोपीय संघ (ईजा)

एलेक्जेंड्रा गुएरा
लैटिन अमेरिकी चिड़ियाघर और मछलीघर एसोसिएशन (अल्पजा)

निकोला क्रैडॉक
चिड़ियाघर और मछलीघर संघ (जेडएए)

साइमन टोंग
पेंटन चिड़ियाघर, यूके

टॉम श्मिट
टेक्सास स्टेट मछलीघर, यूएसए

किरा मिलहम
आईयूसीएन प्रजाति उत्तरजीविता आयोग

विश्व चिड़ियाघर और मछलीघर संरक्षण शिक्षा रणनीति (WZACES)

सिफारिशों की चेकलिस्ट

यह चेकलिस्ट WZACES के सिफारिशों के सेट के सामने चिड़ियाघरों और मछलीघरों की संरक्षण शिक्षा का आकलन करने में उनकी मदद करने के लिए एक सरल स्व-ऑडिट उपकरण हैं।

चरण 1 : लेखा परीक्षा

प्रत्येक प्रश्न सिफारिशों में से एक से जुड़ा हुआ है। उत्तर हां, नहीं, कुछ हद तक या यदि आप नहीं जानते हैं तो खाली छोड़ दें।

चरण 2 : अंतरालों को पहचानें

कोई भी प्रश्न जिसका उत्तर आपने नहीं या कुछ हद तक दिया है या जिसका आप उत्तर नहीं दे सकते हैं, फॉलो-अप के लिए अंतराल समझा जाएगा। आपका चिड़ियाघर या मछलीघर अभी कहाँ है इसका आकलन करने से आपको भविष्य के लिए अपने चिड़ियाघर या मछलीघर में संरक्षण शिक्षा को बेहतर बनाने की योजना बनाने में मदद मिलेगी।

चरण 3 : साक्ष्य

कल्पना कीजिए कि आपको इस WZACES की सिफारिशों की चेकलिस्ट के अपने उत्तरों का साक्ष्य किसी आधिकारिक मान्यता देने वाली टीम या किसी अन्य चिड़ियाघर या मछलीघर के सहयोगियों को देना था। आप उन्हें क्या साक्ष्य दिखा सकते थे? एक अच्छा अभ्यास भौतिक साक्ष्य की एक श्रृंखला को समानुक्रमित करना है जो दर्शाता है कि आप अपने चिड़ियाघर या मछलीघर में प्रत्येक सिफारिश को कैसे पूरा करते हैं।

प्रश्न	हाँ	नहीं	कुछ क्या
अध्याय 1: संरक्षण शिक्षा की संस्कृति निर्मित करना			
क्या आपके संगठन की संरक्षण शिक्षा भूमिका उसके लिखित मिशन वक्तव्य में परिलक्षित होती है?	○	○	○
क्या आपके संगठन में एक लिखित संरक्षण शिक्षा योजना है?	○	○	○
क्या आपकी संरक्षण शिक्षा योजना दर्शाती है:			
क) आपके संगठन की सभी संरक्षण शिक्षा गतिविधियां	○	○	○
ख) वे विभिन्न प्रकार के दर्शकों पर कैसे लागू होती हैं।	○	○	○
ग) योजना के डिजाइन के पीछे की रणनीतिक सोच?	○	○	○
क्या आपकी संरक्षण शिक्षा योजना इस बात का विशिष्ट संदर्भ देती है कि कैसे चिड़ियाघर या मछलीघर ने अपने मिशन और परिकल्पना, और साथ-साथ लागू राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नीतियों को अपनी संरक्षण शिक्षा में एकीकृत किया है?	○	○	○
क्या आपके संगठन के पास अपने संरक्षण शिक्षा कार्यक्रम कराने के लिए उपयुक्त सुविधाएं हैं?			
क्या इस बात का साक्ष्य है कि संरक्षण शिक्षा इनका एक अभिन्न अंग है:			
क) संस्थागत संग्रह योजनाएं?	○	○	○
ख) प्रदर्शनी डिजाइन?	○	○	○
ग) व्याख्या नियोजन?	○	○	○
अध्याय 2 : संरक्षण शिक्षा के विविध उद्देश्यों को चिड़ियाघरों और मछलीघर में शामिल करना			
क्या आपका संगठन यह प्रदर्शित कर सकता है कि उनके संरक्षण शिक्षा परिणामों का लक्ष्य है:			
क) प्रजातियों, प्राकृतिक दुनिया और चिड़ियाघरों और मछलीघरों के संरक्षण में योगदान के बारे में ज्ञान और समझ निर्मित करना?	○	○	○
ख) प्रजातियों, प्राकृतिक दुनिया और चिड़ियाघरों और मछलीघरों के प्रति सकारात्मक संबंधों, भावनाओं, दृष्टिकोणों, मूल्यों और संवेदना को बढ़ावा देना?	○	○	○
ग) प्रजातियों और प्राकृतिक दुनिया के बारे में विस्मय, आश्चर्य, आनंद, रचनात्मकता और प्रेरणा को प्रोत्साहित करना?	○	○	○
घ) प्रजातियों और प्राकृतिक दुनिया का समर्थन करने के लिए पर्यावरण समर्थक व्यवहार, कार्यों और वकालत को प्रेरित करें	○	○	○
ई) चिड़ियाघरों, मछलीघरों और जैव विविधता संरक्षण से जुड़े वैज्ञानिक, तकनीकी और व्यक्तिगत कौशल विकसित करना?	○	○	○

प्रश्न	हाँ	नहीं	कुछ क्या
अध्याय 3 : सभी के लिए संरक्षण शिक्षा को बढ़ावा देना			
क्या आपका संगठन ऑनसाइट, ऑफसाइट और ऑनलाइन संरक्षण के बारे में जानने के अवसर प्रदान करता है?	○	○	○
क्या आपका संगठन विभिन्न दर्शकों की जरूरतों और विविधताओं को पूरा करने के लिए अपने संरक्षण शिक्षा कार्यक्रमों में की डिलिवरी पद्धतियों की श्रृंखला प्रदर्शित कर सकता है?	○	○	○
अध्याय 4 : संरक्षण शिक्षा में उपयुक्त पद्धतियों और विधियों को लागू करना			
क्या इस बात का साक्ष्य प्रमाण है कि आपका संगठन उनकी संरक्षण शिक्षा के सभी पहलुओं पर मापन योग्य शिक्षण परिणामों को लागू करता है?	○	○	○
क्या संगठन के सभी संरक्षण शिक्षा संदेश वैज्ञानिक तथ्यों और सिद्धांतों पर आधारित हैं?	○	○	○
क्या प्रजातियों, पारिस्थितिक तंत्रों और मुद्दों के बारे में प्रदर्शित जानकारी सटीक और प्रासंगिक है?	○	○	○
अध्याय 5 : संरक्षण शिक्षा में पशु देखभाल और कल्याण को एकीकृत करना			
क्या आपका संगठन पशु-आगंतुक इंटरैक्शन्स पर **WAZA** या अन्य क्षेत्रीय दिशानिर्देशों का अनुपालन करता है?	○	○	○
क्या आपका संगठन अपने दर्शकों को पशुओं की देखभाल के सिद्धांतों के बारे में यह दिखाकर शिक्षित करता है कि उनका संगठन उनकी देख-रख में रह रही प्रजातियों के लिए उच्च कल्याण मानकों को कैसे हासिल करता है?	○	○	○
अध्याय 6 : संरक्षण शिक्षा में संरक्षण और सततता को प्राथमिकता देना			
क्या आपका संगठन यह प्रदर्शित कर सकता है कि यह अपने संरक्षण और सततता के मुद्दों को दर्शकों के अपने जीवन और अनुभवों के लिए प्रासंगिक बनाता है ताकि लोगों को स्थानीय स्तर पर कार्रवाई करने के लिए प्रेरित कर सके जो विश्व स्तर पर बदलाव ला सके?	○	○	○
क्या आपका संगठन अपने दर्शकों को, संरक्षण में उनका संगठन प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष योगदान कैसे देता है यह प्रदर्शित करके उनके अपने संरक्षण कार्य के बारे में शिक्षित करता है?	○	○	○
क्या आपका संगठन अपने दर्शकों को, एक सतत भविष्य के लिए उनका संगठन प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष योगदान कैसे देता है यह प्रदर्शित करके उनके स्वयं के सततता कार्य के बारे में शिक्षित करता है?	○	○	○
अध्याय 7 : संरक्षण शिक्षा में प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास को अनुकूलित करना			
क्या आपके संगठन में आवश्यक अनुभव और योग्यता वाला कम से कम एक स्टाफ सदस्य है जो आपकी संरक्षण शिक्षा योजना को आगे बढ़ाने और लागू करने के लिए जिम्मेदार है?	○	○	○
क्या आपका संगठन स्थानीय, राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संरक्षण शिक्षा नेटवर्क और मीटिंग्स में सक्रिय रूप से शामिल होने के लिए संरक्षण शिक्षा में संलग्न कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को अपना समर्थन प्रदर्शित कर सकते हैं?	○	○	○
क्या आपका संगठन संरक्षण शिक्षा योजना के उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होने के लिए निरंतर व्यावसायिक विकास और प्रशिक्षण के साथ उनकी संरक्षण शिक्षा में संलग्न कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को अपना समर्थन प्रदर्शित कर सकता है?	○	○	○
अध्याय 8 : चिड़ियाघरों और मछलीघर के संरक्षण शिक्षा मूल्य के साक्ष्य को मजबूत करना			
क्या संगठन यह प्रदर्शित करने के लिए कई साक्ष्स प्रदान कर सकता है कि वह अपनी संरक्षण शिक्षा योजना को कैसे संचालित कर रहा है?	○	○	○
क्या संगठन यह प्रदर्शित कर सकता कि वह उचित तरीकों का उपयोग करके अपने संरक्षण शिक्षा कार्यक्रमों का मूल्यांकन कैसे करता है?	○	○	○
क्या संगठन, प्रजातियों और प्राकृतिक दुनिया के प्रति लिए लोगों के ज्ञान, दृष्टिकोण और व्यवहार पर चिड़ियाघरों और मछलीघरों की संरक्षण शिक्षा के प्रभावों को प्रदर्शित करने के लिए कई साक्ष्य-आधारित शोध करता है?	○	○	○
क्या संगठन सामाजिक शोध और मूल्यांकन परियोजनाएं संचालित करने के लिए बाहरी संगठनों और शैक्षणिक संस्थानों के साथ भागीदारी करता है?	○	○	○

WAZA
World Association of Zoos and Aquariums

iZE
INTERNATIONAL ZOO EDUCATORS ASSOCIATION